E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 128 | गुवाहाटी | सोमवार, 4 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12
| VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मोदी! मोदी!! मोदी!!!

सेमीफाइनल में भाजपा विजयी

छत्तीसगढ़			राजस्थान			मध्यप्रदेश			तेलंगाना			
भाजपा	कांग्रेस	अन्य	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	बीआरएस
54	35	1	115	69	15	164	65	1	8	64	8	40

नई दिल्ली (हि.स.)। चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान में निर्णायक बढ़त की ओर है और तेलंगाना में कांग्रेस बीआरएस को सत्ता से बाहर कर रही है। तेलंगाना में भाजपा का मत प्रतिशत 14 के करीब है और वह यहां 8 सीटें जीत रही है। चुनाव आयोग के अनुसार छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों में 54 भाजपा, 36 कांग्रेस को मिलती दिखाई दे रही है। मध्य प्रदेश में 230 सीटों में से भाजपा 163, कांग्रेस 66 और भारत आदिवासी पार्टी के खाते में एक सीट जा रही है। राजस्थान की 199 सीटों में से भाजपा को 115, कांग्रेस को 69, भारत आदिवासी पार्टी को तीन, बसपा को दो, आरएलडी को एक और 8 सीटें स्वतंत्र उम्मीदवार जीत रहे हैं। तेलंगाना में कांग्रेस को 64, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को 39, भाजपा को 8, एआईएमआईएम को 7 और सीपीआई को एक सीट मिल रही है। मतगणना के ये रूझान शाम 07 बजे तक के हैं और इसमें बदलाव हो सकता है। चुनाव आयोग के अनुसार छत्तीसगढ़ में भाजपा 18 सीटें और कांग्रेस 13 सीटें जीत चुकी है। मध्य प्रदेश में भाजपा 86 सीटें, कांग्रेस 23 सीटें और भारतीय आदिवासी पार्टी एक सीट पर जीत दर्ज कर चुकी है। राजस्थान में भाजपा 104, कांग्रेस 60, भारत आदिवासी पार्टी 3, बसपा 2, स्वतंत्र 5 सीट जीत चुके हैं। तेलंगाना में कांग्रेस 47, बीआरएस 23, भाजपा 7 सीटें और एआईएमआईएम 1 सीट जीत चुकी है। इन चार राज्यों की बड़ी दो पार्टियों को मिले प्रतिशत पर विचार किया जाए तो छत्तीसगढ़ में भाजपा को 46.30 और कांग्रेस को 42.14 प्रतिशत मत मिले हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा को 48.63 और कांग्रेस को 40.46 प्रतिशत मत मिले हैं। राजस्थान में भाजपा को 41.70 और कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वोट मिले हैं। तेलंगाना में कांग्रेस को 39.40 और बीआरएस को 37.37 प्रतिशत तथा भाजपा को 13.93 मत मिले हैं।

2024 में जीत की हैट्रिक : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तीन राज्यों में मिली जीत को जनता का आशीर्वाद बताया और कहा कि जीत की यह हैट्रिक 2024 की हैट्रिक बनने जा रही है। उनका इशारा 2024 में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में वापसी की ओर था। भाजपा नेता नरेंद्र मोदी ने राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर आभार स्वरूप आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने जनता विशेष कर महिलाओं, युवाओं और आदिवासियों का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार, जातिवाद और परिवारवाद को कड़ा संदेश है। जनता इनके प्रति अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। भाजपा इन तीनों बुराईयों के प्रति एकमात्र विकल्प है। यह जीत जांच एजेंटियों को बदनाम करने की -शेष पृष्ठ दो पर

लड़ाई जारी रहेगी : राहुल

नई दिल्ली। राज्यों के आए चुनावी नतीजों में भाजपा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जबरदस्त तरीके से चुनाव जीत रही है। इसको लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। वहीं, कांग्रेस के हाथ तेलंगाना में सफलता लगी है। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। इन सबके बीच चुनावी राज्यों के नतीजे को लेकर राहुल गांधी की पहली प्रतिक्रिया भी आ गई है। राहुल गांधी ने इस पर एक एक्स पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश -शेष पृष्ठ दो पर

जनता के दिल में सिर्फ मोदी जी हैं : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तुष्टीकरण और जाति-आधारित राजनीति के दिन खत्म हो गए है। रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि जनता के दिल में सिर्फ और सिर्फ मोदी जी हैं। उन्होंने कहा कि आज के चुनाव परिणामों ने यह साबित कर दिया है कि तुष्टीकरण और जाति में बांटने की राजनीति के दिन समाप्त हो चुके हैं...नया भारत पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस पर वोट देता है। इस अपार समर्थन के लिए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की जनता को नमन करता हूं। भाजपा की इस भव्य विजय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को बहुत-बहुत बधाई। नए भारत ने *प्रदर्शन की राजनीति* पर वोट किया। राजस्थान को लेकर शाह ने कहा कि वीरभूमि राजस्थान की जनता का हृदय से आभार। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा को जीत का आशीर्वाद देने के लिए राजस्थान की जनता का अभिनंदन करता हूं। यह जीत मोदी जी के नेतृत्व पर जनता के अटूट विश्वास की जीत है। इस शानदार जीत के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा जी, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी जी और राजस्थान भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई। मध्य प्रदेश को लेकर उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की यह प्रचंड जीत नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी नीतियों और सुशासन पर जनता की मुहर है। उन्होंने आगे कहा कि प्रचंड बहुमत का आशीर्वाद देकर भाजपा को निरंतर सेवा का अवसर देने के लिए जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। -शेष पृष्ठ दो पर

गहलोत का सीएम पद से इस्तीफा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने करारी हार के बाद राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र को मुख्यमंत्री पद से अपना त्यागपत्र सौंपा। उल्लेखनीय है कि राज्य में 199 सीटों के लिए हुए मतदान के वोटों की गिनती रविवार को हुई। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 116 सीटें पर अपना कब्जा किया और कांग्रेस ने 68 सीटें हासिल की है। राज्य की 200 में से 199 सीट पर 25 नवंबर को मतदान हुआ था।

लोस चुनाव में भाजपा को मिलेगी प्रचंड जीत : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (हि.स.)। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रचंड जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासोन्मुखी राजनीति की जीत बताया। रविवार को भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने कहा कि इन परिणामों से एक बात स्पष्ट है की देश में सिर्फ एक हीं गारंटी चलती है और वो है मोदी को गारंटी। यह चुनाव परिणाम इस बात का भी संकेत है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को प्रचंड जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में निर्णायक जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा पर चुनाव दर चुनाव जनता के बढ़ते विश्वास का परिचायक है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह जीत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के संगठन कौशल और अनगिनत पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और -शेष पृष्ठ दो पर

जनता का स्नेह और विश्वास मोदी के साथ : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि आज के चुनाव परिणाम ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि देश की जनता का स्नेह और विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। उन्होंने आज आए चार राज्यों के चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि चार राज्यों में से जहां तीन राज्यों में भाजपा को अपार बहुमत से जीत मिली है। वहीं, तेलंगाना में भी बीते चुनाव की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन रहा है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव परिणाम 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम का एक नमूना है। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को इससे -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी की गारंटी से देश को फायदा हुआ : सोनोवाल

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा के पक्ष में अभूतपूर्व परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में कल्याणकारी योजनाओं से सभी वर्ग के लोगों को लाभ हुआ है और ये देश की विकास यात्रा को सशक्त तरीके से आगे बढ़ा रही है। अब लोगों ने सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास के एक नए क्षितिज को देखा है और सभी में गरिमा और गरिमा के साथ जीने का मनोबल पैदा हुआ है। मोदी की पिछले नौ साल की गारंटी को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी में सभी वर्गों के लोगों का विश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व जीत मोदी गारंटी का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब है। दूसरी ओर, सोनोवाल ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और कुशासन के इतिहास और झूठ की घटनाओं के कारण उन्हें खारिज कर दिया है। इसके विपरीत, इसने भाजपा को गले लगा लिया है, जिसने विकास को प्राथमिकता देकर पुनर्जागरण की शुरुआत की। प्रधान मंत्री के मजबूत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आई.एन.डी.आई.ए. में खटपट

टीएमसी ने बताया कांग्रेस की विफलता अब्दुल्ला ने गठबंधन के भविष्य पर जताया संदेह

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा का शानदार प्रदर्शन भगवा पार्टी की सफलता की कहानी से ज्यादा कांग्रेस की *विफलता* है। भाजपा हिंदी भाषी राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सत्ता हासिल करती हुई दिखाई दे रही है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने एक सोशल मीडिया संदेश में कहा कि तीन राज्यों में, यह भाजपा की सफलता की कहानी से ज्यादा कांग्रेस की विफलता है। टीएमसी का यह बयान इंडिया गठबंधन के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव परिणामों का 2024 के आम चुनावों में भारत गठबंधन की संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक संदेश में कहा कि टीएमसी वह पार्टी है जो देश में भाजपा को हराने की लड़ाई में नेतृत्व प्रदान कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव जीतने के लिए पार्टियों को ममता बनर्जी के कल्याणवाद को आत्मसात करना होगा। उमर अब्दुल्ला ने इंडिया गठबंधन के भविष्य पर संदेह जताया है। अब्दुल्ला ने कहा कि मैं कुछ नहीं कह सकता। विधानसभा चुनाव में जो स्थिति इंडिया गठबंधन की है, अगर आगे भी यही स्थिति रही तो हम खुद को नहीं बचा पाएंगे। कांग्रेस मध्य प्रदेश में जमीनी हालात को समझ नहीं पाई। सीपीआई(एम) महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए हुआ है... हर राज्य के अंदर अलग-अलग परिस्थितियां होती हैं लेकिन अगर यही धर्मनिरपेक्ष ताकतों के बीच बेहतर सलाह-मश्वरा और समन्वय होता तो प्रचार अधिक सक्रिय होता। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त न सिर्फ उसके लिए बड़ा झटका है, बल्कि यह हार विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) में नेतृत्व एवं सीट बंटवारे पर मोलभाव करने की उसकी स्थिति को संभवत: कमजोर कर सकती है। इसकी बानगी भी चुनावी रुझानों में तीन राज्यों में कांग्रेस की हार नजर आने के साथ मिल गई जब गठबंधन के एक प्रमुख घटक जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि देश का मुख्य विपक्षी दल अपने दम पर जीतने में सक्षम नहीं है। जद (यू) के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस की पराजय और भाजपा की विजय का संकेत देते हैं।

जातिवाद और वोट बैंक की राजनीति पर भारी पड़ीं मोदी की विकासपरक नीतियां : नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन राज्यों की जनता का आभार व्यक्त किया है। रविवार शाम यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित समारोह में नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर अपने संबोधन में नड्डा ने कहा कि आज विपक्ष की तुष्टिकरण, जातिवाद, वोट बैंक की राजनीति, देश को बांटने की कोशिश पर मोदी की विकासपरक नीतियां भारी पड़ गईं। देश ने विकास को आगे रख कर इन चुनावों के नतीजों पर मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आए हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने एक बहुत बड़ी जीत हासिल की है। नड्डा ने कहा कि ये चुनाव के नतीजे बताते हैं कि इस देश में अगर गारंटी है तो वो मोदी की गारंटी है। ये चुनाव संदेश देते हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। जातिवाद और तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले आईएनडीआई गठबंधन ने समाज को बांटने और खंडित करने की कोशिश की है। वोट बैंक की राजनीति पर मोदी के विकास की राजनीति भारी पड़ी है। राज्यों में जीत का मतलब है कि लोगों ने गारंटी पर मुहर लगाई है। जे पी नड्डा ने आईएनडीआई गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि गठबंधन की *तुष्टिकरण* और *वंशवाद* की नीति प्रधानमंत्री मोदी की *विकास* की नीति से हार गयी है। उन्होंने कहा कि गठबंधन के दल ओबीसी की चिंता करने का दंभ भरते हैं और ओबीसी का नाम लेकर घड़ियाली आंसू बहाते हैं लेकिन भूल जाते हैं कि मोदी भी ओबीसी वर्ग से ही आते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास* के विचार को आगे बढ़ाने का काम किया है लेकिन जिस तरह से कांग्रेस पार्टी के लोगों ने उनके खिलाफ असंसदीय टिप्पणी की है, उससे पता चलता है कि वे इस तथ्य से अवगत नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी को गाली देना ओबीसी और अल्पसंख्यकों को गाली देने जैसा है।

मध्य प्रदेश की जनता का फैसला मुझे स्वीकार : कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनाव परिणाम को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। प्रदेश में एक बार फिर भाजपा सरकार बनने जा रही है। चुनाव नतीजों को लेकर पीसीसी चीफ व पूर्व सीएम कमलनाथ मध्य प्रदेश की जनता का फैसला मुझे स्वीकार है। हमें विपक्ष में बैठने की जिम्मेदारी दी गई है और हम अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। कमलनाथ ने ट्वीट करते हुए लिखा कि मध्य प्रदेश के सामने अभी सबसे बड़ा सवाल यही है कि मध्य प्रदेश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो। हमारे किसानों को खुशहाली मिले। मैं भारतीय जनता पार्टी को बधाई देता हूं। मुझे आशा है कि जनता ने उनके ऊपर जो विश्वास दिखाया है, वे उस पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। आप सबको याद होगा कि मैंने कभी सीटों की घोषणा नहीं की। मैंने हमेशा यही कहा कि मुझे मध्य प्रदेश के मतदाता पर विश्वास है और आज भी मैं यही कहूंगा कि मुझे मध्य प्रदेश के मतदाता पर विश्वास है। मैं सभी हारे हुए प्रत्याशी और जीते हुए विधायकों के साथ इस बात की समीक्षा करूंगा कि आखिर वह क्या वजह रही जो हम अपनी बात मध्य प्रदेश के मतदाता को समझा नहीं सके।

सनातन का श्राप कांग्रेस को ले डूबा : आचार्य

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में वोटों की गिनती जारी है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा आगे चल रही है। वहीं तेलंगाना में कांग्रेस का पलड़ा भारी है। इस बीच कांग्रेसी नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम का बयान सामने आया है और उनका कहना है कि सनातन का श्राप कांग्रेस को ले डूबा। कांग्रेसी नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि सनातन का विरोध देश को स्वीकार नहीं है। कांग्रेस जब तक सनातन का विरोध करती रहेगी, तब तक हारती रहेगी। कांग्रेस लगातार सनातन धर्म का विरोध कर रही है। हिंदू धर्म के खिलाफ चुनाव लड़ रही है। जातीय राजनीति को मुद्दा बना रही है, जो कि देश को स्वीकार नहीं है। आचार्य प्रमोद ने आगे कहा कि कांग्रेस को देश में चुनाव जीतने के लिए महात्मा गांधी के रास्ते पर चलना होगा, जबकि कांग्रेस काल मार्क्स के रास्ते पर चल रही है। उसे अपनी परिपाटी बदलनी होगी।

चुनाव प्रचार के लिए जाना तीर्थयात्रा जैसा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है कि उनके लिए विभिन्न राज्यों में चुनावों के लिए हाल के प्रचार अभियान के दौरान यात्रा कार्यक्रम किसी तीर्थयात्रा से कम नहीं था। अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार उन्हें पूर्वोत्तर से बाहर विभिन्न स्थानों की यात्रा की और 79 जनसभाओं और कई नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। उन्हें लगता है कि भारतीय जनता पार्टी परिवार के कार्यकर्ता के रूप में उनका पुनर्जन्म हुआ है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे जहां भी गए उन्होंने अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों का अपार प्रेम और विश्वास देखा है। उन्होंने उन स्थानों पर अभूतपूर्व विकास भी देखी है। इन क्षेत्रों में गरीबी तेजी से घट रही है और लोगों के जीवन स्तर में भी काफी सुधार हुआ है। भारत वास्तव में एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि सर्वशक्तिमान भगवान भारत को इस नई यात्रा को जारी रखने का आशीर्वाद दें।

कंटेनर ने तीर्थयात्रियों को कुचला, तीन की मौत

मुंबई (हि.स.)। अहमदनगर जिले में घरगांव शिवरा के पास शिरडी से आलंदी जा रहे तीर्थयात्रियों के समूह में रविवार को अनियंत्रित कंटेनर घुस जाने से तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में 10 तीर्थयात्री घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने घायल तीर्थयात्रियों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की गहन छानबीन जारी है। पुलिस के अनुसार आज तीर्थयात्रियों का समूह शिरडी से आलंदी की ओर जा रहे थे। अचानक संगमनेर तहसील के घरगांव शिवरन के पास हाईवे पर एक कंटेनर चालक की गलती से अनियंत्रित हो गया और तीर्थयात्रियों के समूह में घुस गया।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत

हैदराबाद (हि.स.)। तेलंगाना राज्य की जनता ने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत दिया है। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्रीय समिति को बड़ा झटका लगा। चुनाव आयोग के अनुसार इस खबर लिखे जाने तक भारत राष्ट्रीय समिति को 39, कांग्रेस 65, भाजपा 8 और एआईएमआईएम को 7 सीटें हासिल मिली हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राजभवन में राज्यपाल तमिलिसाई को अपना इस्तीफा सौंपा। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। भारत का राष्ट्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष ने अन्य एक पत्रकार वार्ता में कहा है कि वह उनकी हार पर समीक्षा करेंगे। विधानसभाचुनाव परिणाम ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद लगातार दो बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे केसीआर की हैट्रिक की उम्मीदों पर कांग्रेस ने पानी फेर दिया है। स्पष्ट बहुमत ने पिंक पार्टी (बीआरएस) को घर भेज दिया। राज्य के आठ से अधिक मंत्री अपने चुनाव क्षेत्र में हार गए हैं। जनता ने भी पिछले विधानसभा चुनाव के पश्चात कांग्रेस से सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति में शामिल हुए विधायकों को अच्छा सबक सिखाया है। दल बदलने वाले विधायक अपनी सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाए। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी कुछ महीना पहले सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र शांति के विरोध में कई आंदोलन चलाए और दूसरे विपक्ष स्थान का आक्राामक रूप निभाया था। कांग्रेस, जो कुछ महीने पहले तीसरे स्थान पर सिमट गई थी, उसने अब मिलकर सत्ता हासिल की है। कुछ ही महीनों में, यह चमत्कारिक रूप से ठीक हो गया और गुलाब के नेताओं को झटका लगा। इस विधानसभा चुनाव में राज्य में सबके निगाहें कमारेड्डी चुनाव क्षेत्र पर टिकी हुई थी। यहां मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रेवंथ रेड्डी इस चुनाव क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया था। इन बड़े नेता के विरोध भारतीय जनता पार्टी के वेंकट रामना रेड्डी को मैदान में उतारा गया। वेंकटरमण रेड्डी ने भी खुद को स्थानीय बताते हुए अनोखे अंदाज में प्रचार किया। इस अभियान के अच्छे परिणाम आये। वेंकटरमण रेड्डी ने यह कहकर लोगों में घुसपैठ की कि केसीआर और रेवंत रेड्डी गैर-स्थानीय हैं, लेकिन वह स्थानीय हैं। अगर बस कोडंगल से चलेगी तो वापस कोडंगल जाएगी। अगर बस मेडक से चलेगी तो वापस मेडक जाएगी..लेकिन रमना रेड्डी ने कहा कि वह यहीं रुकेंगे और जनता की सेवा में जुड़ जाएंगे। परिणामस्वरूप, कामारेड्डी के सभी लोगों ने भाजापा नेता का समर्थन किया और दो सीएम उम्मीदवारों को हरा दिया। नेटिजन्स वेंकटरमन रेड्डी की प्रशंसा कर रहे हैं जिन्होंने दो बड़े नेताओं को हराया था। हालांकि अगर तेलंगाना के सभी चुनावों को मिला दिया जाए तो कामारेड्डी में भाजपा की जीत एक नया रिकॉर्ड है। चाहे कोई भी हो, वेंकटरमण रेड्डी की जीत तेलंगाना के इतिहास में एक इतिहास बना। शानदार जीत के बाद कांग्रेस का विधायक दल की बैठक आज हैदराबाद के एक निजी होटल में आयोजित की गई वहां विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा। इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह हैदराबाद के लाल बहादुर स्टेडियम में होगा।

पृष्ठ एक का शेष

2024 में जीत ...

कोशिश के खिलाफ एक जन समर्थन है। प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत के लिए बधाई देते हुए कहा कि अब उन्हें आने वाले समय में अधिक सावधानी बरतनी होगी। अब देश को बांटने और कमजोर करने वाली ताकतें एड़ी-चोटी का जोर लगाएंगी। भाजपा कार्यकर्ताओं को उनके फेक नॉरेटिव का जवाब देना होगा। साथ ही जनता के बीच में पार्टी का जनाधार मजबूत करना होगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को बंगाल की खाड़ी में उपजे तूफान में राहत और बचाव कार्यों में सहयोग देने के लिए भी कहा। भाजपा नेता कहा कि आज की जीत का संदेश दुनिया में गूंजेगा। यह निवेशकों को स्पष्ट संदेश है कि भारत का लोकतंत्र और लोग सशक्त हैं। भारत का विकास भरोसेमंद है और लोग यहां सोच-समझकर स्थिर सरकार को चुनते हैं। भाजपा की राजनीति परफॉर्मेंस और डिलीवरी की राजनीति है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपने चिर परिचित अंदाज में कहा कि मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी। उन्होंने कहा कि यह घमंडिया गठबंधन (विपक्षी गठबंधन) को स्पष्ट संदेश है कि जनता के लिए भेजा धन का दुरुपयोग करने वालों को जनता चुन-चुन कर साफ कर देगी। देश विरोधी और बांटने वाली ताकतों को सहयोग करने वालों को रास्ते से साफ कर देगी।

लड़ाई जारी रहेगी...

हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं - विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। राहुल ने आगे लिखा कि तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद - प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम जरूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया। वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि तेलंगाना की जनता ने इतिहास रचते हुए कांग्रेस पार्टी के पक्ष में जनादेश दिया है। यह प्रजाला तेलंगाना की जीत है। यह प्रदेश की जनता और कांग्रेस पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता की जीत है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता को तह-ए-दिल से धन्यवाद। कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में शांति, समृद्धि और प्रगति के लिए संकल्पबद्ध है। प्रियंका ने आगे लिखा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस पार्टी को विपक्ष की भूमिका सौंपी है। जनता का फैसला सिर माथे पर। राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि जनता ने जो आदेश दिया है हम उसे स्वीकार करते हैं। मैं आशा करता हूं कि हमने जो काम किए हैं भाजपा उन कामों को जारी रखेगी... हम उनको(भाजपा) मुबारकबाद देते हैं। छिंदवाड़ा से उम्मीदवार कमलनाथ ने कहा कि इस मुकाबले में हम मध्य प्रदेश के मतदाताओं का फैसला स्वीकार करते हैं, आज विरोधी दल के नाते हम अपने कर्तव्य पर डटे रहेंगे... मैं भाजपा को जीत की बधाई देता हूं। अशोक गहलोत ने कहा कि मैं जन सेवक हूं, मैं अंतिम सांस तक मैं प्रदेश वासियों की सेवा करूंगा... चुनाव में राहुल गांधी, खरगे जी सभी ने चुनाव में कोई कमी नहीं रखी... मैं कार्यकर्ताओं से कहना चाहूंगा चुनाव में हार और जीत होते रहती है, कई कारण बन जाते हैं। मनोज झा ने कहा कि दक्षिण भारत से भाजपा खत्म हो गई और भाजपा का नामोनिशान मिट गया, जिसका उदाहरण तेलंगाना है। राजस्थान का परिणाम एकतरफा नहीं है, क्योंकि वहां सरकार बदलने का रिवाज है। छत्तीसगढ़ चुनाव का परिणाम तमाम लोगों की इच्छाओं के अनुरूप नहीं आया। मध्य प्रदेश एकमात्र राज्य है जिसमें पड़ताल की आवश्यकता है।

जनता के दिल ...

इस जीत पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा जी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जी एवं मध्य प्रदेश भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय, गरीब और किसान बहनों-भाइयों ने प्रधानमंत्री मोदी जी में अपना विश्वास जताकर भाजपा को प्रचंड बहुमत का आशीर्वाद दिया है। इस विशाल जीत के लिए छत्तीसगढ़ की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उत्साहवर्धक समर्थन के लिए तेलंगाना के लोगों का आभार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा तेलंगाना के विकास के लिए काम करती रहेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में मिली प्रचंड विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और भाजपा के प्रति प्रबल जनविश्वास की जीत है। जिस तरह से, मोदीजी ने देश की जनता के साथ एक प्रामाणिक, भावनात्मक और आत्मीय संबंध जोड़ा है एवं भाजपा ने जनकल्याण, विकास और सुशासन के प्रति जो प्रतिबद्धता रखी है, उसने भाजपा को जनता के बीच *लोक लाडली पार्टी* के रूप में स्थापित किया है।

लोस चुनाव में ...

समर्पण की है, जिन्होंने अपना दिन-जनता के बीच बिताया और भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया। ठाकुर ने कहा कि मोदी जी लगातार देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। इन परिणामों से ये स्पष्ट है कि लोग मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार और विकास चाहते हैं। ये चुनाव बताते हैं कि कांग्रेस और उसकी झूठी गारंटियों को लोगों ने पूरी तरह से नकार दिया है और भाजपा के सुशासन, विकास और गरीब कल्याण पर भरोसा जताया है। ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों ने भूपेश बघेल और कांग्रेस के भ्रष्टाचार के विरोध में ये जनादेश दिया है। राजस्थान की माताओं और बहनों ने अपराध, अराजकता और गहलोत के भ्रष्ट तंत्र पर प्रहार करते हुए कांग्रेस को वोट की चोट पहुंचाई है। मध्य प्रदेश ने डबल इंजन की सरकार पर भरोसा जताया है। ठाकुर ने राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष हमला करते हुए कहा कि जो लोग विदेश में छुट्टी पर जाते हैं, वह अब लंबी छुट्टी मनाने के लिए स्वतंत्र हैं। विपक्ष के लोगों ने हमारे ऊपर जितना कीचड़ उछाला, हमारा कमल उतना ही खिलकर सामने आया है। जिन-जिन चुनाव में मोदी पर व्यक्तिगत हमला किया गया, उसमें जनता ने विपक्ष को उसका स्थान दिखा दिया। विपक्ष द्वारा हाल के दिनों में प्रमुखता से उठाए जा रहे जाति के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति अब जनता पहचान चुकी है। आज देश में मोदी द्वारा दिया गया जाति का मॉडल सर्वमान्य है। आज देश में सिर्फ चार जातियां हैं। युवा, किसान, महिला और गरीब। देश आज सिर्फ स्पष्ट तौर पर विकास चाहता है।

जनता का स्नेह ...

भी ज्यादा बहुमत मिलेगी। उन्होंने चारों राज्यों की जनता को भाजपा और नरेंद्र मोदी के प्रति आस्था बरकरार रखने के लिए धन्यवाद् दिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के आने तक कांग्रेस का और अधिक सफाया हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने इन चार राज्यों में छह दर्जन से अधिक चुनावी सभाएं कीं। उनकी सभाओं में उमड़ती भीड़ को देखते हुए पार्टी ने उन्हें स्टार कैंपेनर बनाया था।

मोदी की गारंटी...

नेतृत्व में, भारत का लक्ष्य पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदलना और 2047 तक आत्मनिर्भर बनना है। उन्होंने कहा कि देश में सुशासन, विकास और शांति के नए युग की शुरुआत करने वाली भाजपा को अविचल समर्थन देने के लिए वे समाज के सभी क्षेत्रों के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं और जीत के इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह को हार्दिक बधाई देते हैं। उन्होंने भाजपा के विजयी राज्यों के कार्यकर्ताओं को भी हार्दिक बधाई दी है। कहा कि यह वास्तव में एक नए और अग्रगामी भारत का प्रतिबिंब है।

चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले हार की समीक्षा करूंगा : गहलोत

जयपुर। अशोक गहलोत ने राजस्थान विधानसभा चुनाव में हार स्वीकार की और कहा कि नतीजे सभी के लिए अप्रत्याशित थे। पिछले तीन दशकों में कभी भी मौजूदा सरकार को वोट नहीं देने वाले राज्य के निवर्तमान मुख्यमंत्री ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि नतीजे बताते हैं कि कांग्रेस अपनी योजनाओं को जनता तक ले जाने में पूरी तरह सफल नहीं रही। अशोक गहलोत ने कहा कि मैं जन सेवक हूं, मैं अंतिम सांस तक मैं प्रदेश वासियों की सेवा करूंगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में राहुल गांधी, खरगे जी सभी ने चुनाव में कोई कमी नहीं रखी। मैं कार्यकर्ताओं से कहना चाहूंगा चुनाव में हार और जीत होते रहती है, कई कारण बन जाते हैं। अशोक गहलोत ने साफ तौर पर कहा कि राजस्थान में चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले आए हैं, हार की समीक्षा करेंगे। उन्होंने एक एक्स पोस्ट भी किया। गहलोत ने कहा कि राजस्थान की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। यह सभी के लिए एक अप्रत्याशित परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह हार दिखाती है कि हम अपनी योजनाओं, कानूनों और नवाचारों को जनता तक पहुंचाने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं नई सरकार को शुभकामनाएं देता हूं। मेरी उनको सलाह है कि हम काम करने के बावजूद कामयाब नहीं हुए इसका मतलब ये नहीं कि वो सरकार में आने के बाद काम ही ना करें। ओपीएस, चिरंजीवी सहित तमाम योजनाएं एवं जो विकास की रफ्तार इन पांच सालों में राजस्थान को हमने दी है वो इसे आगे बढ़ाएं। मैं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस चुनाव में पूरी मेहनत की एवं सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हमारे ऊपर विश्वास किया। राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत की ओर बढ़ती दिख रही है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, भाजपा के उम्मीदवार 53 सीट जीत चुके हैं और 62 सीट पर आगे हैं। कांग्रेस ने अब तक 27 सीट पर जीत दर्ज की है और वह 42 पर आगे है। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने रविवार को कहा कि पार्टी विधायक दल की बैठक मंगलवार को जयपुर में होगी।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में तेलंगाना डीजीपी निलंबित

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने रविवार को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन मामले में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार को निलंबित करने का आदेश दिया है। सूत्रों के मुताबिक तेलंगाना में अभी राज्य में गिनती चल ही रही थी कि इसी के बीच हैदराबाद में फूलों के गुलदस्ते के साथ डीजीपी अंजनी कुमार तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष व उम्मीदवार रेवन्थ रेड्डी को गुलदस्ता देने पहुंच गए थे। डीजीपी अंजनी कुमार के इस कदम का चुनाव आयोग ने आदर्श अचार संहिता का उल्लंघन माना। अंजनी कुमार रविवार सुबह तेलंगाना पुलिस के नोडल अधिकारी संजय जैन और नोडल अधिकारी (व्यय) महेश भागवत के साथ मौजूद थे। जब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तब चुनाव आयोग ने निलंबन की त्वरित कार्रवाई कर दी।

भारत में होने वाले एक्सीडेंट के लिए खराब इंजीनियरिंग दोषी : गडकरी

गांधीनगर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को यहां कहा कि भारत में हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती है, जिनका एक कारण अक्सर दोषपूर्ण सड़क इंजीनियरिंग होती है। गडकरी ने इंजीनियरों से जीवन बचाने के लिए दुर्घटना संभावित सड़कों की इंजीनियरिंग के दोष दूर करने का आग्रह किया। भारतीय सड़क कांग्रेस के 82वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने गुणवत्ता से समझौता किए बिना वैकल्पिक सामग्री और नवीनतम तकनीक का उपयोग करके निर्माण लागत कम करने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत में सालाना पांच लाख दुर्घटनाएं और डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है जबकि तीन लाख लोग घायल होते हैं। इससे देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को तीन प्रतिशत का नुकसान होता है। बलि के बकरे की तरह, हर दुर्घटना के लिए वाहन चालक को दोषी ठहरा दिया जाता है। मैं आपको बता दूं कि अक्सर दुर्घटनाएं सड़क की गलत इंजीनियरिंग की वजह से होती हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उनकी ठीक से इंजीनियरिंग की जाए। गडकरी ने कहा कि मैं भी एक दुर्घटना का शिकार हो गया था और मेरी चार हड्डियां टूट गई थीं। कई लोग मर रहे हैं। दुर्घटना में होने वाली मौतों में 60 प्रतिशत मौतें 18 से 34 वर्ष की आयु के लोगों की होती हैं और उनमें से कई इंजीनियर और डॉक्टर हो सकते हैं। क्या यह देश के लिए अच्छा है? क्या आप इंजीनियर के तौर पर स्वत: संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों को दूर कर सकते हैं? मैं आपसे दोषपूर्ण इंजीनियरिंग के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए काम करने का अनुरोध करता हूं।

दो राजपत्रित अधिकारियों को एसआईटी ने जारी किया समन

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की विशेष जांच दल (एसआईटी) असम लोक सेवा आयोग घोटाले की जांच जारी रखे हुए है। इस दल ने दो राजपत्रित अधिकारियों को फिर से नोटिस भेजा है। एसआईटी ने एपीएस अधिकारी नवनीता शर्मा और कल्याण कुमार दास को चार दिसंबर को सीआईडी कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया है। नवनीता शर्मा कोकराझाड़ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण कुमार दास को इसी बीच सेवा से निलंबित किया जा चुका है। इन दोनों राजपत्रित अधिकारियों पर उत्तरपुस्तिका में हेराफेरी करके नौकरी प्राप्त करने का आरोप है। जानकारी के अनुसार रिटायर्ड जस्टिस बिप्लब कुमार शर्मा आयोग की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट में इन दोनों अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।

जीत की खुशी में भाजपा कार्यालयों में विजय उत्सव

गुवाहाटी (हिंस)। राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में अप्रत्याशित सफलता को लेकर प्रदेश भाजपा के राज्य भर के सभी 39 सांगठनिक कार्यालयों में जश्न का माहौल आज सुबह से ही देखा जा रहा है। राजधानी गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता समेत बड़ी संख्या में भाजपा के नेता जीत के जश्न में शामिल हुए। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में जमकर आतिशबाजी की गई तथा पार्टी के नेता और कार्यकर्ता एक दूसरे को मिठाई खिलाते देखे गए। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के प्रति जनता की आस्था बरकरार है, यह चुनाव परिणाम से एक बार फिर साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी नेतृत्व देश को बुलंदियों तक पहुंचा रहा है, जिस कारण जनता का भाजपा के प्रति विश्वास अटूट हुआ है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां लगातार जनता का विश्वास हासिल करने में नाकाम होती रही हैं।

भारी मात्रा में गांजा के साथ एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की गोरचुक पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने रविवार को दी। पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने बताया कि गोरचुक थाना की एक डब्ल्यूजीपीडी टीम ने आज सुबह लालुंग गांव में 15.860 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

चिरांग में महिला का शव बरामद

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के बासुगांव टाउन के पास एक महिला का शव बरामद होने को लेकर सनसनी फैल गई है। पुलिस ने आज बताया कि शव शहर के पास चंपावती नदी में एक रेलवे पुल के नीचे पाया गया। स्थानीय लोगों को संदेह है कि महिला की मौत ट्रेन दुर्घटना में हुई है। मृतक महिला की पहचान धुबड़ी जिले के चापर के हातिपुटा गांव की जरीना बेगम रूप में हुई है।

नगालैंड उपचुनाव : तापी से एनडीपीपी उम्मीदवार वांगपांग कोन्याक चुनाव जीते

कोहिमा (हिंस)। नगालैंड में तापी निर्वाचन क्षेत्र के लिए हुए उपचुनाव में नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के उम्मीदवार वांगपांग कोन्याक नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के अपने निकटतम प्रतिद्वंदी वांग्लेम कोन्याक को हरा दिया है। तापी को 10053 मत मिला, जबकि उनके निकटतम कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी वांग्लेंम को 4720 मत मिला। जीत का अंतर 5333 मत रहा। ज्ञात हो कि तापी निर्वाचन क्षेत्र के लिए उपचुनाव की मतगणना सुबह से हो रही थी। एनडीपीपी उम्मीदवार वांगपांग कोन्याक अपने विरोधियों से आगे निकल गए थे। आज आने वाले उपचुनाव परिणाम में कोन्याक के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार वांग्लेम कोन्याक मुख्य मैदान में थे। नगालैंड के मोन जिले की तापी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के लिए वोटों की गिनती आज सुबह 8 बजे शुरू हो गई थी। सात नवंबर को यहां 23 मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ था। उल्लेखनीय है कि 28 अगस्त को एनडीपीपी विधायक नोके वांगनाओ के निधन के बाद उपचुनाव की घोषणा की गई थी। इस उप-चुनाव में सात हजार 788 पुरुषों और सात हजार 468 महिलाओं सहित कुल 15,256 मतदाता थे। निर्वाचन क्षेत्र के 23 मतदान केंद्रों में से सात मतदान केंद्रों को संवेदनशील और छह को अति संवेदनशील के रूप में चिन्हित किया गया था। मतदान के दिन भारी सुरक्षा उपायों के बीच 96.25 प्रतिशत मतदान हुआ था।

मणिपुर के हालात धीरे-धीरे सुधर रहे हैं : एन बीरेन सिंह

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि मणिपुर के हालात में तेजी से सुधार आ रहा है। उन्होंने कहा कि एक घटना को छोड़कर दो-तीन महीने के अंदर कोई भी बड़ी घटना नहीं हुई है। उन्होंने आज मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएफ) के साथ युद्ध विराम समझौता होने के बाद स्थिति काफी सामान्य हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यहां आकर तीन दिन रहे हैं तथा सभी गुटों से बातचीत करके स्थिति को सामान्य बनाने की कोशिशें की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय यहां आकर 25 दिन से ज्यादा समय तक रह चुके हैं। इस दरम्यान केंद्र सरकार द्वारा कई सुरक्षा विशेषज्ञों को यहां तैनात किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब धीरे-धीरे लोग राहत शिविरों से अपने घरों में जाने लगे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कूकी समुदाय के लोगों का घर नहीं जलाया गया है, इसीलिए अब धीरे-धीरे वे लोग अपने घर लौटने लगे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों का घर इस दौरान जला दिया गया, उन्हें सरकार घर बनाने के लिए रुपए दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अलग-अलग गुटों के साथ बातचीत कर रही है। वहीं, अलग-अलग समुदाय आपस में भी बातचीत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शीघ्र ही मणिपुर समस्या का शांतिपूर्ण और सर्वमान्य समाधान निकल आएगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल सरकार के सभी कामों की आलोचना करते हैं, यह उनका धर्म है। लेकिन, ऐसे हालात में राजनीति करना कुछ ठीक नहीं लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी कुछ कहने की उनकी मानसिक स्थिति नहीं है। उल्लेखनीय है कि 3 मई से मणिपुर में हिंसा की स्थिति बनी हुई है। उच्च न्यायालय द्वारा मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने संबंधी सिफारिश के बाद मणिपुर में अशांति फैल गई थी।

एक हजार सफाई कर्मचारियों के बच्चों ने किया सत्रिया नृत्य

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खानापाड़ा में वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में आज समानता की लय के साथ जीवन के *जयगन* नामक एक शानदार समारोह का आयोजन किया गया। गुवाहाटी शहर की विभिन्न झुग्गियों में रहने वाले लोगों के प्रयासों से डॉ. हेडगेवार मेमोरियल सोसाइटी और वाल्मीकि स्कूल ऑफ म्यूजिक के 500 छोटे बच्चों ने एक साथ भोरताल नृत्य किया और अन्य 500 बच्चों ने सत्रिया नृत्य तथा एक हजार छात्रों के साथ एक साथ बरगीत का प्रदर्शन किया। सफाई कर्मचारी महिलाओं ने भी विभिन्न नृत्यों का प्रदर्शन किया और कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। गौरतलब है कि आज का कार्यक्रम वाल्मीकि म्यूजिक स्कूल के माध्यम से अनन्या तालुकदार के नेतृत्व में गुवाहाटी शहर की 20 झुग्गियों के एक हजार बच्चों को प्रशिक्षित करके किया गया था। उल्लेखनीय है कि संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के आदर्शों से प्रेरित होकर उनकी पुण्यतिथि पर डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा वाल्मीकि संगीत विद्यालय

के तत्वावधान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर पुण्यतिथि के अवसर पर वाल्मीकि स्कूल ऑफ म्यूजिक द्वारा आज दोपहर 3 बजे असम वेटरनरी कॉलेज मैदान में *समानता की लय के साथ जीवन का आनंद* विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. हेडगेवार मेमोरियल कमेटी की पहल के तहत आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और सफाई कर्मचारियों को बधाई दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने संगठित रूप से नृत्य कर एकता की सद्भावना को बढ़ाया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समानता की बात की, आज आपने समानता के साथ महान कार्य किया है और कहा है कि राजनीति से समाज में समानता नहीं आती है। दूसरी ओर इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर कमलाबाड़ी सत्र के सत्राधिकार जनार्दनदेब गोस्वामी ने कहा कि सत्रिया कला और संस्कृति को सभी लोगों तक पहुंचाना चाहिए। श्रीमंत शंकरदेव ने भारतीय सोच के साथ असमिया समाज का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि गुरू की संस्कृति को सभी के दिल में उतारना चाहिए। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति पूर्वोत्तर के विभिन्न हिस्सों में पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुधार, आत्मनिर्भरता की दिशा में विभिन्न तरीकों से काम कर रही है। वाल्मीकि संगीत स्कूल डॉ. हेडगेवार मेमोरियल कमेटी द्वारा संचालित एक संगीत विद्यालय है, जो गुवाहाटी में विभिन्न झुग्गियों के सफाई कर्मचारियों के बच्चों के सांस्कृतिक विकास के लिए काम कर रहा है। वर्तमान में इस स्कूल के माध्यम से विभिन्न मलिन बस्तियों के बच्चों को सत्रिया नृत्य, भोरताल नृत्य, देशभक्ति गीत, लोक नृत्य, असमिया संगीत आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर फकीराग्राम में सभा आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के फकीराग्राम हायर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में फकीराग्राम मुंसिपल बोर्ड की ओर से विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर एक सभा का आयोजन किया गया। सभा का उद्घाटन फकीराग्राम मुंसिपल बोर्ड के चैयरमेन सुरेंद्र कुमार शर्मा ने में फीता काट कर किया। इसके बाद चेयरमैन सुरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में सभा का आयोजन किया गया। सभा में अतिथि के रूप में मुंसिपल बोर्ड एवं दोता सर्किल की एग्जीक्यूटिव अधकारी अश्मिता रेखा बोरा, टाउन कमेटी प्लेनिंग के डिप्टी डायरेक्ट बीरेन सरगयारी, नोडल अधिकारी टीके बसुमतारी, बीपीएफ के महिला विंस की अध्यक्ष प्रना चक्रवर्ती उपस्थित थे। इस सभा में फकीराग्राम शहर के काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। सभा में सरकार की विभिन्न योजनायों के बारे में लोगों को जानकारी जानकारियां दी गई।

आगामी 9 दिसंबर को होजाई राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी

होजाई (विभास)। असम राज्य न्यायिक विधि प्राधिकरण के निर्देशानुसार होजाई जिला न्यायिक विधि प्राधिकरण के सचिव द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत जिले में आगामी 9 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय लोक आदालत में परिवहन दुर्घटना आरोप न्यायाधीकरण, विवाह से जुड़े विषय, चेक बाउंस एनआई कानून विधि अंतर्गत, अर्थ पुनरोद्धार शिकायत, श्रमिक विवाद, सार्वजनिक उपयोगिता मूलक विधि के संपर्क में, असम पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, भारत संचार निगम लिमिटेड, बैंक से जुड़े विषय, अपराध मूलक मिश्रित शिकायतें और विभिन्न असामाजिक शिकायतों की सुनवाई की व्यवस्था की जाएगी। इन सभी विषयों कि जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में आज जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

आचार्य श्री का दिसपुर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश

पुण्य के उदय से होता है संतों का आगमन : आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी। पुण्य से पुण्य बढ़ता है, तो वह पुण्य परमात्मा तक ले जाता हैं। संसार में चार प्रकार के लोग होते हैं। एक वह जो पुण्य से पुण्य बढ़ाते हैं। वह अपने तन- मन, धन का सदुपयोग करते हैं। दूसरे वह लोग जो पुण्य का दुरुपयोग करते हैं। वह अपने तन- मन, धन का दुरुपयोग करते हैं। वह अपने जीवन को गलत कार्यों में लगाते हैं। तीसरे वह लोग जिनका पाप का उदय होता है उन्हें संसार में धन- दौलत कुछ भी नहीं मिलता है। फिर भी वह मन से अच्छे सोचते हैं। अच्छे कामों की अनुमोदना करते हैं। वह लोग परम सौभाग्य को प्राप्त होते हैं। चौथे वह लोग है जिनके पास कुछ नहीं है। वह लोग चोरी करते हैं, गलत चीजों का सेवन करते हैं। ऐसे लोग पाप का अंजन करते हैं। और उनके पाप का ही उदय होता है। यह उक्त बातें आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने रविवार को दिसपुर जैन मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। इससे पूर्व आज प्रात:7.00 तरुण नगर में ससंघ प्रवासित आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज एक भव्य जुलूस व गाजे- बाजे के साथ दिसपुर जैन मंदिर पहुंचे जहां आचार्य श्री ससंघ ने सप्रथम देव दर्शन किए। तत्पश्चात दिसपुर जैन समाज की ओर से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मालूम हो की ससंघ के दिसपुर मंदिर में प्रवास के दौरान रोजाना प्रात: 8.00 बजे से मंगल प्रवचन, दोपहर 3.00 बजे से स्वाध्याय एवं शाम 7.00 से गुरु भक्ति एवं आरती आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन कराने में दिसपुर जैन महिला मंडल, दिसपुर जैन युवक संघ का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर गुवाहाटी, पांडू, रेंहाबाडी, बरपेटा, नलबाड़ी आदि जगहो से गुरु भक्त उपस्थित थे। यह जानकारी सुनील कुमार सेठी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

पुलिस की गोलीबारी में ड्रग्स तस्कर की मौत

कामरूप (हिंस)। अमीनगांव में पुलिस की गोलीबारी में एक कुख्यात ड्रग्स तस्कर की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अमीनगांव के पास अगियाठुरी में पुलिस की गोलीबारी में उक्त ड्रग्स तस्कर मारा गया। आज एक स्विफ्ट (एएस 01-एफक्यू-8535) कार पर सवार होकर तीन सदस्यीय ड्रग्स तस्करों की एक टीम जा रही थी। पुलिस को इस बारे में पता चला और उसने तस्करों को वाहन रोकने का इशारा किया। लेकिन, टीम ने पुलिस के इशारे पर ध्यान नहीं दिया और उनमें से एक ने वाहन से पुलिस पर गोली चला दी। जवाब में, पुलिस को गोली चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा और गिरोह का एक तस्कर मारा गया। वाहन में सवार अन्य दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस बीच पुलिस फायरिंग में एक आम व्यक्ति को भी गोली लगने की खबर है। इस घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है।

अतिरिक्त भीड़ को लेकर पूसीरे चलाएंगी कामाख्या और दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन

चक्रवात के कारण ट्रेनों का परिचालन रद्द

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ विशेष ट्रेनों की सेवा को जारी रखने का निर्णय लिया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि विशेष ट्रेनें अपनी सेवा के मौजूदा दिनों, समय-सारणी, ठहराव और संयोजन के अनुसार चलेंगी। कामाख्या और दिल्ली के बीच एक ट्रिप के लिए दोनों दिशाओं में एक विशेष ट्रेन चलाने का भी निर्णय लिया गया है। तदनुसार, 01 से 29 दिसंबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 08047 (सांतरागाछी-गुवाहाटी) अपनी सेवाएं जारी रखेगी। यह ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को सांतरागाछी से 18:00 बजे रवाना होकर अगले दिन गुवाहाटी 15:00 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार, 02 दिसंबर से 30 दिसंबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 08048 (गुवाहाटी-सांतरागाछी) की सेवाएं बढ़ाई जाएंगी। यह ट्रेन प्रति शनिवार को गुवाहाटी से 16:45 बजे रवाना होकर अगले दिन संतरागाछी 12:30 बजे पहुंचेगी। 02 से 30 दिसंबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 03103 (सियालदह-न्यू जलपाईगुड़ी) अपनी सेवाएं जारी रखेगी। यह ट्रेन प्रत्येक शनिवार को सियालदह से 23:40 बजे रवाना होकर अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 10:45 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, 03 दिसंबर से 31 दिसंबर तक स्पेशल ट्रेन संख्या 03104 (न्यू जलपाईगुड़ी-सियालदह) की सेवाएं बढ़ाई जाएंगी। यह ट्रेन प्रत्येक रविवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 12:45 बजे रवाना होकर अगले दिन 00:30 बजे सियालदह पहुंचेगी। 04 दिसंबर से 29 जनवरी तक स्पेशल ट्रेन संख्या 07046 (सिकंदराबाद-डिब्रूगढ़) अपनी सेवाएं जारी रखेगी। यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार को सिकंदराबाद से 11:00 बजे रवाना होकर बुधवार को डिब्रूगढ़ 20:50 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार, 07 दिसंबर से 01 फरवरी तक स्पेशल ट्रेन संख्या 07047 (डिब्रूगढ़-सिकंदराबाद) की सेवाएं बढ़ाई जाएंगी। यह ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को डिब्रूगढ़ से 09:10 बजे रवाना होकर शनिवार को सिकंदराबाद 16:30 बजे पहुंचेगी। इसके अलावा, स्पेशल ट्रेन संख्या 05624 (कामाख्या-नई दिल्ली) 04 दिसंबर को एक ट्रिप के लिए चलेगी। यह ट्रेन कामाख्या से 23:00 बजे रवाना होकर 06 दिसंबर को नई दिल्ली 12:00 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 05623 (नई दिल्ली-कामाख्या) 06 दिसंबर को एक ट्रिप के लिए चलेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली से 15:10 बजे रवाना होकर 08 दिसंबर को कामाख्या 03:30 बजे पहुंचेगी। 09 दिसंबर, 2023 को एक अन्य स्पेशल ट्रेन संख्या 05626 (कामाख्या-दिल्ली जंक्शन) एक ट्रिप के लिए चलेगी। यह ट्रेन कामाख्या से 06:30 बजे रवाना होकर 10 दिसंबर, 2023 को दिल्ली जंक्शन 21:45 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 11 दिसंबर को ट्रेन संख्या 05625 (दिल्ली जंक्शन-कामाख्या) एक ट्रिप के लिए चलेगी। यह ट्रेन दिल्ली जंक्शन से 07:35 बजे अपनी यात्रा शुरू कर 12 दिसंबर को कामाख्या 22:45 बजे पहुंचेगी। हालांकि, आंध्रप्रदेश के तटीय हिस्से से मिचौंग चक्रवात के टकराने की आशंका के कारण 02 और 03 दिसंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 22504 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) एक्सप्रेस, 03 और 04 दिसंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12510 (गुवाहाटी-एसएमवीटी बेंगलुरु) एक्सप्रेस और 8 दिसंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15630 (सिलघाट टाउन-ताम्बरम) एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। इन ट्रेनों के ठहराव तथा समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा विभिन्न समाचारपत्रों तथा पूसी रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी अधिसूचित की जा रही है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

अरविंद केजरीवाल का दावा : लोकसभा चुनाव में पंजाब की सभी सीटें जीतेंगे

गुरदासपुर(ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का दावा है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। इसकी वजह बताते हुए केजरीवाल ने कहा है पंजाब में जिस तरह से विकास कार्य हो रहे है उससे राज्य में खुशहाली आई है। पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी के कार्यों से काफी खुश है। इसलिए यहां की सभी लोकसभा सीटों पर जनता का अशीर्वाद आप को मिलेगा। केजरीवाल गुरदासपुर में आयोजित विकास क्रांन्ति रैली में बोल रहे थे। सरहदी जिलों गुरदासपुर और पठानकोट के विकास को बढ़ावा देने के लिए 1854 करोड़ के प्रोजेक्टों का उद्घाटन भी किया गया। इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोगों का इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्रित होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस धरती को गुरू साहिबान की बखशीश है और यहाँ के लोग स्वभाव पक्ष से बहादुर और मेहनती हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि चाहे इस इलाके से चुने हुए नेता हमेशा अहम पदों पर रहे परन्तु उन्होंने कभी भी इस क्षेत्र और इसके लोगों के विकास की परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों की भलाई के उद्देश्य वाले प्रोजेक्टों को राज्य सरकार की तरफ से सबसे अधिक प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले समय में प्रोजैक्ट सिर्फ.कागजों तक सीमित रहते थे और उनका आम लोगों की भलाई के साथ कोई सरोकार नहीं था। सीएम मान ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रशासनिक कामकाज में आर्टीफिशल इंटेलिजेंस के प्रयोग की शुरूआत की है, जिससे सिर्फ. सड़कों के तखमीनों(मरम्मता आ आंकलन) में से ही सरकार ने 163.26 करोड़ रुपए की बचत की है और 546 किलोमीटर ऐसी सड़कों का पता चला है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी के पैसे की यह लूट रुकी है और अब करदाताओं का पैसा निगलनें वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की नीतियों के कारण लोग हमेशा हमारी पार्टी की हिमायत करते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोगों के प्यार के कारण ही पार्टी को अपने अस्तित्व के केवल 11 सालों में ही राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नौजवानों के लिए नौकरियों के मौके, मानक शिक्षा और लोगों के लिए अच्छी सेहत सहूलतें, औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों के लिए अधिक से अधिक निवेश जुटा कर रंगला पंजाब बनाने के लिए पूरी शिद्दत के साथ कोशिशें कर रही है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य पंजाब को देश भर में से अग्रणी राज्य बनाना है और इसलिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जायेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार के पुरजोर यत्नों से विदेशों में से राज्य के नौजवानों की वापसी का रुझान शुरू हुआ है। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने आर. डी. एफ. का राज्य का बनता हिस्सा रोक दिया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को चोट लगी है। उन्होंने कहा कि इसी तरह जी. एस. टी. के मामले में किया गया है और लंबे समय से फंड जारी न करके भाजपा अपना पंजाब विरोधी चेहरा जग-जाहिर कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र सरकार का हर कदम पंजाब और पंजाबियों के लिए परेशानी खड़ी करने के लिए उठाया जा रहा है परन्तु हम कभी भी उनके सामने नहीं झुकेंगे।

मुख्यमंत्री चौहान ने भूतपूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद और स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस को जयंती पर किया नमन

भोपाल, (हि.स.)। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद और महान स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की आज रविवार को जयंती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दोनों महान विभूतियों को स्मरण कर विनम्र नमन किया है। मुख्यमंत्री चौहान ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा अपने जीवन का हर क्षण राष्ट्र व समाज की उन्नति के लिए अर्पित कर देने वाले भारत के प्रथम राष्ट्रपति व महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रद्धेय डॉ.राजेंद्र प्रसाद जी की जयंती पर उनके चरणों में कोटि-कोटि प्रणाम करता हूं। राष्ट्र निर्माण एवं माँ भारती की सेवा में समर्पित आपका संपूर्ण जीवन समस्त देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। एक अन्य संदेश में उन्होंने कहा साहस और वीरता के पर्याय, महान स्वतंत्रता सेनानी, खुदीराम बोस जी की जयंती पर कोटिशः नमन करता हूं। परतंत्रता की बेड़ियों को तोड़ने और मातृभूमि की सेवा के लिए अल्पायु में ही प्राणोत्सर्ग करने वाले आप जैसे वीर सपूत पर इस माटी के कण-कण को युगों-युगों तक गर्व रहेगा।

'हॉकी के जादूगर', मेजर ध्यानचंद को पुण्यतिथि पर दी विनम्र श्रद्धांजलि – मुख्यमंत्री शिवराज ने सोशल मीडिया एक्स पर 'हॉकी के जादूगर', मेजर ध्यानचंद को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा खेल के मैदान में हॉकी और बॉल के बीच की मधुर लय से सबको मंत्रमुग्ध कर देने वाले, 'हॉकी के जादूगर', मेजर ध्यानचंद जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अपने अद्भुत खेल से ओलंपिक में टीम को तीन बार स्वर्ण पदक दिलाने और भारत की प्रतिष्ठा को विश्व में नई ऊँचाइयों पर प्रतिष्ठित करने के लिए ध्यानचंद जी को सदैव याद किया जायेगा।

तीन राज्यों में जीत ने प्रधानमंत्री की नीतियों पर लगाई मोहर : कंवरपाल

शिक्षा मंत्री व भाजपा विधायकों ने लड्डू बांटकर मनाई जीत की खुशी

यमुनानागर, (हि.स.)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने कहा है कि देश के तीन राज्यों में हुए चुनावों के दौरान भाजपा को मिली जीत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर मोहर लगाकर यह साफ कर दिया है कि केंद्र में अगली सरकार भाजपा की ही बनेगी। चुनाव परिणाम के बाद भाजपा जिला कार्यालय पर बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता पहुंचे। मेयर मदन चौहान, यमुनानगर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, व स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल और सभी कार्यकर्ता ढोल की थाप पर जमकर नाचे और लड्डू खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी। वहीं जीत में सराबोर कार्यकताओं ने जमकर आतिशबाजी भी की। स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की जीत जनता की जीत है। भाजपा के विकास कार्यों और जनहित नीतियों की जीत है और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की जीत है। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता की मेहनत और लगन का परिणाम है कि पार्टी ने तीनों राज्यों में बहुमत से जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी ही है। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की फ्री गारंटी को जनता ने नकार दिया है। और अब 2024 के लोक सभा और हरियाणा के विधानसभा चुनाव में जनता का आशीर्वाद इसी तरह से मिलेगा और तीसरी बार भाजपा सरकार बनाएगी। भाजपा-जजपा गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि वह सिर्फ सरकार में सामान्य न्यूनतम प्रोग्राम के तहत सरकार चलाने के लिए समझौता था ना कि पार्टी का गठबंधन था।

देश की जनता को मोदी निंदा बर्दाश्त नहीं: शिंदे

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निंदा बर्दाश्त नहीं है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री के बारे में जो निंदा की गई थी, उसका जनता ने करारा जवाब दिया है। इसी का परिणाम है कि तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा विजय की ओर बढ़ रही है। मुख्यमंत्री शिंदे रविवार को यहां चार राज्यों की मतगणना पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्य जनता के मन में हैं, इसीलिए इन चुनाव परिणामों से मन-मन में मोदी होना साबित हो गया है। शिंदे ने कहा कि इसी तरह वर्ष 2014 में भी नरेन्द्र मोदी की आलोचना की जा रही थी, लेकिन वे प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2019 में भी प्रधानमंत्री की निंदा की गई और जनता ने उन्हें फिर से भारी बहुमत से प्रधानमंत्री बनाया। वर्ष 2024 में भी नरेन्द्र मोदी ही भारी बहुमत से प्रधानमंत्री बनेंगे, यह इन चुनाव नतीजों से साबित हो गया है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि नरेन्द्र मोदी का देश के लिए किया गया काम और अमित शाह के नियोजन ने चुनाव में भारी जीत दिलायी है। यह चुनाव नतीजे उन लोगों के लिए करारा तमाचा हैं, जो कह रहे थे कि मोदी का करिश्मा समाप्त हो गया है। शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में कोई भूखा न रहे, इसके लिए काम कर रहे हैं और उन्होंने विश्व पटल पर भारत को गौरव दिलाया है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इन चुनाव परिणामों से वे बहुत ही खुश हैं। अभी वे सिर्फ इतना ही कहेंगे। सभी चुनाव परिणाम आने के बाद वे इस पर विस्तृत व्यक्तव्य जारी करेंगे। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि इन चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकल्प नहीं है। मोदी के काम को देखते हुए ही उन्होंने भाजपा सरकार में शामिल होने का निर्णय लिया है। अजीत पवार ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास काम और अमित शाह की संगठन कौशल्य की वजह से मिली है। मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा कि जो लोग भाजपा पर कीचड़ उड़ा रहे थे, यह जीत उनके लिए एक करारा तमाचा है। अब हमें और जिम्मेदार होकर वर्ष 2024 की तैयारी करनी है और 400 का लक्ष्य सामने रखकर काम करना है।

जनता को पसंद है डबल इंजन की सरकार : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश की जनता को प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा है। चुनावी राज्यों ने दिखा दिया है कि गारंटी केवल प्रधानमंत्री मोदी की चलती है और जनता को डबल इंजन की सरकार पसंद है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों का हित सर्वोपरि है। ठाकुर ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की गारंटियां फेल हो गई हैं। छत्तीसगढ़ और राजस्थान की कांग्रेस सरकार को जनता ने नकार दिया है। अब जो लोग विदेश यात्रा पर छुट्टी मनाने जाते थे, वह लंबी छुट्टी पर जा सकते हैं। ठाकुर ने कहा कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर जितने कीचड़ उछाले हैं, उतना ही कमल निखर कर सामने आया है। विपक्ष ने विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने का प्रयास किया। उन्हें गालियां दीं लेकिन जनता ने प्रधानमंत्री के विकास मॉडल को स्वीकार किया। विपक्ष जाति पर राजनीति करना चाह रही थी लेकिन जनता ने उसे नकार दिया।

राष्ट्रपति ने कहा, उपलब्धि प्राप्त दिव्यांगों को अपनी क्षमता के अनुसार औरों की मदद करनी चाहिए

नई दिल्ली, (हि.स.)। एशियाई पैरा खेलों में दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी अदम्य विजयी भावना के बल पर एक नया इतिहास रचा है। इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार अभी भी जारी है। इसमें डॉ. दीपा मलिक और सुश्री अवनी लेखरा जैसे खिलाड़ियों द्वारा निभाई गई प्रेरणादायक भूमिका सराहनीय रही है। भारत ने इन लक्ष्यों को उच्च प्राथमिकता दी है और उन्हें हासिल करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के मौके पर वर्ष 2023 के लिए दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने के दौरान उक्त उदगार व्यक्त किए। राष्ट्रपति ने कहा कि जिन दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल की है, उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार अन्य दिव्यांगों की मदद करनी चाहिए। इससे उचित सुविधाओं, अवसरों और सशक्तिकरण प्रयासों की मदद से सभी दिव्यांग समानता और सम्मान के साथ रहेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार एक सराहनीय माध्यम है, जिसके तहत व्यक्तिगत और संगठनात्मक कार्यों की मान्यता सभी को प्रोत्साहित करती है। राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया की कुल आबादी का लगभग 15 प्रतिशत दिव्यांग हैं और उनका सशक्तिकरण एक उच्च प्राथमिकता है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि पिछले कुछ वर्षों में दिव्यांगों के प्रति समाज के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह गर्व की बात है कि नए संसद भवन का हर हिस्सा दिव्यांगों के लिए सुलभ है।

प्रधानमंत्री मोदी पर जनता का भरोसा कायम है : मुख्यमंत्री धामी

देहरादून, (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में से तीन बड़े राज्यों में भाजपा को मिली जीत में मोदी फैक्टर प्रमुख कारण रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राजस्थान और मध्यप्रदेश में 9 विधानसभाओं में प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिनमें सभी पर भाजपा उम्मीदवारों को जीत हासिल हुई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का जलवा अब दूसरे राज्यों में भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने राजस्थान और मध्यप्रदेश की कुल 9 विधानसभा सीटों पर धुआंधार प्रचार किया था, जिनमें से सभी सीटों पर भाजपा ने जीत (फिलहाल निर्णायक बढ़त) हासिल की है। वह एक दिन में तीन-तीन जनसभाओं को संबोधित करते थे। उनके कई रोड शो भी हुए। जीत के लिहाज से धामी का स्ट्राइक रेट 100 फीसद रहा। मुख्यमंत्री धामी ने भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों में सबसे युवा मुख्यमंत्रियों में से एक हैं। अपने जनहित से जुड़े कार्यों और धाकड़ फैसलों की वजह से मातृशक्ति और युवाओं के बीच उनकी खासी लोकप्रियता है।

यही वजह है कि उत्तराखंड से बाहर अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों में भी उनकी काफी डिमांड रहती है। राजस्थान और मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनावों में भाजपा हाईकमान ने कई विधानसभा क्षेत्रों में धामी की जनसभाएं और रोड शो करवाए। उनके हर कार्यक्रम में बड़ी तादाद में भीड़ जुटी। राजस्थान में उन्होंने 6 विधानसभा क्षेत्रों सांगानेर, झोटवाड़ा, विराटनगर, सांगोद, रामगंज मंडी और डग विधानसभा सीटों पर धुआंधार प्रचार किया था। जनसभाओं के अलावा उन्होंने समाज के किसान और व्यापारी वर्ग से सीधा संवाद भी कायम किया था। उनके रोड शो भी सफल रहे। इन छह विधानसभाओं में भाजपा को शानदार जीत हासिल हुई है। इस जीत में धामी की मौजूदगी भी एक बड़ा फैक्टर माना जा रहा है। सांगानेर से भजना लाल शर्मा, झोटवाड़ा सीट से राज्यवर्धन राठौर, विराटनगर से कुलदीप, सांगोद से हीरालाल नागर, रामगंज मंडी से मदन दिलावर और डग से कालूराम को विजय प्राप्त हुई। मध्य प्रदेश में भी धामी ने तीन विधानसभा सीटों के कई स्थानों पर चुनाव प्रचार किया। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा में भी उन्होंने प्रतिभाग किया। उन्हें ऐसी विधानसभा सीटों पर प्रचार में उतारा गया जहां उत्तराखंड मूल के लोगों की संख्या अधिक है। मध्य प्रदेश में जिन तीन विधानसभा सीटों पर धामी ने चुनाव प्रचार किया उनमें इंदौर-2, खुरई और सागर विधानसभा सीटें शामिल हैं। इनमें क्रमशः भाजपा प्रत्याशी रमेश मेंदोला, भूपेन्द्र सिंह और शैलेन्द्र कुमार जैन को जीत मिली। दरअसल, धामी ने बतौर मुख्यमंत्री अभी तक के अपने लगभग ढाई वर्ष के कार्यकाल में जनहित में कई साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। जिनमें नकल विरोधी कानून, सख्त धर्मांतरण कानून लागू करना शामिल हैं। इसके अलावा जमीन जेहाद के खिलाफ चलाया गया उनका बुल्डोजर पूरे देश में चर्चा का विषय है। इतना ही नहीं समान नागरिक संहिता लागू करने को लेकर उनके द्वारा प्रदेश में की गई ठोस पहल को भी समूचे देश में सराहना मिली है। विस्तार ले रही रही उनकी लोकप्रियता की वजह से अन्य प्रदेशों के चुनाव में भी उनकी डिमांड बढ़ी है।

एलओसी पर घुसपैठ के किसी भी प्रयास को करेंगे विफल : बीएसएफ

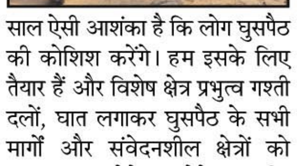

श्रीनगर, (हि.स.)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक कुमार यादव ने रविवार को कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ के किसी भी प्रयास को हम नाकाम कर देंगे। महानिरीक्षक यादव रविवार को यहां के हुमहामा परिसर में बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सीमा पार से घुसपैठ का खतरा हमेशा बना रहता है और चरम सर्दियों के दौरान इसकी संभावना कम हो जाती है, लेकिन इस साल ऐसी आशंका है कि लोग घुसपैठ की कोशिश करेंगे। हम इसके लिए तैयार हैं और विशेष क्षेत्र प्रभुत्व गश्ती दलों, घात लगाकर घुसपैठ के सभी मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों को अवरुद्ध कर देंगे। उन्होंने कहा कि जहां तक घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने की बात है तो पिछले साल बीएसएफ को काफी सफलता मिली थी। जब भी घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिलती है तो बीएसएफ और सेना की संयुक्त टीम सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त अभियान चलाती है और पिछले साल घुसपैठ की कई कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है। कश्मीर सीमा पर संघर्ष विराम उल्लंघन की कोई घटना नहीं हुई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कुछ घटनाएं हुईं और उन घटनाओं के आधार पर हम बहुत सतर्क हैं और दूसरे पक्ष द्वारा किए गए किसी भी प्रयास का मुकाबला करने में सक्षम हैं।

नैनीताल का पेयजल अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा, मिला आईएसओ 9001 प्रमाण पत्र

–यह मानक पाने वाला उत्तराखंड का पहला नगर

नैनीताल,(हि.स.)। पर्यटक नगरी नैनीताल आईएसओ 9001 यानी अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन से प्रमाणित पानी पिलाने वाला उत्तराखंड का पहला शहर बन गया है। आईएसओ 9001 द्वारा नैनीताल जल संस्थान को सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया है। इस प्रकार कह सकते हैं कि नैनीतालवासी और यहां आने वाले सैलानी अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा इतना शुद्ध पानी पी रहे हैं कि राज्य के अन्य नगरों के वासी इस पर रश्क यानी ईर्ष्या कर सकते हैं और सैलानी इस एक नये कारण से भी नैनीताल आने की योजना बना सकते हैं। उत्तराखंड जल संस्थान के अधिशासी अभियंता विपिन चौहान ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन ने नैनीताल जल संस्थान के द्वारा नैनीताल नगर में की जा रही पेयजल की आपूर्ति का ऑडिट किया गया था, जिसमें नैनीताल नगरीय क्षेत्र का पेयजल पूरी तरह से आईएसओ 9001 के मानकों के अनुरूप पाया गया। इसके बाद नैनीताल जल संस्थान को आईएसओ 9001 प्रमाण पत्र जारी किया गया है। यह प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाला नैनीताल उत्तराखंड का पहला जल संस्थान नैनीताल है। बताया गया है कि आईएसओ यानी अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन 160 से अधिक देशों के राष्ट्रीय मानक निकायों से बनी एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी है, जो ग्राहकों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को पूरा करके ग्राहकों की संतुष्टि में वृद्धि करता है। इसे पहली बार 1987 में द्वारा प्रकाशित किया गया था। आईएसओ 9001 का वर्तमान संस्करण सितंबर 2015 में जारी किया गया था जो गुणवत्ता को प्रमाणित करता है। इसके मानकों को पूरा करने की प्रक्रिया के लिए जल संस्थान द्वारा मार्च 2023 में पंजीकरण कराया था। बताया गया है कि नैनीताल जल संस्थान नगर में पेयजल आपूर्ति के लिये नैनी झील से सीधे पानी लेने की जगह झील से दूर डीएसए मैदान की ओर अंग्रेजी दौर से बनाये गये कुंओं व हालिया वर्षों में स्थापित नलकूपों से ह्यरीवर बेड पेनीट्रेशनह्ल की प्रविधि से पानी लेता है। इस विधि से काफी हद तक साफ लेकिन चूने की मौजूदगी के साथ ह्यहार्ड वाटरह्ल की श्रेणी का प्राप्त होता है। इसकी हार्डनेस को सामान्य करने के लिये तीन सॉफ्टनिंग प्लांटों और 10 एमएलडी के आरओ प्लांट को अपग्रेड कराया गया है, जिससे नगर में आईएसओ 9001 अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप स्वच्छ पानी मिल पाता है।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने की 12 कॉलेजों की मान्यता रद्द करने की मांग

नई दिल्ली (ईएमएस)। शिक्षा मंत्री आतिशी ने अपने पत्र में केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय दिल्ली विश्वविद्यालय के इन 12 कॉलेजों से मान्यता वापस लेने पर विचार करे। जिसके बाद इन कॉलेजों को दिल्ली सरकार के अंबेडकर विश्वविद्यालय या दिल्ली स्किल एंड एंत्रप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी के कैंपस के रूप में नामित कर देना चाहिए। अपने पत्र में आतिशी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त और दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित 12 कॉलेजों के कामकाज पर गंभीर चिंता जताई। आतिशी ने पत्र में इन कॉलेजों के कामकाज में कई अनियमितताओं और खामियों को चिन्हित किया, जिसकी वजह से वित्त प्रबंधन में खामी उत्पन्न हो रही है और टैक्स पेयर्स के सैकड़ों करोड़ों रुपये की बबार्दी हो रही है। बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेज ऐसे हैं, जिनका वित्त पोषण दिल्ली सरकार द्वारा किया जाता है। इन कॉलेजों में लगातार वित्तीय अनियमितताएं सामने आती रही हैं। अब इनको दूर करने के लिए दिल्ली की शिक्षा मंत्री अतिशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को एक पत्र लिखा है। उच्च शिक्षा मंत्री ने अपने पत्र में इन कॉलेजों में चल रही अनियमितताओं को बताते हुए साझा किया कि इन 12 कॉलेजों ने बिना अप्रूवल लिए कई पद सृजित किए और टीचिंग-नॉन टीचिंग कर्मचारियों को नियुक्त किए। कॉलेजों द्वारा वेतन के रूप में कई करोड़ रुपये ऐसे व्यक्तियों को दिया जा रहा है, जिन्हें कभी भी स्थापित प्रक्रियाओं के माध्यम से नियुक्त नहीं किया गया। वेतन और अन्य मदों में दिए जाने वाले फंड का दुरुपयोग किया जा रहा है। इन कॉलेज में साफ-सफाई और सिक्योरिटी सेवाओं, कैंटीन के आवंटन और अन्य कंट्रक्चुअल सेवाओं के प्रति मनमानी और अनियमित भुगतान किए गए हैं। पर्याप्त धनराशि होने के बावजूद, कई कॉलेजों ने कर्मचारियों को समय पर वेतन और बकाया भुगतान को प्राथमिकता नहीं दी। दिल्ली की उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा, ये मुद्दे इन संस्थानों के भीतर हो रही बड़ी अनियमितताओं को दशार्ते हैं।

इन कॉलेजों को दिल्ली विश्वविद्यालय से मान्यता मिली है और दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित हैं। ऐसे में इन कॉलेजों में विश्वविद्यालय और एनसीटी दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय दोनों की ओर से पर्याप्त निगरानी का अभाव है, जिससे इन कॉलेजों की दोनों के प्रति कोई जबाबदेही नहीं है। उन्होंने कहा कि फिर इन कॉलेजों को पूरा फंड दिल्ली सरकार द्वारा दिया जाएगा। साथ ही इन कॉलेजों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्वायत्त डिग्री देने वाले संस्थानों में विकसित होने का अवसर मिल सकेगा। एक अन्य सुझाव देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि यदि कॉलेजों को दिल्ली विश्वविद्यालय से एफिलिएटेड रहना है, तो भारत सरकार को इनके पूरे फंडिंग की सीधी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह वित्तीय सहायता विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) या प्रस्तावित उच्च शिक्षा अनुदान परिषद (एचईजीसी) के माध्यम से प्रदान की जा सकती है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इन कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों की शिक्षा अभी दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है, ऐसे में पहले विकल्प के साथ दिल्ली सरकार इन कॉलेजों की पूरी जिम्मेदारी लेना चाहेगी। अपने पत्र के अंत में आतिशी ने कहा, 12 कॉलेजों की समस्याओं के समयबद्ध समाधान की आवश्यकता है और चालू वित्तीय वर्ष के शेष महीनों के भीतर ही इस संबंध में कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसे में इन 12 कॉलेजों के प्रभावी प्रशासन के लिए एक स्थायी समाधान खोजने के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और दिल्ली सरकार को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है।

दो दिवसीय भ्रमण पर आज देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचेंगे सीएम योगी

बलरामपुर, (हि.स.)। ब्रह्मलीन महंत महेंद्र नाथ योगी को श्रद्धांजलि अर्पित करने कल सोमवार को दो दिवसीय भ्रमण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंच रहे है। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मंदिर प्रशासन के द्वारा पूरी तैयारी की गई है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नेपाल सहित प्रमुख मठ मंदिर के संत महंत शामिल होंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शक्तिपीठ पर संतों का पहुंचना शुरू हो गया है। शक्तिपीठ मंदिर देवीपाटन में ब्रम्हलीन महंत महेंद्र नाथ योगी के 23वी पुण्यतिथि पर 28नवम्बर से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा चल रहा है। कल सोमवार को कथा उपरांत संत सम्मेलन व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। देवीपाटन पीठाधीश्वर मिथिलेश नाथ योगी ने बताया कि शक्तिपीठ देवी पाटन के द्वारा हर वर्ष ब्रम्हलीन महंत का पुण्यतिथि मनाया जाता है। इस बार 23वीं पुण्यतिथि मनाई जा रही है। सभा सोमवार को होने वाले संत सम्मेलन वा श्रद्धांजलि सभा में नेपाल सहित देश के प्रमुख मठ मंदिरों के संत-महंत शामिल होंगे।

गोरक्ष पीठाधीश्वर सीएम योगी भी कल देवीपाटन मंदिर पहुंचेंगे। जिसको लेकर सीएम कार्यालय के द्वारा स्वीकृति मिल चुकी है। बताया की कम श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सोमवार को पहुंचेंगे रात्रि विश्राम कर अगले दिन मंगलवार को यहां से रवाना होंगे। सीएम के आगमन को लेकर पूरी तैयारी की गई है। उल्लेखनीय है कि शक्तिपीठ देवीपाटन के संचालन की मुख्य व्यवस्था गोरखनाथ मंदिर गोरखपुर के द्वारा की की जा रही है, गोरखनाथ मंदिर के पीठाधीश्वर सीएम योगी है।

1885 में ही दर्ज हुआ श्रीराम जन्मभूमि को लेकर पहला मुकदमा

लखनऊ, (हि.स.)। 1857 के विद्रोह की आग में देश जल ही रहा था। अंग्रेजी हुकूमत से हिन्दू और मुसलमान दोनों समान रुप से प्रताड़ित थे। यह वक्त ऐसा था जब अभूतपूर्व हिंदु-मुस्लिम एकता भी कायम हुई। लेकिन श्रीराम जन्मभूमि का मसला हल नहीं हो पाया। विवाद बढ़ा तो अंग्रेजी प्रशासन ने विवादित स्थल को तारों के बाड़े से घेर दिया। हालांकि अवध के नबावों के समय में ही हिन्दु मुस्लिम दोनों को पूजा और नमाज की इजाजत दे दी गई थी। 1885 आते-आते देश मध्यकालीन न्याय व्यवस्था की जकड़न से मुक्त होकर आधुनिक न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण में प्रवेश करना शुरू कर चुका था। फैजाबाद के जिला जज की अदालत में 25 मई 1885 को पहली बार श्रीराम जन्मभूमि का मामला पहुंचा और कानूनी लड़ाई का सूत्रपात हो गया।

विवादित ढांचे को अलग करने को दीवार बनी – फैजाबाद गजेटियर के अनुसार अयोध्या में विवादित ढांचे के पास निर्मोही अखाड़े के महंत रघुबर दास ने एक ऊंचा मंच बनाया। इसी मंच पर महंत रघुबर दास ने राममंदिर का निर्माण शुरू कर दिया। जिसे लेकर मुस्लिम पक्ष ने फैजाबाद जिला मजिस्ट्रेट के यहां विरोध दर्ज कराया। जिसके बाद निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया और मंच और बाबरी ढांचे को अलग करने के लिए एक दीवार बनाई गई थी। इसके बाद महंत रघुबर दास ने चबूतरे के निर्माण और उसके मालिकाना हक का दावा करते हुए फैजाबाद के उपन्यायधीश की अदालत में मुकदमा दायर कर दिया। हालांकि उप न्यायधीश और जिला न्यायधीश अनुमति देने से इंकार कर दिया। लेकिन महंत ने न्यायायिक आयुक्त अवध की अदालत में मामला दायर कर दिया।

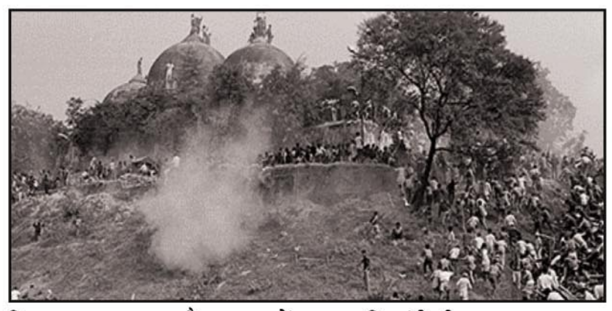

न्यायायिक आयुक्त ने यथास्थिति में किसी भी बदलाव से इंकार कर दिया और साल 1934 तक स्थिति यथावत कायम रही।

हिंदुओं की भूमि पर मस्जिद बनाई गई यह दुर्भाग्यपूर्ण है – फैजाबाद के जिला जज कर्नल एफई॰ शेमियर ने 18 मार्च 1986 को श्रीराम जन्मभूमि का निरीक्षण करने का फैसला किया। उन्होंने निरीक्षण के बाद कहा कि हिंदुओं के पवित्र भूमि पर मस्जिद बनाई गई है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके बाद दो बार ऐसा अवसर आया जब हिंदुओं ने जन्मभूमि पर कब्जा कर लिया। साल 1912 और 1934 में साधुओं ने और हिंदू जनता ने मिलकर बाबरी ढांचे पर धावा बोल दिया और तोड़-फोड़ शुरू कर दिया। इसके बाद जन्म भूमि एक तरह से हिंदुओं के कब्जे में आ गई, लेकिन अधिक दिनों के लिए नहीं। अंग्रेज सरकार ने कब्जा छुड़वाकर उस स्थान की फिर से मरम्मत कराई।

कोर्ट ने कहा मस्जिद हिंदुओं के पवित्र मानी जाने वाली जमीन पर बनाई गई – निर्मोही अखाड़े के महंत रघुबर दास का मुकदमा बाद के दिनों में अदालती कार्यवाहियों में मजबूत आधार साबित हुआ। महंत रघुबर दास ने फैजाबाद के सब जज कोर्ट में केस किया था। जिसमें मस्जिद परिसर के भीतर मौजूद 17 गुणे 21 फीट के चबूतरे पर मंदिर बनाने की अनुमति मांगी थी। यह वह स्थान था जहां श्रीराम की चरण पादुका लगाई गई थी और नियमित पूजा भी हो रही थी। दीवानी मुकदमें में फैजाबाद की जिला अदालत ने 1886 में कहा कि मस्जिद अयोध्या में हिंदुओं द्वारा पवित्र मानी जाने वाली जमीन पर बनाई गई थी। हालांकि उसमें मंदिर निर्माण की अनुमति नहीं थी। जमीन के मालिकाना हक का समाधान निकालने का मुस्लिम पक्ष का दावा गलत है।

फैजाबाद से हाईकोर्ट पहुंचा मामला – अयोध्या पुस्तक के लेखक सुदर्शन भाटिया लिखते हैं कि मुसलमान हिंदुओं के इस तर्क से कत्तई सहमत नहीं थे। उन्होंने कहा था कि 1885 के मुकदमे को जमीन के मालिकाना हक के समाधान के तौर पर स्वीकृत नहीं दी जा सकती। क्योंकि यह केवल भूमि के एक हिस्से बाहरी भाग पर चबूतरे को लेकर था। वाद के दावों में पूरे विवादित स्थान को शामिल किया गया। इसलिए दावे का कोई आधार नहीं रह जाता। अब मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। विवाद की सुनवाई के दौरान यह स्थिति सामने आई कि 1885 में महंत रघुबर दास ने राम चबूतरा इलाके में मंदिर के निर्माण के लिए याचिका दायर किया था। बाकी मस्जिद के मुअज्जिन मोहम्मद अशगर ने इसका विरोध किया। उन्होंने भूमि के सीमांकन में मात्र कुछ बातों का विरोध किया था और पर्याप्त आपत्तियां नहीं उठाई थी। इसलिए मुकदमा खारिज कर दिया गया। जन्मभूमि आंदोलन को करीब से देखने और समाचार के लिए अयोध्या में मौजूद रहने वाले कारसेवा से कारसेवा पुस्तक के लेखक वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा लिखते हैं कि 1885 में सिविल अपील संख्या 27 पर फैसला देते हुए जिला न्यायाधीश एफ ई ए शेमियर ने लिखा कि यह दुर्भाग्य पूर्ण है कि ऐसे किसी स्थान पर मस्जिद बनाई गई जिसे हिंदू पवित्र मानते हैं। 365 साल पहले घटी घटना की शिकायत इतनी देर हो जाने के बाद दूर नहीं की जा सकती।

लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को मुंहकी खानी पड़ेगी - स्वतंत्रदेव

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के शुरूआती परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सुबह से ही भाजपा ने बढ़त बनाई हुई है। भाजपा की बढ़त ने जनता का मन बताया है। शाम तक परिणाम आयेगा तो विपक्ष की बोलती बंद हो जायेगी। कांग्रेस को जनता ने नकारा है और आने वाले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ेगी। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि पांच राज्यों में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश में बढ़त है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर मेहनत की है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के नेतृत्व में हमारे जैसे कार्यकर्ताओं ने मध्य प्रदेश में जमकर प्रचार किया है। जनता ने भाजपा के विकास कार्यो को स्वीकार किया है और जीत को सुनिश्चित करने के लिए अपना बहुमूल्य मत दिया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार में महादेव ऐप जैसी भ्रष्ट घटना हुई। जिससे जनता का मोह कांग्रेस से भंग हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जनता ने जताया विश्वास : स्वाती सिंह

लखनऊ, (हि.स.)। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। तमाम एक्जिटपोल और चुनाव पूर्व अनुमानों को झुठलाते हुए भाजपा रूझानों में आगे चल रही है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोगों के विश्वास को जताता है। ये बातें भाजपा नेता और पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कही। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष वार्ता करते हुए कहा कि भाजपा कभी चुनाव की दृष्टि से जनसेवा नहीं करती है। यह सतत हर वक्त जनता की सेवा में लगी रहती है। आज जनता भाजपा के सेवा भाव और राष्ट्र सेवा की भावना को समझ चुकी है। कांग्रेस और दूसरी पार्टियां सिर्फ चुनावी दृष्टि से जनता को छलने के लिए चुनाव में जाती हैं। अब जनता छलने वाली नहीं रह गयी है। भाजपा के स्वाती सिंह ने कहा कि कांग्रेस स्वहित के लिए देश को भी बेचने का काम कर सकती है। आतंकवादियों के साथ भी देने में उसको गुरेज नहीं होता। कांग्रेस से जुड़े अधिवक्ता आतंकवादियों को बचाने के लिए मुकदमा लड़ते हैं। इन सब बातों से जनता वाकिफ है। वह समझ चुकी है कि भाजपा ही देश की तरक्की के लिए काम कर सकती है। इस कारण जनता ने भाजपा का साथ दिया है।

कांग्रेस से मुक्ति चाहती है देश की जनता : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। देश के तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली शानदार जीत पर उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का डंका बज रहा है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा देश की जनता कांग्रेस से मुक्ति चाहती है। मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो रहा है। चुनावी रामभक्तों को जनता ने सबक सिखाया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के मन में मोदी है,मोदी के मन में भारत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व और भाजपा की विचारधारा को विधानसभा चुनाव में समर्थन मिला है। देश में कमल की आंधी है,मोदी है तो मुमकिन है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने कहा कि देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा है। केन्द्र सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है सरकारी योजनाओं का फायदा बिना भेदभाव के सबको मिल रहा है।

झारखंड के 11 विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में खाली हैं पद

जेपीएससी की ओर से 2404 असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की चल रही तैयारी

रांची, (हि.स.)। राज्य के विश्विविद्यालयों में शिक्षक और कर्मियों की घोर कमी है। इनमें असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है। झारखंड लोक सेवा आयोग की ओर से 2404 असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की तैयारी की जा रही है। हालांकि, राजभवन इसको लेकर आपत्ति जता चुका है। जेपीएससी के माध्यम से सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए पिछले दिनों अभियान भी चलाया था इसके बावजूद कई विभागों में आज भी प्रोफेसर से लेकर सहायक प्रोफेसर की भारी कमी है। रांची विश्वविद्यालय में 1,032 स्वीकृत पदों में 688 शिक्षकों के पद खाली हैं। इसी तरह का हाल हजारीबाग विनोबा भावे विश्वविद्यालय का है, जहां स्वीकृत 597 पदों में से 326 खाली हैं। कोल्हन विश्वविद्यालय में 994 स्वीकृत पद हैं, जिसमें करीब 675 खाली हैं। इसी तरह सभी विश्वविद्यालय में निचले स्तर के कर्मियों की भी भारी कमी है, जिस वजह से शैक्षणिक कार्यो पर असर पड़ रहा है। इस संबंध में रांची विश्वविद्यालय के नागपुरी भाषा के पीजी विभाग के डॉ उमेश नंद तिवारी कहते हैं कि नागपुरी में चार रिक्तियां थी उसे जल्द ही भरने की प्रक्रिया शुरू की गई है लेकिन जनवरी में चार लोग सेवानिवृत्त भी होंगे। इस तरह से जब तक ये नवनियुक्त सेवा शुरू करेंगे उतनी रिक्तियां फिर से हो जायेंगी। इसी तरह से अन्य विभागों का भी हाल है।

राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालय - रांची विश्वविद्यालय रांची,कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय पलामू, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रांची, झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय रांची, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची, नेशनल लॉ युनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ रांची, झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी रांची और बिनोद बिहारी महतो विश्वविद्यालय कोयलांचल। एक तरफ जहां राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों की भारी कमी है, वहीं दूसरी ओर इन खाली पड़े पदों भरने के लिए कभी भी ईमानदारी से प्रयास नहीं किया गया है। शायद यही वजह है कि राज्य गठन के 23 वर्षों में सिर्फ एक बार झारखंड पात्रता परीक्षा यानी जेट का आयोजन हुआ है। राज्य में 15 अक्टूबर 2006 को पात्रता परीक्षा हुई थी उसके बाद से एक भी पात्रता परीक्षा आयोजित नहीं हो सकी है। सहायक अध्यापकों की नियुक्ति में नेट की तरह जेट की भी मान्यता है। हालांकि, सरकार जेट परीक्षा आयोजित करने को लेकर नियमावली बनाने में जुटी है और संभावना व्यक्त की जा रही है कि आने वाले कुछ महीनों में सारी वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इन सबके बीच राज्य सरकार के द्वारा 2404 असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है। राजभवन के दबाव के बाद झारखंड लोक सेवा आयोग के द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की जानी है, जिसके लिए प्रक्रिया शुरू होने वाला है।

उपायुक्त ने चेशायर होम के दिव्यांगजनों से की मतदान करने की अपील

रांची, (हि. स.)। रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा रविवार को बारियातू रांची स्थित चेशायर होम पहुंचे। उपायुक्त ने विश्व विकलांग दिवसह्र पर वहां रहने वाले दिव्यांगजनों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आप सभी जीवन में आगे बढ़े, देश की तरक्की में आप सभी योगदान देने के काबिल बनें ,सब मिल कर आप सभी की सहभागिता से ही एक नए भारत का निर्माण होगा। आप सभी का योगदान भारत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आप सभी खूब तरक्की करें। उपायुक्त ने वहां सभी को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक-एक वोट भारत निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपायुक्त ने सभी लोगों से पूछा कि आप सभी का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, की नही जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नही है, उनका नाम मतदाता सूची तुरंत दर्ज कराने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिया गया। उपायुक्त वहां रहने वाले दिव्यांगजनों से कहा आप सभी की तरक्की में आप सभी योगदान देने के काबिल बनें।

सब मिल कर और आप सभी की सहभागिता से ही एक नए भारत का निर्माण होगा। उपायुक्त ने सम्बंधित सभी अधिकारी को विशेष रूप से निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी योग्य व्यक्ति मतदान करने से छूटे नहीं। इसके लिए उन सभी का नाम मतदाता सूची में आवश्यक रूप से दर्ज हो यह सभी सम्बंधित अधिकारी-पदाधिकारी सुनिश्चित करें। यह सबकी दृढ़ता है, जिसका पालन सभी को करना है।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर देश की जनता का भरोसा : संजय सेठ

रांची, (हि. स.)। भाजपा के सांसद संजय सेठ ने तीन राज्यों के प्रचंड जीत पर बधाई दी है। सांसद सेठ ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर अपना विश्वास जताया है। सांसद ने इस जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा के सभी कार्यकर्ता और तीनों राज्य की जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री कुशल नेतृत्व में भाजपा ने तीनों राज्य में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की। सांसद ने छत्तीसगढ़ के सूरजपुर संभाग के तीनों विधानसभा के प्रभारी के रूप में काम किया। तीनों विधानसभा में भाजपा के उम्मीदवार भटगांव विधानसभा प्रेम नगर प्रतापपुर में प्रचंड बहुमत जीत हासिल की। इस जीत के लिए सांसद ने तीनों उम्मीदवार को बधाई दी और सूरजपुर संभाग के जनता, वहां के भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया है।

गिरिडीह में चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह, (हि . स .)। गिरिडीह पुलिस को साइबर अपराध के खिलाफ की जा रही कार्रवाई में लगातार सफलता मिल रही है। एसपी दीपक कुमार शर्मा को प्रतिबिम्ब पोर्टल के माध्यम से मिली गुप्त सूचना के बाद निमियाघाट, बिरनी, डुमरी एवं बेंगाबाद थाना क्षेत्र साइबर डीएसपी संदीप सुमन के नेतृत्व में की गई छापेमारी में चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही एक साइबर अपराधी को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इस संदर्भ में साइबर थाना में दो दिसंबर को मामला दर्ज किया गया था। रविवार को पुलिस लाईन में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए एसपी दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के निमियाघाट, बिरनी, डुमरी एवं बेंगाबाद थाना क्षेत्र में कुछ साइबर अपराधी लोगों से ठगी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। इसके बाद साइबर डीएसपी संदीप सुमन के नेतृत्व के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम में शामिल पुनि सह थाना प्रभारी साइबर अजय कुमार, पुअनि श्याम बाबू राठौर, पुअनि सरोज मंडल, पुअनि गौरव कुमार, सअनि संजय मुखियार, साकेत वर्मा, जितेन्द्र नाथ महतो ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर डुमरी के नवाडीह कुलगो से पवन मंडल व कपिलदेव मंडल को बिरनी के राजेन्द्र नगर से पंकज वर्मा, को जमुआ के सियाटांड़ से सूरज तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। एवं बेंगाबाद के रहने वाले लक्ष्मण मंडल को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। बताया गया कि अपराधियों के पास से आठ मोबाईल फोन सेट, 10 सिमकार्ड, 10 एटीएम, 7 पासबुक व एक बाइक बरामद हुई है। बताया जाता है कि साइबर अपराधी लोगों से व्हाट्सएप चैट एवं वीडियो कॉलिंग के माध्यम से न्यूड वीडियो कॉल कर उसका स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ब्लैकमेल करते हुए पैसा की ठगी करते थे। गर्भवती महिलाओं के मोबाइल पर कॉल कर उन्हें मातृत्व लाभ दिलाने का झांसा देकर रिमोर्ट एक्सेस ऐप आदि का लिंक भेजकर इंस्टॉल करवा कर ठगी करते थे।

मतदान स्तरीय पदाधिकारियों के मानदेय का शीघ्र होगा भुगतान : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

किशनगंज, (हि.स.)। निर्वाचक सूची के निर्माण में मतदान स्तरीय पदाधिकारियों (बीएलओ) की अहम् भूमिका होती है। बीएलओ के इस कार्य के लिये उन्हें मासिक मानदेय का भुगतान भी किया जाता है। आगामी लोक सभा आम निर्वाचन-2024 के मद्देनजर निर्वाचक सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 के दौरान इस जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बीएलओ. स्वस्थ्य निर्वाचक सूची के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं लेकिन कुछ ऐसे बीएलओ भी हैं, जिनका कार्य आशा के अनुरूप नहीं पाये गये हैं और उन्हें अपने कार्य में तेजी लाने की आवश्यकता है। इसको लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी तुषार सिंगला काफी गंभीर दिख रहें हैं। उन्होंने फॉर्म 6,7 एवम 8 जमा करने हेतु जागरूकता अभियान भी चलवाया तथा सभी ईआरओ व एडआरओ को कड़े निर्देश भी दिए हैं। मतदाता सूची का निर्माण 01 जनवरी 2024 की अर्हता तिथि के आधार पर किया जा रहा हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार इसका प्रकाशन 5 जनवरी को कर दिया जाएगा। गौर करे कि जिला स्तर पर बीएलओ के कार्यों की समीक्षोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि जिन बीएलओ के कार्य संतोषजनक पाये गये हैं, उनका मानदेय का भुगतान शीघ्र किया जायेगा एवं शेष बीएलओ के मानदेय का भुगतान संतोषजनक ढंग से कार्य सम्पन्न करने के उपरान्त किया जायेगा। निर्वाचन कार्य के प्रति लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई भी अपेक्षित है।

दौला चौक में विकसित भारत का संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

किशनगंज, (हि.स.)। विकसित भारत संकल्प यात्रा केंद्र सरकार के द्वारा चलाई गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल तक ले जाने के लिए एक महत्वपूर्ण यात्रा है। भारत सरकार के विभिन्न योजनाओं के विस्तृत ढ़ंग से प्रचार-प्रसार एवं योजनाओं के शत-प्रतिशत पूर्णतः प्राप्त करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा से संबंधित प्रचार वाहन, प्रचार-प्रसार सामग्री आदि की व्यवस्था की गई है। प्रचार वाहन की सुरक्षा एवं निगरानी के लिए रोस्टर चार्ट का निर्माण किया गया है। इस कार्यक्रम के प्रचार वाहनों की स्थानीय कार्यक्रमों के दौरान केन्द्र प्रायोजित योजनाओं में राज्य सरकार एवं प्रशासनिक भागीदारी से जनता को बताना है। किशनगंज सदर प्रखंड के पिछला पंचायत के पंचायत भवन और दौला पंचायत के दौला चौक पर विकसित भारत का संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। दोनों स्थलों पर प्रचार वाहन से भारत सरकार तथा राज्य सरकार की विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं का ऑडियो/वीडियो के माध्यम से प्रचार प्रसार किया गया। इसके अलावे विभिन्न विभागों का स्टॉल लगाया गया था, जिसके माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। दोनों स्थलों पर काफी संख्या में स्थानीय नागरिक, लाभुक आदि उपस्थित थे। विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए, जिला प्रशासन के द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है। संबंधित बीडीओ द्वारा रूट चार्ट पूर्व में ही तय कर दिया जाता है। गौर करे कि 02 दिसम्बर को किशनगंज सदर प्रखंड के बेलवा पंचायत से इसकी शुरूआत डीडीसी स्पर्श गुप्ता के द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई एवं सिंघिया कुलामनी पंचायत में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रचार-प्रसार किया गया। सभी स्थलों पर नोडल पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रचार स्थल पर स्थानीय नागरिकों को अटल पेंशन योजना के बारे में विस्तार से बताया गया जिसमें 18 से 40 वर्ष का भारतीय नागरिक योजना का लाभ ले सकते हैं। 60 वर्ष के बाद पेंशन मिलेगी। स्वच्छता, बिजली, आवास, रोजगार, आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और पीएम आवास योजना के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दिया गया। राज्य सरकार और भारत सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने के लिए और पात्र व्यक्तियों को उसका फायदा दिलाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारी व कर्मचारी को तैनात किया गया। कार्यक्रम की निगरानी बीडीओ किशनगंज, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी निर्धारित रोस्टर तिथि से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार संबंधित पंचायतों में कराने का निर्देश दिया गया है।

नेपाल पुलिस के फायरिंग में एक भारतीय नागरिक को लगी गोली, कई घायल

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिले रक्सौल से सटे भारत-नेपाल सीमा के सिवान टोला में महावीर मेला के दौरान नेपाल पुलिस के द्वारा फायरिंग करने पर एक भारतीय नागरिक बुरी तरह घायल हो गया है। वही गोली के छर्रे से कई और ग्रामीण जख्मी भी हुए है। घायल नागरिक की पहचान सिवान टोला निवासी राजन पटेल के रूप में हुई है। जिसको पैर में गोली लगी है। जिसका इलाज रक्सौल डंकन हॉस्पिटल में चल रहा है। घटना के बाद स्थानीय नागरिको में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि नेपाल सीमा से सटे पंटोका पंचायत में छठ पूजा के 15वें दिन महावीरी मेला का आयोजन करने की परंपरा है,जिसमे दोनो देश के नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल होते है इस साल भी इस मेला का आयोजन नेपाल की ओर स्थित मंदिर के पास किया गया था।आयोजको द्वारा मेला रात्रि में नाच गान का भी आयोजन किया गया था।इसी दौरान रात्रि करीब 10 बजे नेपाल पुलिस द्वारा नाच बंद करने को कहा गया लेकिन ग्रामीणों ने उनसे अनुरोध किया कि दो घंटे के बाद बंद कर दिया जाएगा,लेकिन नेपाल पुलिस तत्काल नाच बंद करने को लेकर अड़ गये और फिर अतरिक्त पुलिस बल को बुला कर भीड़ पर लाठी चार्ज व फायरिंग कर दी गई, जिससे भगदड़ मच गई। ग्रामीणों ने बताया कि इस दौरान नेपाल पुलिस के द्वारा चार राउंड फायरिंग भी की गई। जिसमें राजन पटेल नामक एक युवक को पैर में गोली लगी है। जबकि अन्य कई लोग चोटिल हुए है। ग्रामीणों का आरोप है कि नेपाल पुलिस भारतीय सीमा में घुस लोगों को मारा व पीटा है। भारतीय सीमा के घर तक बंदूक के छर्रे लगे हुए है। वही इस घटना के बाद सिवान टोला के ग्रामीणों ने भारत-नेपाल सीमा को बांस से घेर पर आवाजाही को रोक कर नेपाल पुलिस का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन भी किया गया।फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है,और मौके पर भारतीय पुलिस और अधिकारी पहुंच कर छानबीन में जुटे है।

संपादकीया

जलवायु संकट के लिए मुख्य परू से विकसित देश जम्मिेदा

दुनिया भर में बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन को लेकर पिछले कई वर्ष से लगातार चिंता जताई जा रही है। अब इसकी वजहें स्पष्ट हैं। मगर मुश्किल यह है कि जब भी उन वजहों को दूर करने की बात आती है, तो विकसित देश अपनी भूमिका को कम करके पेश करते हैं और इसके हल के लिए उठाए जाने वाले कदमों को लागू करने की जिम्मेदारी विकासशील देशों पर थोप देते हैं। जबकि समूची धरती पर जलवायु संकट जिस स्तर तक गहरा हो चुका है, उसमें मुख्य रूप से विकसित देशों की जिम्मेदारी रही है। इसके बावजूद इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हर बैठक या सम्मेलन में तीसरी दुनिया के या विकासशील देशों ने समस्या के समाधान को लेकर अपेक्षित गंभीरता दिखाई है, उसमें अपनी ओर से हर संभव योगदान किया है। इसी को इंगित करते हुए प्रधानमंत्री ने विकास देशों को अपेक्षित जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी संबंधी हस्तांतरण सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस पर गौर किया जाना चाहिए कि इन देशों ने जलवायु संकट बढ़ाने में कोई योगदान नहीं किया है, इसके बावजूद वे इसके समाधान का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। दरअसल, सीओपी28 में भाग लेने दुबई गए प्रधानमंत्री ने एक तरह से जलवायु संकट पर विकासशील देशों के सामूहिक रुख को प्रतिनिधि स्वर दिया है। सच यह है कि बढ़ते तापमान और उसकी वजह से पैदा होने वाली पर्यावरणीय समस्या के पीछे विकसित देशों की ही भूमिका ज्यादा है। खासकर कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को लेकर दुनिया भर में विशेष उपायों को अपनाने या लागू करने पर जोर दिया जाता है। इस समस्या के बढ़ने में अपनी बहुत बड़ी जिम्मेदारी न होने के बावजूद कार्बन उत्सर्जन कम करने को लेकर जब भी कोई मानक तय किया गया, उस पर अमल के लिए विकासशील देशों ने अपनी ओर से हर संभव उपाय किए, सरोकार जताया, जबकि विकसित देशों ने अलग-अलग कारण बता कर इसमें भागीदारी निभाने को लेकर टालमटोल ही किया। कई बार ऐसे मौके आए जब विकासशील देशों को आर्थिक सहायता मुहैया कराने के मामले में पर्यावरण असंतुलन को कसौटी बनाया गया। इसे रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने भी कहा कि जलवायु वित्तपोषण पर प्रगति इस मसले पर जरूरी कार्रवाई पर बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप दिखनी चाहिए। यह किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन एक सामूहिक चुनौती है, जिससे निपटने के लिए एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। जहां तक भारत का सवाल है, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण, वनीकरण जैसे कई क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां इसकी प्रतिबद्धता का सबूत हैं। यह सब दरअसल जलवायु संकट या बढ़ते तापमान की समस्या को दूर करने के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य से उठाए गए कदम हैं। भारत के अलावा भी विकासशील देशों ने अपनी सीमा में इस मसले पर योगदान दिया है, ताकि इस वैश्विक चिंता से निपटने में मदद मिल सके। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि बढ़ते तापमान को एक सबसे बड़े संकट के रूप में पेश करने वाले विकसित देश अपने यहां कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने या कम करने को लेकर ईमानदार पहल क्यों नहीं करते। जरूरत इस बात की है कि जिन विकासशील देशों में इस समस्या के हल को लेकर अपेक्षित गंभीरता दर्शायी जा रही है, उन्हें वित्तीय सहायता मुहैया कराई जाए। मगर जलवायु संकट में कमी तब तक संभव नहीं है, जब तक विकसित देश इस दिशा में जरूरी इच्छाशक्ति के साथ काम न करें।

धरती पर जलवायु संकट जिस स्तर तक गहरा हो चुका है, उसमें मुख्य रूप से विकसित देशों की जिम्मेदारी रही है। इसके बावजूद इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हर बैठक या सम्मेलन में तीसरी दुनिया के या विकासशील देशों ने समस्या के समाधान को लेकर अपेक्षित गंभीरता दिखाई है, उसमें अपनी ओर से हर संभव योगदान किया है। इसी को इंगित करते हुए प्रधानमंत्री ने विकास देशों को अपेक्षित जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी संबंधी हस्तांतरण सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस पर गौर किया जाना चाहिए कि इन देशों ने जलवायु संकट बढ़ाने में कोई योगदान नहीं किया है, इसके बावजूद वे इसके समाधान का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। दरअसल, सीओपी28 में भाग लेने दुबई गए प्रधानमंत्री ने एक तरह से जलवायु संकट पर विकासशील देशों के सामूहिक रुख को प्रतिनिधि स्वर दिया है। सच यह है कि बढ़ते तापमान और उसकी वजह से पैदा होने वाली पर्यावरणीय समस्या के पीछे विकसित देशों की ही भूमिका ज्यादा है। खासकर कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को लेकर दुनिया भर में विशेष उपायों को अपनाने या लागू करने पर जोर दिया जाता है। इस समस्या के बढ़ने में अपनी बहुत बड़ी जिम्मेदारी न होने के बावजूद कार्बन उत्सर्जन कम करने को लेकर जब भी कोई मानक तय किया गया, उस पर अमल के लिए विकासशील देशों ने अपनी ओर से हर संभव उपाय किए, सरोकार जताया, जबकि विकसित देशों ने अलग-अलग कारण बता कर इसमें भागीदारी निभाने को लेकर टालमटोल ही किया।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में सेवा क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई वृद्धि दर ने जरूर निराश किया

आत्मनिर्भर बनने के लिए उठाये गये कदमों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाया है

प्रह्लाद सबनानी

इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है। इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टत: पड़ता हुआ दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में केवल 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है, जोकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 प्रतिशत की रही थी। भारत में कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पूरे विश्व में ही खाद्य उत्पादों की भारी कमी महसूस की जा रही है। भारत, इस स्थिति का लाभ उठा सकता है एवं पूरे विश्व को ही खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर सकता है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2023 के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के आंकड़े भारत सरकार द्वारा जारी कर दिए गए हैं। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर विभिन्न वित्तीय संस्थानों द्वारा लगाए गए अनुमानों से बहुत ऊपर रही है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों द्वारा दिए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत अधिक अर्थात यह वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत की रही है, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही में 6.2 प्रतिशत की रही थी। भारत में इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि की तुलना में अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में तिमाही के दौरान वृद्धि दर बहुत कम रही है। फिलिपींस में 5.9 प्रतिशत, रूस में 5.5 प्रतिशत, वियतनाम में 5.33 प्रतिशत, अमेरिका में 5.2 प्रतिशत, चीन में 4.9 प्रतिशत, मलेशिया में 3.3 प्रतिशत, थाईलैंड में 1.5 प्रतिशत, ब्रिटेन में 0.6 प्रतिशत, यूरो क्षेत्र में 0.1 प्रतिशत, जर्मनी में रिणात्मक 0.4 प्रतिशत एवं जापान में रिणात्मक 2.1 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई है।

इस प्रकार भारत पूरे विश्व में लगातार सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हर्ष का विषय तो यह है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर में मुख्य योगदान उद्योग क्षेत्र का रहा है। भारत के उद्योग क्षेत्र ने इस दौरान 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है, जोकि हाल ही के समय में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2022 के दौरान उद्योग क्षेत्र ने रिणात्मक 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी। उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत, विनिर्माण क्षेत्र ने 13.9 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान रिणात्मक 3.8 प्रतिशत थी। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र ने 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर, माइनिंग क्षेत्र ने 10 प्रतिशत, कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने 13.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है। इन समस्त क्षेत्रों में रिकार्ड वृद्धि दर से भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हुए हैं, जिसके चलते बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हुई है।

भारत में प्रत्येक वर्ष अक्टूबर-नवम्बर माह में दीपावली एवं अन्य कई महत्वपूर्ण त्यौहारों का मौसम रहता है। इन त्यौहारों के दौरान भारत के नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों की भारी मात्रा में खरीददारी की जाती है। ऐसा आभास है कि अकटोबर-नवम्बर में पड़ने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही में

ऑटोमोबाइल, फ्रिज, टीवी, मोबाइल फोन, आदि जैसे विभिन्न उत्पादों का भारी मात्रा में उत्पादन विनिर्माण इकाईयों द्वारा किया गया है। जिसके चलते इस तिमाही में विनिर्माण इकाईयों ने भारी भरकम 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। भारत में कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते इस क्षेत्र में आकर्षक 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर ली गई है। अक्टूबर 2023 माह में भी कोर क्षेत्र के उद्योगों ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है।

इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टतः पड़ता हुआ दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में केवल 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है, जोकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 प्रतिशत की रही थी। भारत में कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पूरे विश्व में ही खाद्य उत्पादों की भारी कमी महसूस की जा रही है। भारत, इस स्थिति का लाभ उठा सकता है एवं पूरे विश्व को ही खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर सकता है। रबी मौसम की बुआई का कार्य प्रगति पर है। यदि खाद्य पदार्थों की बुआई के क्षेत्रफल में भारी विस्तार किया जा सके तो खाद्य पदार्थों के उत्पादन में भारी वृद्धि की जा सकती है। आज पूरा विश्व ही खाद्य पदार्थों के लिए भारत की ओर टकटकी लगाए है एवं आशाभरी नजरों से भारत की ओर देख रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में सेवा क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई वृद्धि दर ने जरूर निराश किया है। इस दौरान सेवा क्षेत्र ने 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज की गई वृद्धि दर 9.4 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में हासिल की गई वृद्धि दर से आश्चर्य भी हुआ है क्योंकि विभिन्न बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में वृद्धि दर लगातार दहाई के आंकड़े पर बनी हुई है, होटल लगातार अपनी स्थापित क्षमता का भरपूर उपयोग करते हुए दिखाई दे रहे हैं, रेलवे एवं हवाई जहाज का उपयोग भी लगातार उच्चत्तम स्तर पर बना हुआ है। फिर भी, वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र ने 6 प्रतिशत एवं व्यापार एवं होटल क्षेत्र ने 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इसी प्रकार निजी क्षेत्र में अंतिम उपभोग में भी केवल 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। भारत को यदि शीघ्र ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना है तो भारत के निजी क्षेत्र के लिए अपने उपभोग में वृद्धि करना अब आवश्यक हो गया है।

यह तो सरकारी क्षेत्र के अंतिम उपभोग में भारी भरकम 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है, एवं केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में भारी भरकम वृद्धि रही है जिसके चलते देश में पूंजी निर्माण में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जो अंततः इस तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के पीछे मुख्य कारक बन गया है। आगे आने वाले समय में लोक सभा चुनावों को देखते हुए सम्भवतः केंद्र सरकार के अंतिम उपभोग में और अधिक वृद्धि होने की सम्भावना है एवं इस दौरान केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय भी अभी और तेजी से बढ़ेगा जिसके कारण वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय एवं चतुर्थ तिमाही में भी सकल घरेलू उत्पाद में आकर्षक वृद्धि दर रहने की भरपूर सम्भावना है। साथ ही, इस वर्ष नवम्बर 2023 माह में दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के चलते लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दर्ज हुआ है तथा देश में विभिन्न तीर्थ स्थलों पर भारी मात्रा में भारतीय नागरिक धार्मिक पर्यटन करते हुए दिखाई दे रहे हैं और आगे आने वाले माह में देश में शादियों के मौसम के चलते भी नागरिकों के खर्च में भारी भरकम वृद्धि होगी, इसका प्रभाव, तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पर भी देखने को मिलेगा। कुल मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति के पालन (धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाते भारतीय, विभिन्न भारतीय त्यौहारों को बड़े उत्साह से मनाते भारतीय) से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब द्वितीय तिमाही में भी 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। अब तो पूरा विश्व ही आश्चर्य कर रहा है भारत विभिन्न उत्पादों के लिए अपनी आंतरिक मांग के आधार पर अपने सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल कर रहा है एवं इस दृष्टि से भारत की विदेशी व्यापार पर निर्भरता बहुत ही कम है।

दृष्टि कोण

हम कहानी के बिना जी नहीं सकते...आख्यानों में अनंत काल से दोहराई जा रही हैं दास्तानें

किस्सागोई की जादुई दुनिया निराली है। बचपन में सुने बाबा-दादी या नाना-नानी के किस्से-कहानियां तो सभी की यादों में बसे होते हैं। आखिर क्या खास होता था, उन कहानियों में? दरअसल, उन कहानियों को सुनाने का अंदाज इतना दिलचस्प होता था, मानो दृश्य आखों के सामने चल रहे हों। ये किस्से ही बाद में यादों के स्टेशन बन जाते हैं, जो जिंदगी में सुकून ढूंढने वालों को पनाह देते हैं। ये कहानियां मनुष्य की शुरुआती सभ्यताओं से जुड़ी हैं। कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि भाषा की उत्पत्ति दो करोड़ साल से भी ज्यादा वक्त पहले हुई थी, जबकि लेखन का अस्तित्व करीब 3,200 ईसापूर्व का है। सदियों पुराने गुफा चित्र, प्राचीन चर्म पत्रों में उल्लिखित प्राचीनतम कहानी/कविताओं से विकसित होता हुआ साहित्य वर्तमान दौर में पहुंच गया है। तो इस सवाल का जवाब, कि हम कहानियां क्यों सुनते हैं, ये होगा कि क्योंकि हम इंसान हैं। हम कहानियां सुनाते हैं,

जिससे हम ज्यादा मानवीय बनते हैं। कहानी सुनाना उस प्राचीन बटन को दबाने जैसा होता है, जिससे हम उस प्राचीन मूल मनुष्य की तरह बनते हैं, जो कारणों और उद्देश्यों की तलाश करते हुए खुद की खोज करने वाला है। मनुष्य का मन चीजों को संबंध के आधार पर समझता है। मन में आया हुआ हर विचार मनुष्यता का हायपरलिंक होता है, जो हमें वास्तविकता का विश्लेषण करने की अनुमति देता है। कोई कहानी एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक की प्रगति है, जो इसमें शामिल तथ्यों व घटनाओं को समझाती है। आप अपनी पसंदीदा पुस्तक का कोई पृष्ठ एकाएक खोलें और जो पहला वाक्य आपको दिखे, उस पर गौर करें। आप तुरंत समझ जाएंगे कि आप कहानी के किस बिंदु पर हैं, कौन-सी घटनाएं घट चुकी हैं और कहानी कहां खत्म होगी। इसी तरह संपूर्ण अस्तित्व को एक ही बिंदु में समाहित किया जा सकता है। यह पूरा ब्रह्मांड एक कहानी है, जो शुरू से अंत तक एक ही समय में मौजूद है। आप जिस पल का अनुभव कर रहे हैं, वह पृष्ठ खुल चुका है। हर बिंदु में पूरी कहानी समाहित है। हम सभी एक ही कहानी के हिस्से हैं। इससे कहानियों की गहरी प्रकृति का पता चलता है। कहानियां सुनाना वास्तविकता से बाहर आभासी दुनिया बनाने के लिए कल्पना का उपयोग करने की एक महत्वपूर्ण और अद्वितीय मानवीय क्षमता है। अभी तक इस बात का सबूत नहीं है कि पृथ्वी पर किसी अन्य प्रजाति के पास यह शक्ति है। कहानियों द्वारा बनाई गई आभासी दुनिया विचारों की प्रयोगशाला की तरह होती है, जिसमें प्रकृति विभिन्न चरम स्थितियों में काम कर सकती है। जब कई लोग एक कहानी सुन रहे होते हैं, तो वे एक साथ एक आभासी ब्रह्मांड में प्रवेश करते हैं। जब तक लोग सांस लेंगे, बोलेंगे, लिखेंगे तब तक, कहानियां सुनाएंगे। कहानियां तब से मौजूद हैं, जब मनुष्य के पास उन्हें सुनाने की क्षमता भी नहीं थी। आदिम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी की जटिलताओं और उनके बीच भावनाओं के आदान-प्रदान ने कहानियों का निर्माण किया होगा। जब मनुष्यों ने बातचीत करना और सामाजिक संबंध बनाना शुरू कर दिया, तब कहानियों में जीवंतता आती गई और ये मनोरंजन और शिक्षा देने के उद्देश्यों को भी पूरा करने लगीं। मनुष्य सभ्यता के हर अंग में कहानियां उसकी सबसे भरोसेमंद साथी बनती आई हैं। बच्चों को जो कहानियां सुनाई जाती हैं, उनमें परिवार, पड़ोसी, खेत, पुस्तकें, न्याय, संस्कार, विश्वास, अच्छाई, बुराई, बुद्धि, अज्ञान, प्रकृति इत्यादि विषय हमेशा से मौजूद रहे हैं।

कुछ अलग

भारत ने चुना सही रास्ता

अमेरिका की एक अदालत में वहां अधिकारियों ने यह आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है कि एक भारतीय व्यक्ति ने किसी अज्ञात भारतीय अधिकारी के कहने पर उसके नागरिक की हत्या की साजिश रची। वाइट हाउस का कहना है कि इस मामले को शीर्ष स्तर पर भारत के सामने उठाया गया है। हालांकि भारत ने अमेरिका के ऐसे किसी सार्वजनिक आग्रह के काफी पहले ही इसकी जांच के लिए हाई लेवल कमिटी गठित कर दी थी। इस नागरिक को प्रेरित करने के पीछे अमेरिका किसी अज्ञात भारतीय अधिकारी का रोल बता रहा है। लेकिन वह अधिकारी कौन है, इस बारे में मुकदमे में किसी का नाम नहीं है। यूं तो अमेरिकी नागरिक का भी नाम नहीं दिया गया है, लेकिन यह संकेत मिला है कि इशारा खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर है। पन्नू भारत में घोषित आतंकवादी है और वह लगातार भारत विरोधी बयान देता आया है। इस मामले में भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका ने जो आरोप लगाया है, वह भारत की नीति नहीं है। मगर जिस तरह से यह मामला सामने आया है, वह अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। अपने आरोपों में अमेरिका ने भी माना है कि यह साजिश उन लोगों के खिलाफ रची गई थी, जो खालिस्तान समर्थक हैं। ऐसे में अमेरिका को यह समझना चाहिए कि भारत विरोधी इन तत्वों को संरक्षण देना ठीक नहीं है। वह भारत को स्वाभाविक सहयोगी मानता है। हाल के वर्षों में चीन के उभार को रोकने के लिए दोनों देश और करीब आए हैं। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर लोकतंत्र है तो भारत सबसे बड़ा। अगर कोई शख्स खालिस्तान का समर्थन कर रहा है तो वह भारतीय लोकतंत्र के खिलाफ है। दूसरी बात यह है कि दूसरे देशों के नागरिकों की हत्या हो या तख्तापलट, इस मामले में अमेरिका का अपना रेकॉर्ड अच्छा नहीं है। उसने खालिस्तानी निज्जर के मामले में जिस तरह से कनाडा की तरफदारी की थी, वह भी मुनासिब नहीं थी। खासतौर पर यह देखते हुए कि भारत विरोधी तत्वों को वहां संरक्षण मिल रहा था। खैर, अमेरिका और भारत ताजा मामले में जिस तरह से सहयोग कर रहे हैं, वह परिपक्वता का सबूत है। वहीं, भारत ने इस मामले की जांच शुरू कर अच्छा कदम उठाया है। बेहतर होगा कि यह जांच जल्द पूरी की जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। सवाल यह भी उठता है कि कहीं यह सब भारत और अमेरिका के संबंधों में दरार डालने की साजिश तो नहीं है।

देश दुनीया से

क्लास रूम तक ड्रग्स की दस्तक, शिक्षण संस्थाएं फिर भी चुप?

कॉलेजों के भीतर छिटपुट घटनाएं पूर्व में भी बहुतेरी हुई जिसे कॉलेज प्रशासन द्वारा दबाया गया। कई बार क्लास रूम में छात्रों ने नशे में साथी क्लासमेट के साथ खूनी वारदात को भी अंजाम दिया, फिर भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। इस पूरे खेल की जानकारियां शिक्षा संस्थाओं के टॉप मैनेजमेंट को बहुत पहले से थी। लेकिन, बदनामी का डर कहें, या शिक्षा की दुकानें बंद होने भय? इन दोनों के डर के चलते सच्चाई पर पर्दा डाला जाता रहा। स्थानीय पुलिस-प्रशासन के बड़े ओहदेदार अफसर इस बात को स्वीकारते हैं कि उन्हें पूरे तंत्र की जानकारियां मौखिक रूप से तो थी, लेकिन, ठोस सबूत और मुकम्मल सूचनाएं नहीं होने से कार्रवाई से वंचित थे।

ड्रग्स तस्करी में छात्रों की गिरफ्तारी ने 'शिक्षा मंदिरों' की विश्वसनीयता पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं। एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न नामी शिक्षण संस्थाओं में फैला 'ड्रग्स का सिंडिकेट खेल, कोई आज का नहीं, बहुत पहले का है। कॉलेजों के भीतर छिटपुट घटनाएं पूर्व में भी बहुतेरी हुई जिसे कॉलेज प्रशासन द्वारा दबाया गया। कई बार क्लास रूम में छात्रों ने नशे में साथी क्लासमेट के साथ खूनी वारदात को भी अंजाम दिया, फिर भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। इस पूरे खेल की जानकारियां शिक्षा संस्थाओं के टॉप मैनेजमेंट को बहुत पहले से थी। लेकिन, बदनामी का डर कहें, या शिक्षा की दुकानें बंद होने भय? इन दोनों के डर के चलते सच्चाई पर पर्दा डाला जाता रहा। स्थानीय पुलिस-प्रशासन के बड़े ओहदेदार अफसर इस बात को स्वीकारते हैं कि उन्हें पूरे तंत्र की जानकारियां मौखिक रूप से तो थी, लेकिन, ठोस सबूत और मुकम्मल सूचनाएं नहीं होने से कार्रवाई से वंचित थे। पर, बीते सोमवार यानी 27 नवंबर का दिन शायद मुकर्रर था जिसके बाद पूरा तंत्र एक्सपोज हुआ। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कई ड्रग्स तस्करों के एक साथ नोएडा में दबोचा। लेकिन ये कार्रवाई अचंभित करने वाली रही। पुलिस भी दंग रह गई, जो तस्कर दबोचे गए इनमें ज्यादातर नोएडा के नामी शिक्षण संस्थानों के छात्र हैं। पूछताछ हुई तो प्रशासन के होश ही उड़ गए। आरोपी छात्रों ने कबूला कि वो एक नहीं, बल्कि नोएडा के तकरीबन सभी प्रसिद्ध कॉलेजों में ड्रग्स की सप्लाई सालों से करते आए हैं। इस खेल में छात्र ही नहीं, हर क्षेत्र के लोग संलिप्त बताए जाते हैं। छात्र ड्रग्स की सप्लाई स्नैपचैट, टेलीग्राम, व्हाट्स ऐप व छोटा पार्सल के जरिए करते थे। उन्हें नशीला पदार्थ देता कौन था? उपलब्ध कहां से और कौन करवाता था? इसका भी उन्होंने खुलासा करके कइयों को नंगा कर दिया। सफेदपोश से लेकर इस खेल के तार विदेशों तक जुड़े हैं। जो गिरोह फिलहाल पकड़ा गया है उसका मुखिया मियां-बीवी बताए गए हैं। पति नोएडा में ही रहता है और उसकी बीवी विदेश में रहकर समुद्र के जरिए नोएडा में ड्रग्स भिजवाती थी। छात्र इस तंत्र में कैसे फंसे, इसका भी खुलासा हुआ है। दरअसल, ड्रग्स तस्कर अच्छे से जानते हैं कि छात्रों को लालच देकर आसानी से फंसाया जा सकता है। सबसे पहले उन्हें इसका सेवन करवाते थे। फिर ज्यादा कमाने की लालच देते थे। कॉलेजों के अलावा छात्र नोएडा में कई सफेदपोशों, व्यापारियों, अधिकारियों आदि को भी उनकी डिमांड पर ड्रग्स मुहैया करवाते थे। ड्रग सिंडिकेट के इस तंत्र के एक्सपोज होने के बाद पेरेंट्स को होशियार होना होगा? अभिभावक अपने सपनों को सच करने के लिए अपनी कमाई का सारा हिस्सा पेट काटकर अपने बच्चों को नामी शिक्षण संस्थाओं में भेजते हैं। लेकिन उन्हें क्या पता, उनका बच्चा वहां पढ़ाई करता है या फिर कुछ और? नशा एक ऐसा चस्का है जो एक बार चख ले, फिर आसानी से नहीं छोड़ता। प्रत्यक्ष रूप से शिक्षण संस्थाओं को दोष इसलिए नहीं दे सकते, क्योंकि उन्हें तो शिक्षा के नाम से व्यापार करना होता है? उनके यहां आपका बच्चा नहीं पढ़ेगा, तो किसी दूसरे का पढ़ेगा? यहां जरूरी ये हो जाता है कि शिक्षण संस्थाओं के अलावा अभिभावकों को भी अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ बाकी अन्य गतिविधियों पर बराबर नजर बनाए रखनी की आवश्यकता है। कुछ प्वाइंटों पर अभिभावकों को सतर्क होना पड़ेगा। जैसे, अगर बच्चों के हाथों में महंगे फोन्स, मार्डन इलेक्ट्रानिक्स गैजेट्स, पार्टी-फंक्शन में जाने वाले महंगे से महंगे कपड़े जब देखें, तो तंरत सावधान हो जाएं और बिना देर किए उनसे सवाल करके पूछना चाहिए कि ये सब कहां से आए? नामी शिक्षण संस्थाएं बेशक छात्रों को अपने यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध क्यों न करवाते हो? बावजूद इसके अभिभावकों को समय निकालकर बच्चों के हॉस्टल जाकर उनकी तमाम गतिविधियों और सामानों की निगरानी करनी चाहिए। जरा भी शक हो, कॉलेज प्रबंधन को अवगत कराएं और हो सके तो मनोचिकित्सकों से अपने बच्चों की काउंसिलिंग भी करवाएं। नोएडा ड्रग्स तस्करी में जितने भी छात्र धरे गए हैं, अधिकांश गरीब और बेहद सामान्य घरों से ताल्लुक रखते हैं। पर, उनके शौक, महंगी गाड़ियां, फैशनेबल कपड़े, बड़े होटलों में रोजाना करते पार्टियों को देखकर कोई भी नहीं कह सकता था, ये मध्यम परिवारों के बच्चे हैं। मादक तस्करी में कूदे सभी छात्र जल्दी और ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना चाहते थे। आधुनिकता की चकाचौंध ने यूनिवर्सिटीज के छात्रों को फैशन, टशन, हीरो जैसे दिखने और सहपाठियों से बेहतर करने की लालसा भरी प्रवृति ने जकड़ लिया है। ऐ ऐसे कुछ कारण हैं जिसके चलते छात्र नशे के आदी होते जा रहे हैं। दरकार यही है कि समय रहते छात्रों को इन आफतों से बचाया जाए। उन्हें ऐसे चक्रव्यूहों से निकालने की जिम्मेदारी सिर्फ कॉलेज प्रबंधकों पर नहीं होनी चाहिए, बल्कि अभिभावकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। नोएडा की धरपकड़ में जो सरगना पकड़ा गया है, वो स्नातक पास छात्र है, जो शुरू से नशे का आदी रहा।

आप का नजरीया

हिंसक होते बच्चे, सामाजिक सजगता से ही संभव है इस प्रवृत्ति पर अंकुश

एक निजी स्कूल में चौथी कक्षा के एक छात्र पर उसके ही तीन सहपाठियों ने ज्योमेट्री कंपास से 108 बार हमला कर घायल कर दिया। इस घटना में शामिल सभी बच्चे 10 वर्ष से कम उम्र के बताए जा रहे हैं। इस घटना से मुझे कुछ समय पहले की वह बात याद आ गई, जब मेरा 10 वर्षीय चचेरा भाई बगल में बैठा ऑनलाइन गेम खेल रहा था, जिसमें उसे जीतने के लिए अपने दुश्मनों को मारना था। मैं उसकी खुशी देख सकता था, जो उसे गेम में अपने दुश्मनों को मारने से मिल रही थी। मुझे आश्चर्य हो रहा था कि गेम जीतने की खुशी का प्रतिद्वंद्वी को मारने से कितना गहरा संबंध है! जब इतनी कम उम्र में बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति देखने को मिली हो। बीते मई में भी तीन बच्चों ने मिलकर अपने एक 12 वर्षीय दोस्त की हत्या कर दी थी। आए दिन ऐसी खबरों से हमारा सामना होता रहता है, जिसमें कम उम्र के बच्चे या किशोर हिंसक घटनाओं को अंजाम देते दिखते हैं। यह हिंसा केवल ऑफलाइन माध्यमों तक ही सीमित नहीं है। ऑस्ट्रेलिया की ई-सेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने बताया कि उन्हें अगस्त में बच्चों द्वारा अपने साथियों को धमकाने के लिए उनकी यौन छवियां बनाने की पहली शिकायत मिली थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दो से 17 वर्ष की उम्र के एक अरब बच्चे एक ही वर्ष में शारीरिक, यौन या भावनात्मक हिंसा या उपेक्षा का अनुभव करते हैं। महात्मा गांधी ने कहा था, 'अहिंसा ताकतवर लोगों का हथियार है', लेकिन वास्तव में स्कूलों में हिंसा बच्चों में घरों से बाहर अधिकार की भावना पैदा कर रही है। बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति कहां से आती है, उन कारकों पर विचार करना बेहद आवश्यक है। पहला है, सामाजिक वातावरण, यानी जहां बच्चे का पालन-पोषण होता है, वह उनके व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। घर, समाज या मीडिया में हिंसा देखकर उनके व्यवहार में उसी तरह की धारणाएं आकार लेती हैं। दूसरा, बच्चे अंतर्निहित मनोवैज्ञानिक विषयों या पिछले दर्दनाक अनुभवों के कारण भी हिंसक प्रवृत्ति प्रदर्शित कर सकते हैं। कुछ बच्चे अपने भावनात्मक दर्द को कम करने के तरीके के रूप में भी हिंसा का सहारा लेते हैं। तीसरा, बच्चे अपने साथियों के आक्रामक व्यवहार की नकल करते हैं। शक्तिशाली होने या माने जाने की इच्छा उन्हें हिंसक कार्यों की ओर प्रेरित कर सकती है। चौथा, कभी-कभी बच्चों की पूरी न हुई जरूरतें भी उन्हें हिंसा की ओर धकेल सकती हैं। पांचवां, प्रौद्योगिकी के विकास के साथ साइबर बुलिंग और हिंसक ऑनलाइन गेमों का जोखिम तेजी से बढ़ रहा है। हिंसक ऑनलाइन गेम छात्रों को हिंसा के रूप में अपनी आक्रामक ऊर्जा को व्यक्त करने का मौका देते हैं। इससे उन पर स्थायी मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकता है। छठा, बच्चे के जीवन में सकारात्मक रोल मॉडल या सलाहकारों की अनुपस्थिति भी बच्चे को गलत संगति की ओर मोड़कर हिंसक बना सकती है।

सुरक्षित देशों की सूची में भारत को शामिल करने पर संसदीय समिति के सवाल, अवैध शरण नहीं ले सकेंगे भारतीय

लंदन ।
ब्रिटेन की संसद के ऊपरी सदन (हाउस ऑफ लॉर्ड्स) की एक समिति ने विस्तारित सुरक्षित देशों की सूची में भारत को शामिल किए जाने पर चिंता जताई है। इसके साथ ही अब अवैध रूप से देश में प्रवेश में करने वाले भारतीय शरण नहीं पा सकेंगे। यह समिति संसद में पेश किए गए मसौदों या विधेयकों को परखती है।

हाउस ऑफ लॉर्ड्स की बहुदलीय सेंकंडरी लेजिस्लेशन स्क्रूटनी कमेटी ने राष्ट्रीयतता, आव्रजन और शरण अधिनियम 2002 (सुरक्षित देशों की सूची में संशोधन) विनियम 2024 के मसौदे पर विचार किया। समिति ने जारी एक रिपोर्ट में निराधार मानवाधिकार उल्लंघन के दावों से निपटने के मकसद से बनाई गई नीति पर सवाल उठाया और उसमें अहम सूचना की कमी होने का आरोप लगाया।

पूर्व गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने इस महीने की शुरुआत में हाउस ऑफ कॉमन्स में मसौदा नियमों को पेश किया था, जिसमें उन्होंने सख्ती से आकलन किया था कि भारत और जॉर्जिया को सूची में शामिल किए जाने के लिए सुरक्षित राज्य माना जाता है।

समिति में शामिल लिबरल डेमोक्रेट सहयोगी बैरोनेस एंजेला हैरिस ने कहा, भारत और जॉर्जिया सुरक्षित देश हैं या नहीं, यह उनके मानवाधिकार रिकॉर्ड के आधार पर अलग-अलग दृष्टिकोण की गुंजाइश रखते हैं।

उन्होंने कहा, गृह मंत्रालय ने इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं दी है कि क्या इन देशों के नागरिकों से मौजूदा शरण दावों के बैकलॉग को पहले की तरह संसाधित किया जाएगा या पहले की तरह अमान्य माना जाएगा। कुल मिलाकर हमने पाया कि मसौदा विनियमों के साथ रखी गई व्याख्यात्मक सामग्री इस बात की स्पष्ट तस्वीर प्रदान नहीं करती है कि उन्हें व्यवहार में कैसे लागू किया जाएगा।

समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि उसे मिली जानकारी से पता चलता है कि भारत और जॉर्जिया दोनों में मानवाधिकारों का हनन व्यापक हो सकता है। ब्रेवरमैन की बर्खास्तगी के बाद से ब्रिटेन के मौजूदा गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली से पूछताछ करने की आवश्यकता हो सकती है कि गृह कार्यालय दोनों देशों को विस्तारित सूची में जोड़ने के निष्कर्ष पर कैसे पहुंचा।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल हमास के बीच फिर से युद्धविराम कराने की कोशिशें तेज, फ्रांस के राष्ट्रपति कतर रवाना

दुबई । इजराइल और हमास के बीच एक और युद्धविराम कराने की कोशिशें तेज हो गई हैं। फ्रांस के राष्टपति इमैनुएल मैक्रां ने कहा कि वह गाजा में फिर से हिंसा शुरू होने को लेकर चिंतित हैं। मैक्रां ने ये भी कहा कि वह कतर जा रहे हैं ताकि इजराइल हमास के बीच एक और युद्धविराम कराया जा सके। बता दें कि इजराइल हमास के बीच हुआ युद्धविराम खत्म हो गया, जिसके बाद हिंसा का दौर फिर शुरू हो गया है। फ्रांसीसी राष्टपति इमैनुएल मैक्रां कॉप 28 सम्मेलन में हिस्सा लेने दुबई पहुंचे हुए थे। इस दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने इजराइल और हमास के बीच एक और युद्धविराम कराने की कोशिशें शुरू करने की बात कही। मैक्रां ने कहा कि %हम उस स्थिति में आ गए हैं, जब इजराइल की सरकार को बेहद सटीकता से अपने उद्देश्य तय करने की जरूरत है। हमास का पूरी तरह से सफाया क्या हो सकता है अगर ऐसा होगा तो इसमें 10 साल तक लग सकते हैं। मैक्रां ने कहा कि इजराइल में फलस्तीनी लोगों की जिंदगी की कीमत पर शांति नहीं आ सकती। इसे लेकर स्पष्टवादी होने की जरूरत है। फ्रांसीसी राष्टपति के बयान पर इजराइली पीएम के सलाहकार मार्क रीगव ने कहा कि इजराइल भी नहीं चाहता कि लड़ाई होने पर गोलीबारी में गाजा में आम नागरिकों की मौत हो। इजराइल हमास को निशाना बना रहा है, जिसने मासूम नागरिकों का नरसंहार किया। इजराइल गाजा में आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी कोशिश कर रहा है। बता दें कि इजराइल हमास के बीच हुए पहला युद्धविराम 24 नवंबर से शुरू होकर करीब एक हफ्ते तक चला। इस दौरान दोनों तरफ से बंधकों को रिहा किया गया। यह युद्धविराम खत्म हो गया, जिसके बाद फिर से हिंसा का दौर शुरू हो गया है, जिस पर दुनियाभर के देशों ने चिंता जाहिर की है।

गाजा की स्थिति से परेशान शख्स ने पेरिस के एफिल टावर के पास पर्यटकों पर किया हमला, एक की मौत और दो घायल

पेरिस । पेरिस में एफिल टावर के पास एक शख्स ने पर्यटकों पर हमला कर दिया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत और दो अन्य घायल हो गए। गृह मंत्री गेराल्ड डारमैनिन ने बताया कि पुलिस ने 26 वर्षीय फ्रांसीसी नागरिक को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध को एक अन्य हमले की योजना बनाने के लिए 2016 में चार साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। डारमैनिन ने कहा कि संदिग्ध को फ्रांसीसी सुरक्षा सेवाओं की निगरानी सूची में रखा गया था और वह मानसिक बीमारियां से भी जूझ रहा हैं। यह हमला अंतरराष्टीय समयानुसार करीब सात बजे हुआ जब व्यक्ति ने एफिल टावर से कुछ फुट की दूरी पर क्वाई डी ग्रेनेल पर एक पर्यटक दंपति पर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें एक जर्मन नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसका पीछा किया और गिरफ्तार होने से पहले उसने दो अन्य लोगों पर हथौड़े से हमला कर घायल कर दिया। डारमानिन ने बताया कि संदिग्ध अल्लाहु अकबर के नारे लगा रहा था। उसने पुलिस को बताया कि वह परेशान था क्योंकि अफगानिस्तान और फलस्तीन में इतने सारे मुसलमान मर रहे हैं। गाजा की स्थिति को लेकर भी परेशान था।

दक्षिणी फिलीपींस में 7.6 की तीव्रता का भूकंप, अधिकारियों ने वापस ली सुनामी की चेतावनी

मनीला । दक्षिणी फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.4 दर्ज की गई। वहां के राष्टीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इस बारे में जानकारी दी है। केंद्र ने बताया कि भूकंप के झटके भारतीय समयानुसार करीब आठ बजे महसूस किए गए। इसी के साथ अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी भी जारी की थी। इस वजह से आधी रात में ग्रामीणों को अपने घरों से भागना पड़ा। हालांकि, बाद में अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी वापस ले ली। वहीं, चेतावनी केंद्र ने भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि भूकंप की तीव्रता के आधार पर दक्षिणी फिलीपींस और इंडोनेशिया, पलाऊ और मलेशिया के कुछ हिस्सों में सुनामी लहरें आने की आशंका है। फिलीपीन की सरकारी एजेंसी ने मिंडानाओ के पूर्वी तट पर सुरिगाओ डेल सुर और दावाओ ओरिएंटल प्रांतों के निवासियों को तुरंत ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी है। अमेरिकी भौगोलिक सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 7.6 और गहराई 32 किमी (20 मील) बताई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने दक्षिणी फिलीपींस, इंडोनेशिया, पलाऊ और मलेशिया के कई हिस्सों में सुनामी की लहरों की आशंका जताई थी।

कमला हैरिस ने फलस्तीनियों की मौत पर जताई चिंता

गाजा में निर्दोषों की रक्षा के लिए इजराइल को दी यह सलाह

यरुशलम ।

इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम के बाद फिर से युद्ध शुरू हो गया है। युद्ध में अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। एक बार फिर युद्ध शुरू होने के कारण अमेरिका ने चिंता जाहिर की है। अमेरिका का कहना है कि युद्ध में बहुत सारे फलस्तीनी लोगों की मौत हो चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का सम्मान किया जाना चाहिए

अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस दुबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने युद्ध के मुद्दे पर गहराई से बात की। उन्होंने कहा कि इजराइल अपनी रक्षा कैसे करता है, यह मायने रखता है। संयुक्त राज्य अमेरिका का रुख स्पष्ट है। हमारा मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का सम्मान किया जाना चाहिए। निर्दोष फलस्तीनी लोग मारे जा रहे हैं। नागरिकों की पीड़ा का स्तर और गाजा से आने वाली तस्वीरें विनाशकारी हैं। यह दिल तोड़ने वाला है। हमारा मानना है कि इजराइल को निर्दोष लोगों की रक्षा के लिए और अधिक प्रयास करना चाहिए।

गाजा और फलस्तीनी लोगों के लिए पांच सिद्धांत

हैरिस ने आगे कहा कि मैं और राष्ट्रपति जो बाइडन पहले से ही अपनी सुरक्षा टीम के साथ चर्चा कर रहे हैं। हम गाजा और वेस्टबैंक के लिए भविष्य का रास्ता तलाश रहे हैं कि आगे क्या होगा। वर्तमान में गाजा और फलस्तीनी लोगों के लिए पांच सिद्धांत हैं, जिनसे उनकी रक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

सिद्धांत निम्नलिखित हैं

- फिलिस्तीनी लोगों का कोई जबरन विस्थापन न हो।
- गाजा पर कोई भी दोबारा कब्जा न करे।
- इलाकों की घेराबंदी या नाकाबंदी न हो।
- क्षेत्र में किसी चीज की कमी न हो।
- आतंकवाद के मंच के रूप में गाजा का उपयोग नहीं किया जाए।

- हमास गाजा को नियंत्रित न करे और इजराइल सुरक्षित रहे

अमेरिकी उप राष्ट्रपति ने मीडिया को बताया कि मैंने दुबई में कई नेताओं के साथ बात की है, जिसमें पीए की शासन संरचना को पुनर्जीवित करना, गाजा में बुनियादी ढांचे का निर्माण और फलस्तीनी प्रधिकरण की सुरक्षा सेवाओं को मजबूत करना शामिल है। जब यह संघर्ष समाप्त हो, तब हमें सुनिश्चित करना होगा कि हमास गाजा को नियंत्रित न करे। इजराइल सुरक्षित रहे। हमें गाजा को समृद्ध करने के लिए काम करना चाहिए।

कतर से इजराइल ने बुला लिए अधिकारी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बताया कि हमास के साथ उनकी बातचीत गतिरोध पर पहुंचने के बाद कतर से अपनी वार्ताकारों की टीम को वापस बुला लिया गया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निर्देशों के बाद मोसाद निदेशक डेविड बार्निया ने दोहा से अपनी टीम को इजराइल लौटने का निर्देश दिया। पीएमओ ने एक बयान में बताया कि आतंकी संगठन हमास ने समझौते के अपने हिस्से को कायम नहीं रखा।

हमास के पूर्ण विनाश में एक दशक का युद्ध लगेगाः फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रॉन

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि हमास का पूर्ण विनाश करने में करीब 10 साल लग जाएंगे। इजराइल को युद्ध में अपने अंतिम लक्ष्य को परिभाषित करने की आवश्यकता है। यह वह समय है, जब इजराइली अधिकारियों को अपना अंतिम लक्ष्य सटीक तरह से बताएं, जिसके लिए वह लगातार प्रयास कर रहे हैं। हमास के साथ युद्ध तो 10 साल तक चलेगा। मैक्रों ने कहा कि स्थायी युद्धविराम की आवश्यकता है।

मारावी के एक यूनिवर्सिटी में विस्फोट, तीन लोगों की मौत और नौ अन्य घायल

मनीला । फिलीपींस से एक बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि यहां के एक विश्वविद्यालय में विस्फोट होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, नौ लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। बता दें, मारावी शहर में मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी में एक कैथोलिक प्रार्थना के दौरान विस्फोट हुआ। लानाओ डेल सुर प्रांत के गवर्नर मामिन्तल अलंटो अडियोंग जूनियर ने हमले की निंदा की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शैक्षिक संस्थानों पर आतंकवादी हमलों की भी निंदा की जानी चाहिए क्योंकि ये ऐसे स्थान हैं, जो शांति की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और हमारे युवाओं को इस देश के भविष्य के निर्माता के रूप में ढालते हैं। वहीं, मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी का कहना है कि एक धार्मिक सभा के दौरान हुई हिंसा की घटना से विश्वविद्यालय बहुत दुखी और स्तब्ध है। उन्होंने भयावह कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की। एक गवाह ने कहा कि उसने एक जोरदार विस्फोट सुना था। बाद में पुलिस और एंबुलेंस को इकट्ठे होते देखा तो समझ आया कि कुछ तो हुआ है।

बाइडन के खिलाफ महाभियोग जांच के लिए अमेरिकी सदन में जल्द होगा मतदान! बढ़ सकती हैं मुश्किलें

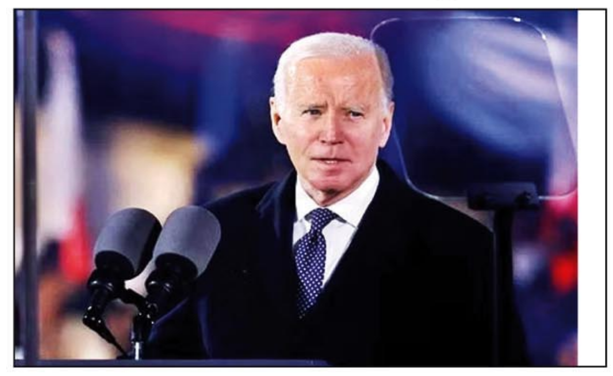

वाशिंगटन ।

आने वाले समय में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की मुसीबते बढ़ सकती हैं। इसके संकेत अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने दिए हैं। उन्होंने कहा है कि रिपब्लिकन जो बाइडन के खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने के लिए जल्द ही औपचारिक मतदान कर सकते हैं। बता दें कि अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के पूर्व स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने सितंबर में जो बाइडन के खिलाफ जांच शुरू की थी, जिसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि रिपब्लिकन पार्टी जो बाइडन के खिलाफ महाभियोग ला सकती है। वहीं, बाइडन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है। अमेरिकी सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने संकेत दिया कि रिपब्लिकन जो बिडेन के खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने के लिए औपचारिक मतदान करने के करीब हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो हमें इस समय करना होगा। जीओपी सम्मेलन अध्यक्ष एलिस स्टेफनिक के साथ मौजूद माइक जॉनसन ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस जांच को अधिकृत करने के लिए पर्याप्त वोट थे। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस से जानकारी प्राप्त करने के लिए उठाया जाने वाला यह आवश्यक कदम था। माइक जॉनसन ने कहा कि एलिस और मैंनें दोनों ने डोनाल्ड ट्रम्प की महाभियोग रक्षा टीम में दो बार काम किया है। जब डेमोक्रेट्स ने इसका इस्तेमाल पक्षपातपूर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया था। ये बहुत अलग है। बता दें कि केविन मैक्कार्थी ने आरोप लगाया है कि रिपब्लिकन पार्टी ने राष्ट्रपति बाइडन के खिलाफ कई गंभीर और विश्वसनीय आरोपों का खुलासा किया है। जिसकी जांच चल रही है। आरोप जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन के बेटे के विदेशी व्यापार को लेकर लगे हैं। हालांकि अभी तक जांच का दायरा साफ नहीं है। वहीं राष्ट्रपति बाइडन ने आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि उन्होंने कभी भी हंटर बाइडन के व्यापार साझेदारों के साथ व्यापार को लेकर बात नहीं की। सितंबर 2023 में जब जब बाइडन से इस बारे में सवाल किया गया था तब बाइडन ने कहा था कि कट्टरपंथी रिपब्लिन पार्टी के नेता उनके खिलाफ महाभियोग चलाना चाहते हैं और सरकार को बंद करना चाहते हैं।

कॉप 28 में पर्यावरण को बचाने का एक्शन प्लान रखेगा सिखों का संगठन, 850 पवित्र जंगलों का किया पौधरोपण

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के एक सिख पर्यावरण संगठन ने लुधियाना में 850 पवित्र वन लगाने का काम पूरा कर लिया है। वह दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप 28) में इसकी प्रगति और कार्य योजना सबके सामने रखेगा।

सहयोग करने की करेंगे अपील

सिख संगठन इकोसिख के वैश्विक अध्यक्ष राजवंत सिंह जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पवित्र वन पहल का कॉप 28 में प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा वह सहयोग के लिए सरकारी समूहों से अपील करेंगे। बता दें, राजवंत सिंह को कॉप 28 के सीईओ अदनान जेड अमीन ने अर्बन विजडम नामक एक पैनल को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया है।

140 से अधिक राज्य प्रमुखों की मेजबानी करने की उम्मीद

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक की जयंती पर इकोसिख ने लुधियाना के केंद्र में 1,313 पेड़ों वाला 850 पवित्र वनक्षेत्र विकसित किया है। गौरतलब है, कॉप 28 दुबई में हो रहा है। यह इस साल के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण सम्मेलन में से एक है। कयास लगाए जा रहे हैं कि 60-80 हजार प्रतिनिधि इसमें भाग लेंगे।

इसके अलावा 140 से अधिक राज्य प्रमुखों की मेजबानी करने की उम्मीद है। इस सम्मेलन में ही इकोसिख अपनी प्रगति और कार्य योजना पेश करेगा।

बदलती जलवायु को रोकने की जरूरत

राजवंत सिंह ने कहा, हम सभी को तापमान के बदलते स्वरूप को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। हम इस बात का इंतजार नहीं कर सकते कि कोई संस्था या सरकार आपदाओं का समाधान ढूंढे। कई लोग अपनी भूमि खो रहे हैं। ऐसे में हम शांति से बैठकर तबाही होते नहीं देख सकते।

उत्तरी इजराइल में हिजबुल्लाह का हमला जारी, सीरिया के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बना रही आईडीएफ

यरूशलम ।

इजराइल सुरक्षा बल ने इजराइल और हमास के बीच सात दिन के संघर्ष विराम के समाप्त होने के बाद दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है। हालांकि, हिजबुल्लाह इस संघर्ष विराम में शामिल नहीं था, लेकिन पिछले हफ्ते उसने अपने हमले रोक दिए थे, इस वजह से इजराइल को भी अपनी सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ी। लेकिन गाजा में संघर्ष विराम समाप्त होने के बाद एक बार फिर इजराइल के उत्तरी क्षेत्रों में हमले तेज हो गए।

उत्तरी इजराइल में हिजबुल्लाह का हमला जारी

लेबनान की तरफ से दो मोर्टर शोमेरा में दागे गए। ये दोनों मोर्टर खुले क्षेत्र में गिरे, इस दौरान किसी के भी हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। दोपहर के समय कई रॉकेट भी दागे गए। इन हमलों की जिम्मेदारी हिजबुल्लाह ने लिया है। इसकी जवाबी कार्रवाई में इजराइल ने लेबनान के आतंकी ठिकानों पर हवाई हमला किया गया।

हिजबुल्लाह ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में हुए हमले के बाद से उनके 79 सदस्य मारे जा चुके हैं। वहीं इजराइल में छह सैनिकों के साथ तीन स्थानीय लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जरवेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के प्रमुख रमि अब्देल रहमान ने कहा, हिजबुल्लाह के लिए काम करने वाले दो सीरिया के लड़ाके मारे गए। वहीं संगठन के लिए काम करने वाले अन्य सात घायल हुए हैं।

हालांकि, सीरिया में हुए हमले को लेकर इजराइली सैनिकों ने कोई बयान नहीं दिया है। उन्होंने बताया कि संगठन के लिए आए हथियारों के शिपमेंट पर हमला किया गया था। इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमले लगातार सीरिया के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बना रही है।

दुनिया की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने की प्रतिज्ञा, हस्ताक्षर करने से मुकरे भारत-चीन

संयुक्त अरब ।

संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी दुबई में कॉप-28 शिखर सम्मेलन जारी है। सम्मेलन में आज 2030 तक दुनिया की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने की प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करने से भारत और चीन ने इनकार कर दिया। हालांकि, नई दिल्ली पहले से ही जी20 अध्यक्षता के वक्त से इसके लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिज्ञा का लक्ष्य दुनिया के समग्र ऊर्जा उत्पादन में जीवश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना है।

प्रतिज्ञा के तहत इन फैसलों को लागू करने की मांग

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चिली, ब्राजील, नाइजीरिया और बारबाडोस शामिल हैं। चीन-भारत ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा में तीन गुना वृद्धि के लिए समर्थन व्यक्त किया है, लेकिन औपचारिक रूप से व्यापक प्रतिज्ञा का समर्थन नहीं किया। प्रतिबद्धता के तहत जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ाना भी शामिल है। इसके तहत कोयला बिजली को चरणबद्ध तरीके से बंद करना और कोयले से चलने वाले नए बिजली संयंत्रों की फंडिंग को भी रोकने के लिए आह्वान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि जीवाश्म ईंधन की मांग को कम करने और ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करना होगा। भारत के फैसले पर भारतीय विशेषज्ञों की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है।

विशेषज्ञों ने कही यह बात

ई3जी में सीनियर एसोसिएट और इंडिया एनर्जी ट्रांजिशन लीड मधुरा जोशी ने वैश्विक प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर नहीं करने के भारत के फैसले पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि निर्णायक फैसलों की शुरुआत में सितंबर 2023 में जी20 नेताओं ने इसका समर्थन किया था। विश्व संसाधन संस्थान भारत में जलवायु की कार्यकारी निदेशक उल्का केलकर ने भारत के राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्य की भयावहता पर प्रकाश डाला, जिसके लिए देश को उतनी ही नवीकरणीय क्षमता बनाने की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के महानिदेशक डॉ. अजय माथुर, 2030 तक नवीकरणीय क्षमता को तीन गुना करने की वैश्विक प्रतिबद्धता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हैं।

पर्वतीय देशों की जरूरतों पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए

हिमालय की संभावित तबाही की चेतावनी देते हुए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने बताया विकासशील देशों को विशेष रूप से कमजोर पर्वतीय देशों की जरूरतों पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए, जिन्हें तत्काल मदद की जरूरत है। देश-दुनिया के लगभग 240 मिलियन लोग हिमालय से निकलने वाली सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी 10 प्रमुख नदियों पर निर्भर हैं। भारत सहित आठ देशों में नदियों के निचले प्रवाह में रहने वाले एक अरब लोग ग्लेशियर से पोषित नदियों पर निर्भर हैं।

गहलोत ने कहा, जनादेश विनम्रतापूर्वक स्वीकार

वसुंधरा बोली, यह जीत पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी की जीत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजों को विनम्रतापूर्वक स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि जनादेश विनम्रतापूर्वक स्वीकार है। जबकि, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी की जीत बताई है। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी की जीत है। उनके मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की जीत है। यह जीत केंद्रीय मंत्री अमित शाह की रणनीति व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व की जीत है। अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह जीत 2024 में मोदी जी को फिर से प्रधान मंत्री बनाने की जीत है। राजे ने कहा कि यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं की जीत है, जो दिन-रात प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं।यह जीत राजस्थान की जनता जनार्दन की जीत है, जिसने कांग्रेस के कुराज को ठुकराया और भाजपा के सुराज को अपनाया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और

मतदाताओं का भी आभार व्यक्त किया। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर चुनाव नतीजों को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हुए लिखा कि-राजस्थान की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। यह सभी के लिए एक अप्रत्याशित परिणाम है। यह हार दिखाती है कि हम अपनी योजनाओं, कानूनों और नवाचारों को जनता तक पहुंचाने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहे। मैं नई सरकार को शुभकामनाएं देता हूं। मेरी उनको सलाह है कि हम काम करने के बावजूद कामयाब नहीं हुए, इसका मतलब ये नहीं कि वो सरकार में आने के बाद काम ही ना करें। ओपीएस, चिरंजीवी सहित तमाम योजनाएं एवं जो विकास की रफ्तार इन पांच सालों में राजस्थान को हमने दी है वो इसे आगे बढ़ाएं। मैं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इस चुनाव में पूरी मेहनत की एवं सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हमारे ऊपर विश्वास किया।

नियमित करने की मांग को लेकर अतिथि अध्यापकों ने ज्ञापन सौंपें

यमुनानगर (हिंस)। राजकीय अतिथि अध्यापक मंच के बैनर तले अतिथि अध्यापकों की नियमित करने की मांग को लेकर रविवार को हरियाणा स्कूल शिक्षा मंत्री सहित सढौरा और यमुनानगर के विधायकों को ज्ञापन सौंपे गए। इस अवसर पर राज्य कार्यकारिणी सदस्य सतपाल शर्मा और जिला प्रधान संजीव कुमार ने कहा कि 2013 में भाजपा के अध्यक्ष रामबिलास शर्मा ने दिल्ली जंतर-मंतर पर जब अतिथि अध्यापक आमरण-अनशन पर बैठे हुए थे। उन्होंने लिखित में दिया था कि भाजपा की सरकार बनते ही पहली कलम से अतिथि अध्यापकों को नियमित किया जाएगा और 2014 में भी भाजपा सरकार ने घोषणा पत्र में वायदा किया था। लेकिन बीजेपी सरकार ने 9 वर्ष का कार्यकाल बीत जाने के बाद भी आज तक नियमित नहीं किया गया। जिसके कारण प्रदेश भर के अतिथि अध्यापकों में बहुत रोष है। उन्होंने कहा कि एक नियमित अध्यापक की तुलना में एक तिहाई वेतन पर काम रहे अतिथि अध्यापकों को 200 से 300 किलोमीटर दूर दराज में जबरदस्ती हस्तांतरण कर दिया है। उन्होंने कहा कि 3 महीने से अतिथि अध्यापक करनाल में धरने पर बैठे हुए हैं।

जनता ने लगाई भाजपा की नीतियों पर मोहर घोषणाओं पर किया भरोसा : मनोहर लाल

हिसार (हिंस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणामों से स्पष्ट कर दिया है कि जनता का भरोसा केवल भाजपा पर ही है और इसके लिए इन राज्यों की जनता व कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। राज्यों के चुनाव परिणामों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत की खुशी कार्यकर्ताओं के साथ सांझा करने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल जिला कार्यालय पहुंचे थे। इससे पहले उनका कार्यक्रम केवल गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के सभागार में ही था। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार राज्यों के परिणाम में भाजपा तीन में स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आ रही है और तेलंगाना, जहां केवल एक सीट थी, वहां लगभग 10 गुणा बढ़ोतरी कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने संबंधित राज्यों की जनता व कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों व संबंधित राज्यों में हमारे घोषणापत्रों पर जनता ने विश्वास किया है। इन राज्यों की जनता ने कांग्रेस को नकारकर साबित कर दिया है कि केवल नारे लगाने से बात नहीं बनती बल्कि धरातल पर कुछ करना पड़ता है। उन्होंने कटाक्ष किया कि कांग्रेस के लोग कहते थे कि इन चुनावों का परिणाम आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा, तो वे उनकी बात को बड़ा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष से पन्ना प्रमुख तक मजबूत है। हमने पन्ना प्रमुख तक जो मजबूत नेटवर्क बनाया है, उसका सबसे बड़ा फायदा पार्टी को चुनाव में मिलता है। इसके अलावा भाजपा सरकारों की अंत्योदय की भावना से काम करने की नीति को जनता पसंद कर रही है। पार्टी का प्रयास है कि अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक हमारी पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियां व योजनाएं पहुंचे ताकि उनका उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं व नीतियों का गांव-गांव जाकर जायजा लिया जा रहा है। जन संवाद के माध्यम से या विकसित भारत यात्रा के माध्यम से। यदि कोई कमी सामने आती है तो उसको मौके पर ही दूर करने का प्रयास किया जाता है। यदि कोई बड़ा मसला है तो उसे समय सीमा में दूर करने का प्रयास होता है। यही वजह है कि जनता हमारी नीतियों, कार्यक्रमों व कार्यक्रमों को पसंद करके समर्थन दे रही है और कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों को ठुकरा रही है। जजपा के साथ गठबंधन रखने या न रखने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कुछ फैसले नीतिगत होते हैं, जजपा से हमारा गठबंधन चुनाव से पहले नहीं था, बाद में परिस्थिति के अनुसार करना पड़ा, ऐसे में परिस्थिति देखी जाती है। केंद्र व राज्यों के चुनाव एक साथ करवाने की योजना बारे मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बड़ा कार्यक्रम है, केंद्र सरकार व चुनाव आयोग यदि ऐसा करते हैं तो हम पूरी तरह से तैयार है। विकसित भारत यात्रा में सरकारी मशीनरी के दुरूपयोग के विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकारी कार्यक्रम है और इसमें सरकारी मशीनरी का कोई दुरूपयोग नहीं है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में राशनकार्ड बढ़कर 38 लाख हो गए हैं, पैंशन व पैंशनधारी बढ़े हैं, नागरिकों के आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है, किसानों सहित हर वर्ग को उनका हक मिल रहा है, ऐसे में हर वर्ग खुशहाल है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र, डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, मेयर गौतम सरदाना, राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा व जिला उपाध्यक्ष कृष्ण बिश्नोई सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भगवामय हुआ भीलवाड़ा, कांग्रेस का सूपड़ा साफ दोनों मंत्री हारे, शहर में निर्दलीय की जीत

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा जिले में विधानसभा चुनाव 2023 में जिले की जनता ने एक बार फिर राज बदलकर रिवाज कायम रखा है। जिले की सातों सीटों से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। भीलवाड़ा शहर में तो निर्दलीय ने जीत दर्ज कराकर इतिहास रचा है। बाकी अन्य छहों सीटों पर भाजपा के जीत होने पर संपूर्ण जिले में भगवा हो गया है। भीलवाड़ा से निर्दलीय अशोक कोठारी को विचार परिवार का ही समर्थन था। कांग्रेस के राजस्व मंत्री रामलाल जाट तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और राज बीज निगम के अध्यक्ष धीरज गुर्जर हार गए है। भाजपा के एक तरफा जीत होने पर संपूर्ण जिले में भाजपाईयों ने जश्न मनाया है। भीलवाड़ा जिला मुख्यालय की सीट पर इस बार पहली दफा निर्दलीय अशोक कोठारी जीते हैं। कोठारी को विचार परिवार को खुला समर्थन रहा है। जीत के तुरंत बाद कोठारी हरिशेवा धाम पहुंचे तथा महामंडलेश्वर स्वामीहंसरामजी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। कोठारी ने कांग्रेस के ओमप्रकाश नाराणीवाल को 10 हजार 778 मतों के अंतर से पराजित कर 70 हजार 95 मत प्राप्त किए है। यहां से वर्तमान विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी को 55 हजार 625 मत मिले हैं। शाहपुरा जिला मुख्यालय की सुरक्षित सीट से भाजपा के लालाराम बैरवा ने कांग्रेस के नरेंद्र कुमार रेगर को 59 हजार 298 मतों के अंतर से हराया। यहां पूर्व विस अध्यक्ष और भाजपा से बागी कैलाश मेघवाल तीसरे नंबर पर रहे। आसींद सीट से भाजपा के जब्बर सिंह सांखला दूसरी बार जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के हगामीलाल मेवाड़ा को 1526 मतों के अंतर से पराजित किया। सांखला को 74 हजार 586 मत मिले है। यहां आरएलपी के धनराज गुर्जर 56 हजार 904 मत लेकर तीसरे नंबर पर रहे। मांडल सीट पर कांग्रेस के राजस्व मंत्री रामलाल जाट को भाजपा के उदयलाल भढ़ाणा ने कड़ी शिकस्त दी है। भड़ाणा ने 12 हजार 6291 मत लेकर 35878 मतों के अंतर से जाट को हराया। सहाड़ा सीट से भाजपा के लादूलाल पितलिया ने 11 हजार 7203 मत प्राप्त कर कांग्रेस के राजेंद्र त्रिवेदी को 62 हजार 519 मतों के अंतर से हराया है।

एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी, बांटे लड्डू

कैथल (हिंस)। रविवार को भाजपा के जिला कार्यालय कपिल कमल में कार्यकर्ताओं ने एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी की जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने पटाखे व आतिशबाजियां चला कर लड्डू बांटे और भांगड़ा किया। पार्टी कार्यालय पर दोपहर कैथल के विधायक भाई लीलाराम, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत, महिला अध्यक्ष अनिता चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष रवि भूषण गर्ग के नेतृत्व में भाजपाइयों ने इस जीत पर कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की है। कैथल के विधायक भाई लीलाराम ने कहा कि तीनों राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत का श्रेय केवल मोदी जी को ही जाता है। जनता ने मोदी की गारंटी पर विश्वास करके कांग्रेस को खारिज कर दिया। तीन राज्यों की जीत सिर्फ ट्रेलर है पिक्चर तो पूरी बाकी है जो लोकसभा के चुनाव में मोदी जी के नेतृत्व में दिखाई देगी। हरियाणा की जनता

हमेशा केंद्र की सरकार के साथ रही है। इसलिए यह तय है कि प्रदेश में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पीएम मोदी को एक मैच की हार पर पनौती बता रहे थे, उस बात का जवाब देश की जनता ने चुनाव में दिया है। इन तीनों राज्यों की जनता से बता दिया कि देश के लिए पनौती राहुल गांधी हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उन रणनीतियों की जीत है जिसके जरिए देश भर में आम जनता को लाभ मिल रहा है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस तरह भाजपा के कार्यकर्ता चुनाव में पूरी ताकत के साथ उतरते हैं। उसका परिणाम है कि भाजपा राज्यों में अपनी जीत को प्रशस्त कर रही है। हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने कामों के आधार पर जीत हासिल करती है। इस समय देश के नायक के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामों को सराहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने केंद्र सरकार के कामों पर मुहर लगाई है। इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनिता चौधरी, भाजपा मीडिया सहप्रभारी भीम सेन अग्रवाल, महामंत्री सुरेश संधू, आईटी सैल जिला प्रमुख बलविन्द्र जांगड़ा, बलवान शर्मा, हरिचंद जांगडा भी उपस्थित थे।

राज विस चुनाव परिणाम : शेखावाटी में फिर रही कांग्रेस की धमक

झुंझुनू (हिंस)। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के तीन जिलों सीकर, झुंझुनू, चूरू की कुल 21 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को 14 भाजपा को 6 व बसपा को एक सीट मिली है। 2018 के चुनाव में कांग्रेस को 15 भाजपा को चार बसपा को एक वह एक निर्दलीय को मिली थी। हालांकि इस बार के चुनाव में जहां कांग्रेस को एक सीट का नुकसान हुआ है। वहीं भाजपा को दो सीटों का फायदा हुआ है। सीकर जिले की 8 विधानसभा सीटों में कांग्रेस ने सीकर, नीमकाथाना, दातारामगढ़, लक्ष्मणगण, फतेहपुर सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं भाजपा ने खंडेला, श्रीमाधोपुर, धोद विधानसभा क्षेत्र में जीत का प्रथम लहराया है। राजस्थान की सबसे अधिक हॉट सीट माने जाने वाली लक्ष्मणगढ़ सीट पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा प्रत्याशी व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया को 164 हजार 180 मतों से हराकर चौथी बार विधायक बने हैं। दो दिग्गज जाट नेताओं के मुकाबला के कारण पूरे राजस्थान की नजर इस सीट पर बनी हुई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री व कई बार विधायक का चुनाव जीत चुके कांग्रेस प्रत्याशी महादेव सिंह खंडेला को उनकी परंपरागत खंडेला सीट पर चुनाव से पहले कांग्रेस से भाजपा में आए भाजपा प्रत्याशी सुभाष मील ने 42 हजार 763 वोटों से हरा दिया है। सीकर सीट पर पूर्व मंत्री राजेंद्र पारीक ने भाजपा के रतनलाल जलधारी को 30 हजार 038 वोटों से हरा दिया है। दातारामगढ़ सीट पर माकपा के राज्य सचिव अमराराम की जमानत जप्त हो गई है। झुंझुनू जिले की मंडावा विधानसभा सीट पर झुंझुनू के मौजूदा भाजपा सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ को कांग्रेस की मौजूदा विधायक रीटा चौधरी ने 18 हजार 717 वोटो से हरा दिया है। वही झुंझुनू सीट पर परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है। सूरजगढ़ सीट पर भाजपा प्रत्याशी व पूर्व सांसद संतोष अहलावत को पूर्व विधायक व कांग्रेस प्रत्याशी श्रवण कुमार ने 35 हजार 653 वोटों से हरा दिया है। झुंझुनू जिले में नवलगढ़ व खेतड़ी को छोड़कर बाकी सभी पांच सीटों पर कांग्रेस का कब्जा हो गया है।

बीजेपी ने सेमीफाइनल जीता, 2024 में फाइनल जीतने के लिए तैयार : रविंदर रैना

जम्मू (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष रविंदर रैना ने उत्साहित मूड में रविवार को कहा कि भाजपा की जीत ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को सही ठहराया है। उन्होंने जम्मू में पार्टी की जीत के जश्न का नेतृत्व किया। जम्मू-कश्मीर भाजपा के नेताओं ने रविवार को जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पार्टी की शानदार जीत का जश्न मनाया जहां सैकड़ों कार्यकर्ता और नेता एकत्र हुए और ढोल की थाप पर नृत्य किया। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना, जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह, पूर्व उप मुख्यामंत्री सीएम कवींद्र गुप्ता, पूर्व मंत्री सत शर्मा, महासचिव एडवोकेट विबोध गुप्ता, महासचिव डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, पूर्व मंत्री प्रिया सेठी, पूर्व एमएलसी चरणजीत सिंह खालसा, पूर्व एमएलसी विक्रम रंधावा, पूर्व विधायक अश्विनी शर्मा, पूर्व विधायक नीलम लंगेह, पूर्व विधायक शिव देव, पूर्णिमा शर्मा और अन्य प्रमुख भाजपा नेता इस अवसर पर शामिल थे। पारंपरिक ढोल की थाप पर नाचते हुए और पटाखे फोड़ते हुए उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने तीन राज्यों में जहां हाल ही में चुनाव हुए थे पार्टी की प्रभावशाली जीत का जश्न मनाया। वे भाजपा समर्थक और मोदी समर्थक नारे भी लगा रहे थे और भारत माता की जय, मोदी की गारंटी, कोई नहीं है टक्कर में के नारे लगा रहे थे। इस मौके पर रविंदर रैना ने कहा कि बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल जीता है और 2024 का फाइनल भी बीजेपी भारी अंतर से जीतेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की जन हितैषी नीतियों को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह जीत कांग्रेस और भारतीय गठबंधन को करारा जवाब है क्योंकि वे अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रैना ने कहा कि लोगों ने पूरे देश में भाजपा की नीतियों को स्वीकार कर लिया है और निश्चित रूप से मोदी जी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने का मन बना लिया है। जम्मू-कश्मीर में लोग नरेंद्र मोदी सरकार के साथ खड़े हैं क्योंकि वह समाज के हर वर्ग का ख्याल रख रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अगला मुख्यमंत्री निश्चित रूप से भाजपा से होगा। रैना ने जम्मू-कश्मीर के सभी हिस्सों में शांति और प्रगति और कश्मीर में हड़ताल बंद होने का श्रेय मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को दिया। रैना ने कहा कि भाजपा ने हर क्षेत्र और हर धर्म के लोगों विशेषकर वंचित और उपेक्षित वर्गों का विश्वास हासिल करते हुए सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व लोक कल्याण कार्य किए हैं। रैना ने कहा कि जीत का रुझान स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासात्मक एजेंडे और दृष्टिकोण की जीत को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लोगों ने शांति, सुरक्षा और विकास के लिए भाजपा को वोट दिया है।

तीन राज्यों में प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों को जीत

झज्जर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी ने तीन राज्यों में पार्टी की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को जीत है। नायब सैनी ने रविवार को जिले के बेरी स्थित मन्दिर में देवी मां भीमेश्वरी के दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने पांच राज्यों के चुनाव परिणाम पर कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने गरीब, किसान, महिला और युवाओं के उत्थान से देश के उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया। देश के लोग प्रधानमंत्री से प्यार करते हैं। साढ़े नौ साल की योजनाओं से हर वर्ग को लाभ हुआ है। वर्ष 2024 में तीसरी बार मोदी सरकार बनेगी। सैनी ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहरलाल जबरदस्त काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री 100 रुपए भेजते हैं तो मनोहरलाल सवा सौ कर विकास कार्यों पर खर्च करते हैं। मनोहर लाल ने कांग्रेस राज की लिकेज को बंद किया है। जनता की भलाई के लिए काम कर रहे हैं। बेरी में नायब सैनी ने माता भीमेश्वरी देवी के दरबार में पूजा की। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को भारी जनसमर्थन मिला। उन्होंने जनता जनार्दन की जय बोली। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और कल्याणकारी नीतियों पर जनता ने अपनी मोहर लगाई है।

कौशल रोजगार निगम में 26 प्रतिशत पिछड़ों को मिला रोजगार : दुष्यंत चौटाला

जींद (हिंस)। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कौशल रोजगार निगम में जितने भी नौकरी के लाभार्थी है उनमें 26 प्रतिशत है बैकवर्ड क्लाश के युवाओं को रोजगार मिला है। भर्तियों की जो प्रक्रिया है वो पूरी गति के साथ चल रही है। मार्च से पहले जो एससी, बीसी का जो बैकलॉक है उसको पूरा कर उनके हाथ में रोजगार अवसर पहुंचाने का काम करेंगे। वह पांचाल समाज द्वारा रविवार को आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डिप्टी सीएम ने कहा कि पांचाल समाज का आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने मेरा स्वागत किया है। यहां पर लाइब्रेरी बनवाने का काम करेंगे। जिससे युवाओं, पिछड़े वर्ग के युवाओं को फायदा होगा। शहर में स्ट्रीट लाइटों को लेकर टेंडर हो चुका है। सीवरेज के लिए भी मशीन आ चुकी है। रजबाहा रोड पर भगवान विश्वकर्मा चौक की मांग को मंजूर करते हुए कहा कि नपा से प्रस्ताव पास पांचाल समाज करवा ले उसको तुरंत प्रभाव से बनवाने का काम करेंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि जनमत जो आया है उससे साफ दिखा है तीनों प्रदेश में लोगों ने कांग्रेस को नकार दिया है। जिन दो प्रदेशों में कांग्रेस थी वहां पर भी कांग्रेस को हराने का काम मतदाताओं ने किया। जिस तरह से भाजपा ने टीम के तौर पर किया उसका लाभ राजस्थान, छत्तीसगढ़, एमपी में देखने को मिला है। हमारे भी जिन उम्मीदवारों ने राजस्थान में चुनाव लड़ा सभी का आभार प्रकट करता हूं। हमारे लिए एक चीज खुशी की बात है कि राजस्थान में पार्टी की इंट्री हुई है कई सीटों पर हमारे उम्मीदवार दूसरे, तीसरे नंबर पर आए है।

कानून को हाथ में न ले गौरक्षक : शशिपाल

फरीदाबाद (हिंस)। पुलिस प्रशासन ने गौरक्षकों को जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 के प्रभारी शशिपाल ने हिस्सा लिया और गौ रक्षक दलों के सदस्यों को अपने हाथ ना लेने की हिदायत दी है। क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 प्रभारी ने फरीदाबाद के तीनों जनों के गौ रक्षक संगठनों के कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कानून को अपने हाथ में न लेने की सख्त हिदायत दी। अगर गौ रक्षक दल को कोई गो तस्करी की सूचना मिलती है तो तुरंत संबंधित थाना, पुलिस चौकी व क्राइम ब्रांच टीम को सूचना दें। अगर किसी ने कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश की तो उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कानून अपने हाथ में लेने से समाज में अशांति फैल सकती है। किसी भी गैर कानूनी घटना पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एचटेट की परीक्षा देने बठिंडा से साइकिल से पहुंचा सिरसा

सिरसा (हिंस)। शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने के लिए पंजाब के बठिंडा से एक युवक साइकिल पर सवार होकर सिरसा पहुंचा। उसने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं कर रही है। उसे उम्मीद है कि हरियाणा में नौकरी जरूर मिलेगी। पंजाब के बठिंडा से साइकिल पर सिरसा पहुंचे बेरोजगार युवक का नाम सुखदीप सिंह है। उसका कहना है कि पंजाब में 15 सालों से फिजिकल एजुकेशन की पोस्ट नहीं निकाली गई है। इसलिए वह हरियाणा में नौकरी करने के लिए एचटेट की परीक्षा देने साइकिल पर सिरसा आया है। सुखदीप का कहना है कि पंजाब सरकार रोजगार देने के नाम पर झूठ बोल रही है। मुख्यमंत्री हर रोज सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर लोगों को गुमराह करते हैं कि पंजाब सरकार बेरोजगारों को रोजगार दे रही है। असल में ऐसा कुछ भी नहीं। पंजाब में बड़े पैमाने पर युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। उसका दावा है कि पिछले दिनों सरकार ने झूठ बोला कि पंजाब के 31 हजार

युवाओं को नौकरियां दी गई हैं। सुखदीप का कहना है कि पंजाब में लाखों पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार हैं। सुखदीप को उम्मीद है कि उसे हरियाणा में उसे नौकरी अवश्य मिलेगी।

गीता जयंती : हरे कृष्ण मूवमेंट ने किया बुक मैराथन और गीता कांटेस्ट का शुभारंभ

जयपुर (हिंस)। श्रील प्रभुपाद की शिक्षाओं के ज्ञान का पूरे विश्व में प्रचार करने के लिए गीता जयंती के अवसर पर हरे कृष्ण मूवमेंट की ओर से बुक मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। यह मैराथन पूरे 2 महीने चलेगी । जिसमे मंदिर से जुड़े भक्त श्रद्धाभाव से गुरु सेवा के लिए घर-घर तक श्रील प्रभुपाद जी की किताबे वितरण कर भगवद गीता का प्रचार करेंगे। इस बुक मैराथन के जरिए अनेक स्वयं सेवक भक्त वैदिक ज्ञान को जन जन तक पहुंचाने के लिए भक्तिवेदांता बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का वितरण करेंगे। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लोग पूरे उत्साह से इस मैराथन में भाग लेंगे और लगभग एक लाख से ज्यादा पुस्तकें वतरित होंगी। हरे कृष्णा मूवमेंट में बुक मैराथन के साथ ही श्रीमद्भागवत गीता के अध्याय 1 से 6 पर आधारित गीता कांटेस्ट का रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गया है जो कि 28 फरवरी तक

चलेगा। परीक्षा प्रतियोगिता 5 मई को आयोजित की जाएगी। गीता कांटेस्ट प्रतियोगिता में विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 11 हजार, द्वितीय पुरस्कार 5 हजार 100, तृतीय पुरस्कार 2 हजार 100 दिए जाएंगे। गीता कांटेस्ट में लगभग 5000 भक्तों ने भाग लेने का संकल्प लिया है। बुक मैराथन और गीता कांटेस्ट के साथ ही हरे कृष्ण मूवमेंट के हेरिटेज फेस्ट के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत हो गई है। जिसका उद्देश्य है स्कूल के बच्चों को हमारे धर्म और संस्कृति से जोड़ना। हरे कृष्ण मूवमेंट के हेरिटेज फेस्ट में अलग अलग स्कूलों के बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते है और अपनी विभिन्न प्रतिभाओं का परिचय देते हैं। ड्राइंग, पेंटिंग और निबंध लेखन द्वारा बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। श्री कृष्ण बलराम मंदिर के अध्यक्ष अमितासन दास ने बड़े हर्ष से कहा कि यह बुक मैराथन श्री सनातन संस्कृति एवं धर्म का पूरे विश्व में प्रचार करने के लिए विश्वव्यापी हरे कृष्ण मूवमेंट श्रील प्रभुपाद की प्रेरणा से कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा की 5000 वर्ष पहले भगवान श्री कृष्ण ने गीता का ज्ञान दिया और आज पूरे विश्व में श्रीमद्भागवत गीता 87 भाषाओ में पढ़ी जा रही है। जो हमारे भारतवर्ष के लये बड़े ही गर्व की बात है। उन्होंने कहा की श्रील प्रभुपाद की किताबें पूरे विश्व मैं मानव जाती के कल्याण के लिए हैं। वो हमें सीधे भगवान से जोड़ती हैं।

समर्स बोले- ओपनएआई का काम बेहद महत्वपूर्ण : सरकार के साथ सहयोग के लिए तैयार रहना होगा, हाल ही में बोर्ड में शामिल हुए हैं लैरी

सैनफ्रांसिस्को।
चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के बोर्ड मेंबर लैरी समर्स ने कहा कि कंपनी का काम असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है। उसे रेगुलेटरी इश्यू, नेशनल सिक्योरिटी इश्यू, टेक्निकल इश्यू के डेवलपमेंट पर सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तैयार रहना होगा। यह टिप्पणी इस बात पर प्रकाश डालती है कि पूर्व अमेरिकी ट्रेजरी सचिव समर्स सिलिकॉन वैली स्टार्टअप में क्या काम करने की योजना बना रहे हैं। कंपनी के को-फाउंडर ऑल्टमैन की वापसी के बाद समर्स हाल ही में ओपनएआई के नए बोर्ड में शामिल हुए हैं।

समर्स ने यह भी कहा कि वह इस साल की शुरुआत में दिए गए अपने बयान पर कायम हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि एआई कुछ लोगों की नौकरियां ले सकता है। उन्होंने वाइट कॉलर जॉब्स के जाने का अंदेशा जताया था। डेस्क से काम करने वालों को वाइट कॉलर वर्कर कहा जाता है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट रह चुके हैं समर्स - 68 साल के समर्स क्लिंटन एडमिनिस्ट्रेशन में 1999 से 2001 तक ट्रेजरी सचिव थे। 2009 में राष्ट्रपति ओबामा के चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर बने थे। उनकी इकोनॉमिक स्किल और वॉशिंगटन से उनके कनेक्शन ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। समर्स 2001 से 2006 तक हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट रह चुके हैं। वह वर्तमान में चार्ल्स डब्ल्यू. एलियट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और हार्वर्ड केनेडी स्कूल में मोसावर-रहमानी सेंटर फॉर बिजनेस एंड गवर्नमेंट के डायरेक्टर के रूप में काम करते हैं।

18 नवंबर को सैम ऑल्टमैन को बोर्ड ने निकाल दिया था - सैम ऑल्टमैन को 18 नवंबर को कंपनी ने निकाल दिया था। बोर्ड ने कहा था कि अब उन्हें ऑल्टमैन की काबिलियत पर भरोसा नहीं है। ऑल्टमैन के अलावा कंपनी के प्रेसिडेंट ग्रैग ब्रॉकमैन को बोर्ड ने पद से हटा दिया था। बाद में उन्होंने भी कंपनी छोड़ दी थी। हालांकि, एम्प्लॉइज और इन्वेस्टर्स के दबाव के बाद ऑल्टमैन और ब्रॉकमैन की कंपनी में वापसी हुई। नया बोर्ड भी बनाया गया है। ऑल्टमैन और ब्रॉकमैन को बाहर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पिछले बोर्ड के 4 मेंबर्स में से 3 को हटा दिया गया।

नए बोर्ड में इन 4 मेंबर्स में से केवल एक मेंबर एडम डीएंजेलो बचे हैं। अब नए बोर्ड में सैम ऑल्टमैन, ग्रैग ब्रॉकमैन और एडम डीएंजेलो के अलावा ब्रेट टेलर और लैरी समर्स है।

न्यूज ब्रीफ

अप्रैल-सितंबर के दौरान केमैन आइलैंड और क्रप्रस से घटा एफडीआई, कितनी हुई गिरावट और क्या है कारण

नई दिल्ली। भारत में विदेशी निवेश के मामले में चिंता की खबर सामने आ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक,वित्त वर्ष 24 के अप्रैल-सितंबर के दौरान केमैन आइलैंड और साइप्रस से भारत में फॉरेंन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट में काफी कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितंबर के दौरान केमैन आइलैंड से एफडीआई 75 प्रतिशत घटकर 145 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 582 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। वहीं साइप्रस से एफडीआई इनफ्लो 95 प्रतिशत से अधिक घटकर 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 764 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। विशेषज्ञों के मुताबिक गिरावट का कारण पूर्वी यूरोप और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थितियों के कारण अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में उच्च मुद्रास्फीति के कारण बढ़ी हुई ब्याज दरें हो सकती है। अब तक 24 प्रतिशत गिरा एफडीआई समीक्षाधीन तिमाही में एफडीआई इनफ्लो कुल 24 प्रतिशत गिरा है। कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, टेलीकॉम, ऑटो और फार्मा में कम इनफ्लो के कारण अप्रैल-सितंबर 2023-24 में भारत में एफडीआई 24 प्रतिशत घटकर 20.48 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

पश्चिम बंगाल में सस्ता हुआ पेट्रोल, यूपी में भी घटे दाम

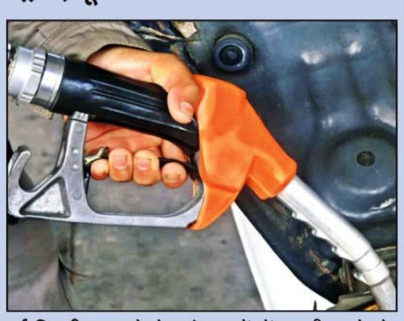

नई दिल्ली । कच्चे तेल के दामों में नरमी आने से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। हालांकि कुछ राज्यों व शहरों में ईंधन के दाम में मामूली कटौती और बढ़ोतरी हुई है। आंध्रा प्रदेश में पेट्रोल 0.36 पैसे सस्ता हुआ है, जबकि गोवा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल महंगा हुआ है। वहीं पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 0.44 पैसे सस्ता हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटियाला में पेट्रोल 98.27 रुपये और डीजल 88.59 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पाकिस्तान से अवैध अफगानों को निकालने की प्रक्रिया जारी, अब तक चार लाख से अधिक अप्रवासियों की हो चुकी वतन वापसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से अवैध अफगानों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। पाकिस्तान से अब तक चार लाख से अधिक अवैध अफगानों के उनके देश भेजा जा चुका है। बताया कि अफगानों समेत कम से कम 4,02,312 अवैध विदेशियों को उनके देश भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों को पाकिस्तान से सम्मानजनक और सुरक्षित तरीके से उनके देश भेजा जा रहा है। बता दें कि पाकिस्तान में बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों की स्वदेश वापसी की प्रक्रिया जारी है और इसी के तहत अफगानों को अफगानिस्तान भेजा जा रहा है। रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि हजारों अफगानों को चमन और तोरखम सीमाओं के माध्यम से रोजाना स्वदेश भेजा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, 3,776 अवैध अफगान नागरिक अपने देश लौटे। इससे पहले, कार्यवाहक प्रांतीय सूचना मंत्री जान अचकजई ने सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि अवैध अप्रवासियों को किसी भी कीमत पर पाकिस्तान में शरण नहीं मिलेगा। मंत्री ने कहा कि सरकार ने हर दिन 10,000 अप्रवासियों को निर्वासित करने का लक्ष्य रखा है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

टॉप 9 कंपनियों का मार्केट कैप 1.30 लाख करोड़ बढ़ा

पिछले हफ्ते रिलायंस को छोड़कर अन्य 9 कंपनियों में तेजी रही, सेंसेक्स 2.29 प्रतिशत उछला

मुंबई।
देश की टॉप 10 वैल्यूड फर्म्स में से 9 का मार्केट वैल्यूएशन 1,30,391.96 करोड़ रुपए बढ़ गया। इसमें भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे बड़े गेनर्स रहें। टॉप 10 में से केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज रही जिसका मार्केट वैल्यूएशन नहीं बढ़ा। भारती एयरटेल का वैल्यूएशन 23,746.04 करोड़ बढ़कर 5,70,466.88 करोड़ हो गया। टीसीएस का मार्केट कैप 19,027.07 करोड़ बढ़कर 12,84,180.67 करोड़ पर पहुंच गया। वहीं मार्केट कैप बढ़ने के मामले में तीसरे नंबर पर एचडीएफसी बैंक रहा जिसका मार्केट कैप 17,881.88 करोड़ बढ़ा। इस बढ़ोतरी के साथ उसका मार्केट वैल्यूएशन 11,80,588.59 करोड़ हो गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी सबसे वैल्यूएबल फर्म

वहीं टॉप-10 कंपनियों की रैंकिंग में, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे वैल्यूएबल फर्म का खिताब बरकरार रखा। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस रहे।

सेंसेक्स 2.29 प्रतिशत उछला, निफ्टी ने ऑलटाइम हाई बनाया

पिछले हफ्ते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 1,511.15 अंक या 2.29 प्रतिशत उछला। ये 67,481 के लेवल पर बंद हुआ। ये 67,927 के ऑल टाइम हाई से अब केवल 446 अंक नीचे हैं। वहीं निफ्टी ने कारोबार में नया हाई बनाया। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 20,272.75 के स्तर को छुआ। इससे पहले निफ्टी का ऑलटाइम हाई 20,222.45 था, जो उसने 15 सितंबर को बनाया था। निफ्टी ने नया ऑलटाइम क्लोजिंग हाई भी बनाया। निफ्टी 134.75 अंक बढ़कर 20,267.90 के स्तर पर बंद हुआ।

1 लाख करोड़ के मार्केट कैप वाली टाटा ग्रुप की 5वीं कंपनी बनी ट्रेंट

ट्रेंट लिमिटेड 1 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप वाली टाटा ग्रुप की 5वीं कंपनी बन गई है। ट्रेंट के शेयर कारोबार के दौरान 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2,840 रुपए के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए। इसी के साथ इसका मार्केट कैप 1,00,958 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में शेयरों में थोड़ी गिरावट आई और ये 1.27 प्रतिशत ऊपर 2,822.40 रुपए पर बंद हुए।

इस साल ट्रेंट ने दिया 109 प्रतिशत का रिटर्न

ट्रेंट ने 2023 में 109 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 12 महीने का गेन 92 प्रतिशत है। ट्रेंडलाइन के अनुसार, ट्रेंट अपने 50-डे और 200-डे सिंपल मूविंग एवरेजेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। पिछले चार कारोबारी सत्रों से काउंटर अनबीटन रहा है और इस अवधि के दौरान 7 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त इसमें रही है। लगातार तेजी के कारण यह स्टॉक ओवरबॉट जोन में आ गया है।

रणवीर सिंह ने किया सेक्सुअल वेलनेस स्टार्टअप में निवेश, बने बोल्ड केयर ब्रांड के को-ओनर

नई दिल्ली। मेन्स सेक्सुअल हेल्थ एंड वेलनेस ब्रांड बोल्ड केयर के साथ बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने पार्टनरशिप किया है। रणवीर कंपनी के साथ को-ओनर के तौर पर जुड़े हैं। ब्रांड के साथ जुड़कर रणवीर सिंह भारत में यौन स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरुकता फैलाएंगे। बोल्ड केयर ब्रांड पुरुषों के इंटिमेट हेल्थ इश्यू जैसे शीघ्रपतन और स्तंभन दोष सहित अन्य समस्याओं के लिए विज्ञान पर आधारित समाधान प्रदान करता है। इससे पहले भी रणवीर ने सेक्सुअल वेलनेस पर फैलाई है जागरुकता आपको बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि रणवीर सिंह यौन कल्याण के बारे में जागरूकता फैला रहे हैं। साल 2014 में, उन्होंने कंडोम एड के जरिए जागरुकता फैलाई थी जिसके बाद उन्हें लोगों से प्रशंसा भी मिली थी।

जल्द ही चेतक का अपडेटेड वर्जन लॉन्च हो सकता है

इसमें बड़ी बैटरी के साथ 127 केएम की रेंज मिल सकती है, स्टोरेज भी ज्यादा मिलेगा

नई दिल्ली।
बजाज ऑटो के नए एंट्री-लेवल चेतक अर्बन के लॉन्च के बाद अब जल्द ही बड़ी बैटरी के साथ चेतक प्रीमियम को लॉन्च किया जा सकता है। ऑटो कार की एक रिपोर्ट के अनुसार अपडेटेड चेतक प्रीमियम 3.2बैटरी के साथ आ सकती है। इसमें 127 केएम की रेंज मिलेगी। मौजूदा मॉडल में 2.88 की बैटरी और 108 किमी रेंज मिलती है।

अपडेटेड मॉडल में स्पीड 73 मिल सकती है

चेतक अभी अपने कुछ कॉम्पिटिटर्स से स्पीड के मामले में पीछे हैं। चेतक के मौजूदा मॉडल में 63 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड मिलती है। अपडेटेड मॉडल में स्पीड 73 मिल सकती है। फिलहाल, यह पता नहीं है कि इसे हासिल करने के लिए मोटर में कोई बदलाव किया गया है या नहीं। चेतक प्रीमियम के अपडेटेड वर्जन में टीएफटी डैश मिलेगा। इसमें टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, म्यूजिक प्लेबैक, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और रिमोट इमोबिलाइजेशन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। चेतक ऐप के जरिए अपने स्मार्टफोन को डैश से जोड़कर इन सभी सुविधाओं का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके अलावा, बजाज ने अपडेटेड चेतक प्रीमियम अंडरसीट स्टोरेज की क्षमता 18 लीटर से बढ़कर 21 लीटर कर दी है। बजाज ने 1 दिसंबर को अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर का एक नया वर्जन चेतक अर्बन लॉन्च किया था। इसका स्टैंडर्ड वर्जन खरीदने के लिए आपको 1.15 लाख रुपए और एडिशनल टेकपैक के लिए 1.21 लाख रुपए खर्च करने होंगे। चेतक अर्बन में 113 किमी की रेंज का दावा किया गया है। यह आईडीसी -सर्टिफाइड रेंज है, यानी वास्तविक दुनिया में रेंज इससे कम ही मिलेगी। चेतक अर्बन में मौजूदा मॉडल की तरह ही 2.9बैटरी कैपेसिटी दी गई है। वहीं इसकी टॉप स्पीड 63 है। इसमें केवल एक राइडिंग मोड - इको है।

पराग्वे में उड़ान भरते ही विमान दुर्घटनाग्रस्त, हादसे में सांसद समेत चार लोगों की मौत

असंसियन।
दक्षिणी अमेरिकी देश पराग्वे में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में एक सांसद समेत चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने ये जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, विमान असंसियन से लगभग 180 किमी दूर उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में सत्तारूढ़ कोलोराडो पार्टी के सांसद वाल्टर हार्म्स और उनकी टीम के लोग सवार थे और हादसे में उनकी और अन्य तीन लोगों की मौत हो गई। पराग्वे के उपराष्ट्रपति पेड्रो एलियाना ने इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, मुझे अपने सहकर्मी और मित्र वाल्टर हार्म्स के निधन की दुखद खबर मिली है। उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर की, जिसमें एक खेत में जलता हुआ मलबा दिखाई दे रहा है। पुलिस के मुताबिक, विमान उड़ान भरते समय एक पेड़ से टकरा गया, जिसके बाद जमीन पर गिर गया और उसमें आग लग गई।

31 हजार करोड़ की हेराफेरी को नजरअंदाज करने वाले ऑडिटरों पर लगा जुर्माना सही, एनएफआरए के आदेश को रखा बरकरार

नई दिल्ली ।
राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलएटी) ने 31 हजार करोड़ की हेराफेरी को नजरअंदाज करने वाले ऑडिटरों पर लगाए गए जुर्माने को सही माना है। अधिकरण ने डीएचएफएल के खिलाफ राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के आदेश को बरकरार रखा है। एनएफआरए ने 30 सितंबर को डीएचएफएल के 18 आंतरिक ऑडिटरों पर 18 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था, साथ ही उनके कहीं भी ऑडिटर के तौर पर काम करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। नियामकीय जांच में पाया गया कि डीएचएफएल की अलग-अलग शाखाओं में ऑडिटर के तौर पर काम करने वाले लोगों ने अपने कर्तव्यों का उल्लंघन किया था।

आदेश जागरूक करने वाला

एनसीएलएटी के जस्टिस राकेश कुमार जैन और तकनीकी सदस्य नरेश सलेचा ने एनएफआर के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि आदेश में कोई खामी नहीं है। बल्कि, एनएफआरए का आदेश जनता को जागरूक बनाने और उन्हें अच्छे वित्तीय निर्णय लेने में मदद करने में प्रभावी बनाने के लिए बेहद जरूरी है। एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया कि एनएफआरए के आदेशों से प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का कोई उल्लंघन नहीं होता है।

एनएफआरए के पास पर्याप्त अधिकार

आदेश में कहा गया है कि एनएफआरए के पास आईसीएआई की शक्तियों और प्राधिकार की तुलना में आईसीएआई के सदस्यों के पेशेवर कदाचार को रोकने के लिए पर्याप्त शक्तियां और अधिकार हैं। अधिकरण ने कहा कि ऑडिटरों की नियुक्ति की प्रक्रिया में कोई बदलाव की जरूरत नहीं है। लेकिन, ऑडिटिंग के वही मानक शाखा ऑडिट में भी लागू होते हैं, जो किसी विधिक ऑडिट पर लागू होते हैं। ऑडिटिंग के मानक सीए के लिए केवल मार्गदर्शन मात्र नहीं है, बल्कि इनका पालन करना अनिवार्य है। अपीलकर्ताओं की तरफ से ऑडिटिंग के मानकों का उल्लंघन किया गया है, लिहाजा एनएफआरए की तरफ से लगाए गया जुर्माना भी उचित है।

भ्रष्टाचार मामले में फंसे पीटीआई अध्यक्ष परवेज इलाही और उनके बेटे, एनऐबी ने दर्ज किया मामला

इस्लामाबाद।
राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष परवेज इलाही और उनके बेटे मूनिस इलाही के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, उन पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया गया है, जिससे राष्ट्रीय खजाने को 1 अरब पाकिस्तानी रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के अनुसार, एनएबी ने परवेज इलाही, मूनिस इलाही और अन्य पर अवैध रूप से 116 विकास योजनाओं को मंजूरी देने और रिश्वत प्राप्त करने का आरोप लगाया है।

रिश्वत लेने का लगा आरोप

भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने इलाही और उनके बेटे पर अपने पसंदीदा ठेकेदारों को ठेके देकर रिश्वत लेने का आरोप लगाया। भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने यह भी कहा कि इलाही ने रिश्वत में 744.5 मिलियन पीकेआर से अधिक का गबन भी किया। रिपोर्ट के अनुसार, अकाउंटेंट मूनिस और उसके परिवार के बैंक खातों में रिश्वत जमा करता रहा।

चलना चाहिए मुकदमा

मूनिस इलाही ने अपने विदेशी बैंक खाते में 1.61 मिलियन यूरो जमा किए और परिवार के अन्य सदस्यों ने अपने खातों में पीकेआर 304 मिलियन से अधिक जमा किए। भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने उल्लेख किया कि जांच में संदिग्धों को दोषी पाया गया और कहा गया कि जवाबदेही ब्यूरो को मुकदमा चलाना चाहिए और तदनुसार उन्हें दंडित करना चाहिए।

मूनिस इलाही ने खारिज किया सभी आरोप

रिपोर्ट के अनुसार, मूनिस इलाही ने अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज कर दिया है। (पूर्व में ट्विटर) पर दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा, आज एनएबी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है जिसमें कहा गया है कि मेरे पिता और मैं भ्रष्टाचार में शामिल हैं और उन्होंने हमारे खिलाफ 744 मिलियन रुपये की राशि का दावा करते हुए एक संदर्भ दायर किया है।

स्पेन में रह रहे है मूनिस इलाही

गौरतलब है कि, परवेज इलाही को गुजरात जिले के लिए आवंटित विकास निधि के गबन के संबंध में 70 मिलियन पीकेआर के भ्रष्टाचार मामले में 1 जून को गिरफ्तार किया गया था। तब से, इलाही को कई बार रिहा किया गया और विभिन्न मामलों में तुरंत गिरफ्तार किया गया। इस बीच, पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने मूनिस इलाही को पाकिस्तान वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वह कथित तौर पर पाकिस्तान में राजनीतिक उत्पीड़न से बचने के लिए दिसंबर 2022 से स्पेन में रह रहे हैं। मूनिस इलाही को पाकिस्तान वापस लाने के लिए, संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने रेड नोटिस जारी करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) से संपर्क किया है।

नोमुरा ने 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया

मुंबई । जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 5.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी के आधिकारिक आंकड़ें आने के बाद यह बढ़ोतरी की गई। हालांकि ब्रोकरेज कंपनियों के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत तक धीमी होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुस्ती, ग्रामीण मांग और निजी पूंजीगत व्यय में गिरावट, वैश्विक नरमी के कारण 2024-25 में वृद्धि दर घट सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण, खनन और सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी।

रणवीर विश्व प्रसिद्ध बॉलीवुड स्टार है: स्टोन

- हॉलीवुड स्टार ने की एक्टर की दिल से प्रशंसा

मुंबई (ईएमएस)। हॉलीवुड स्टार शेरोन स्टोन ने अभिनय के प्रति बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के जुनून की प्रशंस की है। स्टोन ने कहा- एक सपना जो उन्होंने बचपन से देखा है। एक महत्वाकांक्षी अभिनेता से बॉलीवुड के राजघराने तक का उनका सफर न केवल उनके समर्पण बल्कि उनकी निर्विवाद प्रतिभा को भी दशार्ता है। स्टोन ने कहा, रणवीर सिंह एक विश्व प्रसिद्ध बॉलीवुड स्टार और स्टाइल आइकन हैं। वह 5 फिल्मफेयर पुरस्कारों सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित हैं। उनकी सफलता के बाद से जैसा कि आपने देखा है, वह परिवर्तन के स्वामी हैं, उन्होंने खुद को असंख्य पात्रों में डुबो दिया है, जिन्होंने एक अभिनेता के रूप में उनकी असाधारण रेंज का प्रदर्शन किया है। उन्होंने आगे कहा, चाहे वह बैंड बाजा बारात में उनका करिश्माई और प्रिय बिटू शर्मा हो, पद्मावत में क्रूर और प्रतिशोधी खिलजी हो या गली बॉय में उत्साहित और प्रेरणादायक रैपर मुराद हो, जिस्के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता है, रणवीर हर भूमिका में जान डाल देते हैं। उन्होंने आगे कहा, गली बॉय में अपनी भूमिका के बाद उन्होंने अपने स्वयं के रिकॉर्ड लॉन्च किए, जिससे पता चला कि वह वास्तव में एक रचनात्मक प्रतिभा हैं। एक और प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने के लिए मंच पर उनका स्वागत करते हुए मुझे सच्ची खुशी हो रही है। रेड सी इंटरनेशनल फेस्टिवल में प्रतिष्ठित युसर अवॉर्ड से सम्मानित बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की हॉलीवुड स्टार शेरोन स्टोन ने जमकर प्रशंसा की। स्टोन ने कहा, यहां आने से पहले मुझे रणवीर से मिलकर बहुत खुशी हुई, वह कितने अच्छे इंसान हैं। पिछले साल रेड सी युसर पुरस्कार बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान को प्रदान किया गया था।

परिवार के साथ एनिमल देखने पहुंची आलिया

-शो देखने के बाद खुशी से फूली नीतू कपूर

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म एनिमल के प्रीमियर शो में एक्टर रणबीर कपूर की पत्नी आलिया भट्ट अपने मायके और ससुराल वालों के साथ स्पेशल शो देखने पहुंचीं। प्रीमियर में आलिया सास नीतू कपूर, पापा महेश भट्ट, मां सोनी राजदान और बहन शाहीन भट्ट के साथ नजर आईं। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इससे पहले एनिमल की टीम ने फिल्म का प्रीमियर होस्ट किया। इस बीच वह फिल्म की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना संग गले मिलते भी दिखीं। रणबीर की मां नीतू कपूर ने बिना शब्द के थंब्स अप देकर बताया कि उन्हें ये फिल्म काफी अच्छी लगी। उल्लेखनीय है कि पहले भी कई मौकों पर कपूर और भट्ट परिवार के लोगों को साथ स्पॉट किया गया है। वे किसी भी खास मौके का जश्न मिलकर बनाते हैं। हाल ही में शाहीन भट्ट के जन्मदिन पर सब लोग एक जगह जमा हुए थे। इसके अलावा प्रीमियर के बाद जब आलिया और उनका परिवार बाहर निकल रहा था, तब एक्ट्रेस ने पैपराजी के सामने फिल्म पर अपना रिव्यू दिया। आलिया ने सिर्फ एक शब्द बोला। दरअसल इंस्टाग्राम पर पैपराजी मानव मंगलानी द्वारा एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें आलिया से जब कैमरामैन ने एनिमल के बारे में पूछा तो उन्होंने प्यारी सी स्माइल के साथ जवाब देते हुए कहा, आउटस्टैंडिंग। हालांकि इससे पहले आलिया को खतरनाक कहते भी सुना गया। आलिया की यह रिएक्शन सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। आलिया ने रणबीर और एनिमल को डेडिकेट एक कस्टमाइज्ड टी-शर्ट पहनकर भी उनका सपोर्ट किया। टी-शर्ट में फिल्म से रणबीर का लुक दिखाया गया था। उन्होंने टी-शर्ट को आकर्षक काले ब्लेजर और काली पैंट के साथ स्टाइल किया। गौरतलब है कि संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल में रणबीर लंबे समय बाद एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। फिल्म में रणबीर के अलावा रश्मिका, अनिल कपूर और बॉबी देओल लीड रोल में हैं। अनिल ने रणबीर के पिता का रोल निभाया है, जबकि बॉबी खूंखार विलेन बने हैं।

अमिताभ बच्चन अपने बच्चों में जायदाद का बराबर करेंगे बंटवारा

-जुहू में स्थित बंगला प्रतीक्षा बेटी श्वेता बच्चन नंदा के नाम किया

मुबई (ईएमएस)। अमिताभ बच्चन ने कहा है कि वह अपनी जायदाद का बंटवारा अपने बच्चों में बराबर करेंगे। उन्होंने हाल ही में जुहू स्थित बंगला प्रतीक्षा बेटी श्वेता बच्चन नंदा के नाम किया है। गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन बॉलीवुड इंडस्ट्री के शहंशाह कहलाते हैं। अमिताभ ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत 1969 में आई फिल्म सात हिंदुस्तानी से की थी। हालांकि उनकी इंडस्ट्री में पहचान एंग्री यंग मैन के तौर पर बनी। दीवार, जंजीर, शोले, डॉन और कुली जैसी फिल्मों में काम कर उन्होंने बड़े पर्दे पर धमाल मचाया। साथ ही फैंस के दिलों में जगह बनाई। आज 80 साल की उम्र में भी अमिताभ बच्चन ना सिर्फ फिल्मों और टीवी पर काम कर रहे हैं बल्कि एक्शन अवतार निभाते भी नजर आने वाले हैं। इस बीच उन्होंने अपनी जायदाद को लेकर बात की है। महानायक ने कुछ सालों पहले अपने गेम शो कौन बनेगा करोड़पति के मंच पर बताया कि उनके मरने पर इस संपत्ति का क्या होगा। बिग बी ने कहा था कि उनके मरने पर उनके दोनों बच्चों अभिषेक बच्चन और श्वेता बच्चन नंदा के बीच इस करोड़ों की संपत्ति को बराबरी से बांटा जाएगा। इससे पहले एक ट्वीट के जरिए उन्होंने लिखा था, जब मैं मरूंगा, जो भी संपत्ति मैं अपने पीछे इस दुनिया में छोड़कर जाऊंगा वो मेरे बेटे और बेटी के बीच बराबरी से विभाजित होंगे। इसी क्रम में शुक्रवार, 24 नवंबर को अमिताभ बच्चन ने अपना मुंबई के जुहू में स्थित बंगला प्रतीक्षा बेटी श्वेता बच्चन नंदा के नाम कर दिया। विट्ठलनगर हाउजिंग सोसाइटी में बना ये बंगला 674 स्क्वायर मीटर और 890.47 स्क्वायर मीटर के दो प्लॉट्स में बना है। दोनों प्लॉट्स मिलाकर इस प्रॉपर्टी की कुल कीमत 50.63 करोड़ रुपये है। अपने करियर के शुरूआती दिनों में अमिताभ बच्चन परिवार संग इसी बंगले में रहा करते थे। अब ये श्वेता बच्चन नंदा के नाम कर दिया गया है। इतना ही नहीं अमिताभ बच्चन के पास मुंबई में दो और बंगले हैं, जिनका नाम जलसा और जनक है। बच्चन सालों से जलसा में परिवार संग रह रहे हैं। उनकी नेट वर्थ की बात करें तो ये तकरीबन 3300 करोड़ रुपये के आसपास है। करोड़ों के तीन बंगले होने के साथ-साथ अमिताभ बच्चन के पास बेंटले, रोल्स रॉयस, ऑडी संग कई लग्जरी गाड़ियां हैं। उनकी गाड़ी बेंटेली कांटीनेंटल जीटी की कीमत 3.29 से 4.04 करोड़, रॉल्स रायस पेंटाम की कीमत 8.99 करोड़, लेक्जस एलएक्स 570 की कीमत 2.32 करोड़ और ऑडी ए8एलकी कीमत 1.64 से 1.94 करोड़ है। बिग बी के पास अपना प्राइवेट जेट भी है, जिसकी कीमत लगभग 260 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

फिल्म डंकी 21 दिसम्बर को होगी रीलिज

-शाहरुख खान अपनी तीसरी फिल्म है डंकी

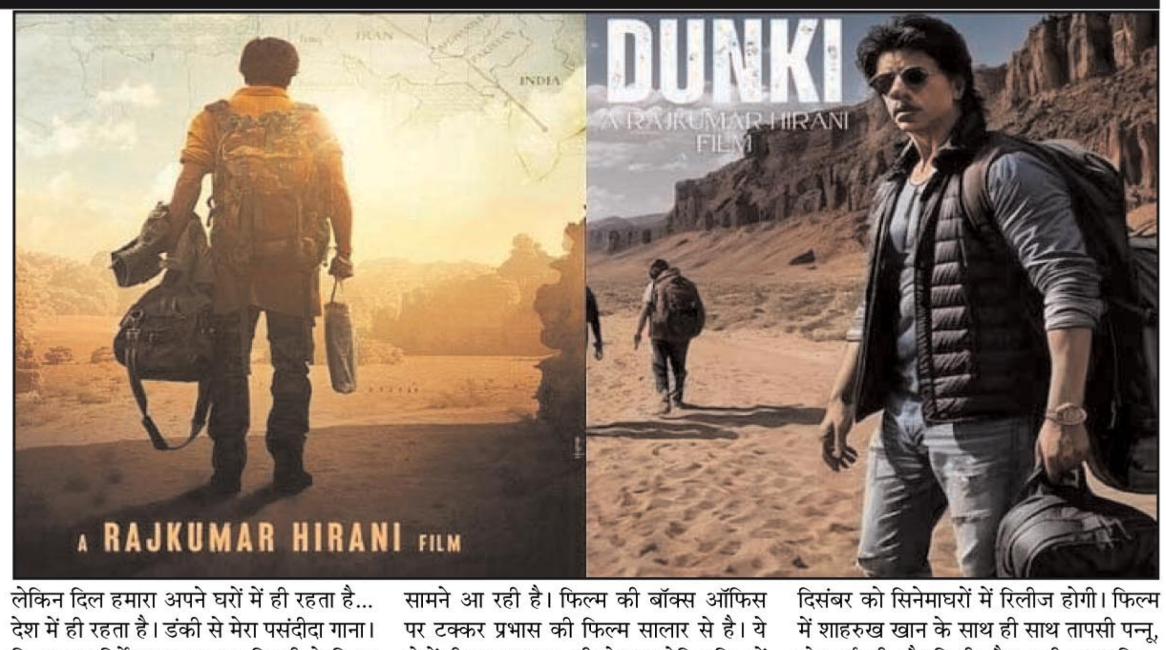

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की फिल्म डंकी 21 दिसम्बर को सिनेमाघरों में आने वाली हैं। हिन्दी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई वाली दो फिल्में पठान और जवान देने वाले शाहरुख खान की डंकी तीसरी फिल्म है। शाहरुख खान इस फिल्म का प्रचार करने में लगे हैं। डंकी को देखने का क्रेज दर्शकों में बीते कुछ समय से नजर आ रहा है। पहले गाने के बाद अब डंकी का दूसरा गाना भी रिलीज हो गया है। निकले थे कभी हम घर से का म्यूजिक प्रीतम ने दिया है जबकि बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैं। वहीं गाने को आवाज सोनू निगम ने दी है। सोशल मीडिया पर निकले थे कभी हम घर से ट्रेंड होना शुरू हो गया है। शाहरुख खान ने अपने ट्वीट में लिखा, आज ऐसे ही दिल में आया ये गाना तो आपके साथ शेयर कर रहा हूं...। राजू और सोनू नाम से ही लगते हैं कि अपने ही कोई होंगे और ये गाना जो दोनों ने बनाया है, ये भी अपनों का है। अपने घर वालों की यादों का है... अपनी मिट्टी का है... अपने देश की बाहों में सुकून मिलने का है। हम सब कभी न कभी अपने घर से.. गावों से.. शहर से दूर निकल जाते हैं.. जिंदगी बनाने के लिए... लेकिन दिल हमारा अपने घरों में ही रहता है... देश में ही रहता है। डंकी से मेरा पसंदीदा गाना। फिल्म का निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया है और पहली बार दोनों की जोड़ी दर्शकों के सामने आ रही है। फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर प्रभास की फिल्म सालार से है। ये दोनों ही साल 2023 की मोस्ट अवेटिड फिल्मों में शुमार हैं। गौरतलब है कि फिल्म डंकी, 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में शाहरुख खान के साथ ही साथ तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विकी कौशल भी प्रमुख किरदारों में नजर आएंगे।

झूठी खबरों के खिलाफ कृति ने की कानूनी कार्रवाई, ट्रेंडिंग प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने से किया इंकार

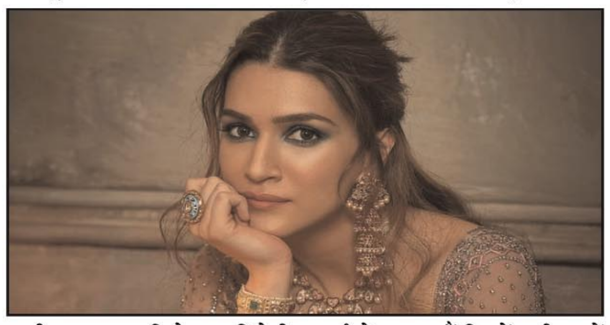

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कृति सेनन के लिए यह वर्ष बेहद ही हलचल बढ़ा रहा है। इस वर्ष उनकी तीन फिल्में रिलीज हुई हैं और तीनों ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में नाकामयाब रही हैं। इन दिनों वह अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में बिजी चल रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री खुद को एक झूठी खबर में फंसा हुआ पाया है। कृति ने स्पष्ट किया कि करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण 8 में उनके द्वारा ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का समर्थन करने के बारे में निराधार आरोप लगाए जा रहे हैं। कृति सेनन ने इन सभी दावों को खारिज कर दिया है। साथ ही सार्वजनिक रूप से इन खबरों का खंडन किया है। अभिनेत्री ने इस गलत खबर के प्रसार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। आज रविवार, 3 दिसंबर को कृति ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण 8 में ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के अपने कथित प्रचार से संबंधित खबरों को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी साझा करते हुए लिखा, 'ऐसे कई लेख आए हैं जिनमें झूठी खबरें दी गई हैं। मैं कॉफी विद करण में कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का प्रचार कर रही हूं। ये लेख पूरी तरह से फर्जी और झूठे हैं और बेईमानी और गलत इरादे से प्रकाशित किए गए हैं। ये लेख मानहानिकारक हैं और मुझे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ने का झूठा दावा कर रहे हैं। मैंने शो में कभी भी किसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के बारे में बात नहीं की है।' कृति ने आगे लिखा, 'मैंने ऐसे झूठे लेखों और रिपोर्टों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है और कानूनी नोटिस जारी किया है। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि ऐसी झूठी, फर्जी और अपमानजनक रिपोर्टों से सावधान रहें।' कृति सेनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो, हाल ही में वह 'गणपथ' में नजर आई थीं। उनकी आगामी फिल्मों की बात करें तो साल 2024 में वह 'द क्रू' और 'दो पत्ती' में नजर आएंगी। 'द क्रू' रिया कपूर द्वारा निर्देशित और एकता कपूर द्वारा निर्मित है। वहीं फिल्म 'दो पत्ती' में कृति सेनन अभिनय के साथ-साथ निर्माण भी कर रही हैं।

हिंसा के कारण घर से बेघर हुए तहलका भाई ने घटना पर तोड़ी चुप्पी

'बिग बॉस 17' अपनी शुरूआत से ही दर्शकों को मनोरंजन का भरपूर डोज दे रहा है। शो में हर सीजन की तरह इस बार भी दोस्ती, प्यार और तकरार की झलक देखने को मिल रही है। वहीं, दिन बीतने के साथ ही कई रिश्ते टूटते, तो कई नए रिश्ते बनते नजर आ रहे हैं। बीते सीजन की तरह इस सीजन में भी कई दफा बिग बॉस के एक बड़े नियम का उल्लंघन होता नजर आया है। कई बार प्रतियोगियों के बीच शारीरिक झड़प देखी जा चुकी है। हालांकि, बीते दिन सनी आर्या उर्फ तहलका भाई और अभिषेक कुमार के बीच हुई झड़प इतने बड़े पैमाने पर पहुंच गई कि बिग बॉस ने सनी को बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं, घर से बेघर हुए तहलका भाई ने अब इस घटना पर चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा बयान दे दिया है।

तहलका ने मानी अपनी गलती - मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तहलका भाई उर्फ सनी आर्य अपने प्रशंसकों का तब तक मनोरंजन कर रहे थे, जब तक उनकी आक्रामकता ने उनके खेल को बुरी तरह प्रभावित नहीं किया। अभिषेक कुमार के साथ शारीरिक हिंसा कर घर के नियमों का उल्लंघन करने के कारण तहलका को 'बिग बॉस 17' से बाहर कर दिया गया। सनी ने बिग बॉस से बाहर आने के एक इंटरव्यू में इस घटना पर खुलकर बात की है। सनी ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपना आपा खो दिया, और अभिषेक पर भड़क कर उन्होंने बहुत बड़ी गलती की।

आखिरकार झगड़ा हुआ खत्म, छह साल बाद साथ दिखेंगे कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर

टीवी कॉमेडी शो "द कपिल शर्मा शो" का हर किरदार पॉपुलर है। इस शो में सुमोना चक्रवर्ती, कीकू शारदा, चंदन प्रभाकर, सुनील ग्रोवर ने अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि कुछ साल पहले ऑस्ट्रेलिया जाते समय कपिल और सुनील का प्लेन में झगड़ा हो गया था। तब "डॉ. "गुलाटी" का किरदार निभाने वाले सुनील ने शो छोड़ दिया। इसके बाद अक्सर चर्चा होती रही कि वह शो में लौटेंगे लेकिन सुनील नहीं लौटे। अब छह साल बाद कपिल और सुनील के बीच सारे मतभेद खत्म हो गए हैं और वे नए शो में दर्शकों को हंसाते नजर आएंगे। कई सालों के झगड़े के बाद सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा एक बार फिर पर्दे पर साथ आ रहे हैं। दोनों ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर नए शो के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने आएंगे। उन्होंने एक नए प्रोजेक्ट की घोषणा की है। इसका एक प्रोमो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस प्रोमो को कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। चर्चा है कि कपिल और सुनील एक साथ आएंगे। कपिल, सुनील और उनकी टीम करीब 190 देशों का दौरा करेगी। इस बात की जानकारी उन्होंने इस वीडियो में दी है।

वीडियो में सुनील ग्रोवर कपिल शर्मा के सामने एक शर्त रखते हैं। सुनील ने कपिल से कहा कि वह हवाई जहाज से नहीं बल्कि सड़क मार्ग से ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। कपिल इस बात से सहमत हैं। वीडियो में राजीव ठाकुर, कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक और अर्चना पूरन सिंह भी हैं।

2017 में विमान में हुआ था झगड़ा : कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर के बीच 2017 में प्लेन में झगड़ा हुआ था। उसके बाद सुनील ग्रोवर ने कपिल का शो छोड़ दिया।

उस लड़ाई के बाद ये जोड़ी लगभग छह साल बाद एक बार फिर साथ नजर आएगी। फैंस उन्हें एक बार फिर साथ देखने के लिए बेताब हैं। हालांकि, अभी तक उनके आने वाले नए प्रोजेक्ट का नाम सामने नहीं आया है।

जैकी श्रॉफ ने साझा किया नीना गुप्ता के साथ काम करने का अनुभव, कहा- उनकी ईमानदारी असर डालती है

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ और अभिनेत्री नीना गुप्ता इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मस्त में रहने का' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म को विजय मौर्य ने लिखा और निर्देशित किया है। जैकी और नीना को आखिरी बार आठ साल पहले एक लघु फिल्म 'खुजली' में देखा गया था, जिसमें एक मध्यम आयु वर्ग के जोड़े की गुप्त इच्छाओं और छिपी हुई कल्पनाओं को दिखाया गया था। अब जैकी ने नीना के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया है। नीना के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए जैकी ने कहा, "हम शिक्षा के दो अलग-अलग स्कूलों से आते हैं। वे नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से हैं। वे एक सम्मानित और प्रतिष्ठित कलाकार हैं, जबकि मैंने सेट पर अपनी कला सीखी है, इसलिए निश्चित रूप से विपरीत चीजें आकर्षित करती हैं। मैं उनसे सीखता हूं और मुझे नहीं पता कि वे मुझसे कुछ सीख सकती हैं या नहीं, लेकिन उनकी ईमानदारी मुझ पर प्रभाव डालती है।" जैकी ने आगे कहा कि जब हम स्क्रीन पर एक साथ आते हैं तो हमारे बीच एक-दूसरे के प्रति अद्भुत समझ विकसित होती है। मुझे लगता है कि हमारी केमिस्ट्री खूबसूरती से मिश्रित है और दर्शक भी इसे महसूस करते हैं। 'मस्त में रहने का' मेड इन मौर्या के बैनर तले निर्मित है और प्यार और जीवन में दूसरे मौके, माफी, मुक्ति जैसे विषयों पर आधारित है। नीना ने कहा कि वे और जैकी 'खुजली' के बाद कई वर्षों के बाद वापस आ रहे हैं।

पंद्रह मिनट की फिल्म जिसे हर किसी ने पसंद किया, कम से कम जो भी इसे देख सकता था। हमें इसे करने में बहुत मजा आया और हमें 'मस्त में रहने का' करने में और भी अधिक मजा आया। हम एक-दूसरे के साथ बहुत सहज हैं। हम सुधार करना जानते हैं, हम एक साथ हंसते हैं और खाना खाते हैं। ईमानदारी से कहूं तो उनके साथ इस फिल्म पर काम करना बहुत मजेदार था और मैं उनके साथ और अधिक मनोरंजक परियोजनाओं में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। जैकी दयालु और अद्भुत व्यक्ति हैं।

वहीं बात करें फिल्म के बारे में तो 'मस्त में रहने का' फिल्म का निर्देशन विजय मौर्य ने किया है। वहीं, पायल अरोड़ा और विजय मौर्य ने मिलकर इसकी पटकथा लिखी है। इस फिल्म में अभिषेक चौहान, मोनिका पंवार, राखी सावंत और फैसल मलिक भी अहम रोल में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर आठ दिसंबर को रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6631

★★★✫☆ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6630 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7378

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए.दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कबूतर,कमजोर,कलयुग,कलंक,कलश, कलाई,करामात,करतूत,कर्म,कमर

शब्दजाल - 7377 का हल

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6331

3		4	6	7		
2	33		36		27	
	6	5		3	2	1
4	30		27		31	6
	2		4			7
6	36	6	32	4	34	
5		7			3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6330 का हल

3	7	6	1	2	4	5
2	33	1	23	6	33	6
5	7	2	4	1	6	3
4	28	4	27	4	36	4
1	2	3	4	5	6	7
6	37	7	38	7	33	2
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

फज़ल और नबीबख्श का संयोजन शानदार है गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच राम मेहर सिंह

अहमदाबाद।

गुजरात जायंट्स ने तेलुगु टाइटंस पर 38-32 की जीत के साथ प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 में शानदार शुरुआत की है, मुख्य कोच राम मेहर सिंह का मानना है कि टीम बेहतर खेल सकती थी।

एक जीत बहुत अच्छी है, लेकिन मुझे लगा कि हम बेहतर खेल सकते थे। सोनू ने बहुत अच्छा खेला और हमारे लिए खेल बदल दिया। रक्षा इकाई ने कई गलतियाँ कीं। सोनू के अलावा अन्य रेडर भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।

मुख्य कोच ने ईरानी जोड़ी फ़ज़ल अत्राचली और मोहम्मद नबीबख्श के सुपर टैकल की भी सराहना की जो मैच में निर्णायक साबित हुए। पवन सहरावत के खिलाफ फजल अत्राचली और मोहम्मद नबीबख्श के सुपर टैकल खेल के निर्णायक मोड़ थे। फजल और नबीबख्श एक बेहतरीन संयोजन बनाते हैं। जब भी पवन बोनस अंक हासिल करने की कोशिश कर रहा था, दोनों उससे निपटने के लिए तैयार थे।

इस बीच, यू मुंबा ने यूपी योद्धा पर 34-31 से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में टीम के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर यू मुंबा के मुख्य कोच घोलमरेज़ा माज़ंदरानी ने कहा, टीम में कई नए खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों के पास टूर्नामेंट से पहले एक-दूसरे को जानने का समय नहीं था। फिर भी, सभी युवा हैं। एथलीटों ने बहुत अच्छा खेला। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा वे निश्चित रूप से बेहतर हो सकते हैं। हालांकि, मुझे लगता है कि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन बनाने में समय लगेगा।

पीकेएल सीजन 10 के शुरुआती दिन यू मुंबा के लिए ऑलराउंडर अमीरमोहम्मद जफरदानेश मैच के स्टार थे। उन्होंने शानदार रेड की और खेल में कुल 12 अंक बनाए। रेडर के बारे में बात करते हुए, माज़ंदरानी ने कहा: अमीरमोहम्मद का प्रतिक्रिया समय बहुत बढ़िया है।

वह हमारे लिए वास्तव में एक अच्छा खिलाड़ी है। हमारे पास एक और ईरानी हेइदराली एकरामी है, जो एक अच्छा खिलाड़ी भी है, लेकिन हम जिस प्रतिद्वंद्वी से खेलते हैं उसके अनुसार हम अपनी टीम का संयोजन चुनेंगे।

न्यूज ब्रीफ

यूरो कप का ड्रॉ जारी; ग्रुप ऑफ डेथ में गत विजेता इटली और स्पेन; रोनाल्डो की टीम के लिए आसान राह

नई दिल्ली । यूरोप के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट यूरो कप 2024 के लिए ड्रॉ का एलान कर दिया गया है। जर्मनी के 10 शहरों में टूर्नामेंट का आयोजन होगा। यूरो कप का उद्घाटन मैच 14 जून को खेला जाएगा। वहीं, फाइनल का आयोजन 14 जुलाई को होगा। हैम्बर्ग में ड्रॉ जारी किया गया। पहला मैच मेजबान जर्मनी और स्कॉटलैंड के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह मैच बर्लिन में खेला जाएगा। मेजबान जर्मनी ग्रुप ए में स्कॉटलैंड, हंगरी और स्विट्जरलैंड के साथ है। गत विजेता इटली को स्पेन के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में क्रोएशिया और अल्बानिया की टीम भी है। इटली ने इंग्लैंड को हराकर पिछली बार खिताब जीता था। स्पेन की टीम तीन बार चैंपियन बनी है। उसने 1964, 2008 और 2012 में खिताब अपने नाम किया था। पिछली बार स्पेन की टीम सेमीफाइनल में हार गई थी। इटली की बात करें तो वह 1968 और 2020 में चैंपियन बना था। इटली की टीम पिछले दो विश्व कप में नहीं खेल पाई है। वहीं, उसके ग्रुप में शामिल क्रोएशिया ने दोनों बार शानदार प्रदर्शन किया है। क्रोएशियाई टीम 2018 विश्व कप के फाइनल तक पहुंची थी। वहीं, 2022 में उसने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। क्रोएशिया की टीम अब तक यूरो कप के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाई है। उसकी नजर इस बार शानदार प्रदर्शन करने पर होगी। स्पेन और इटली के होने से ग्रुप बी को ग्रुप ऑफ डेथ कहा जा रहा है। इंग्लैंड की टीम को इस बार आसान ड्रॉ मिला है। ग्रुप सी में उसके साथ स्लोवेनिया, डेनमार्क और सर्बिया है। इंग्लैंड पिछली बार यूरो कप के फाइनल में इटली के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार गया था। वहीं, ग्रुप डी में मजबूत फ्रांस के साथ नीदरलैंड और ऑस्ट्रिया को जगह मिली है। फ्रांस और नीदरलैंड के बीच होने वाला मुकाबला भी बड़ा होगा। बेल्जियम को ग्रुप ई में स्लोवाकिया और रोमानिया के साथ रखा गया है।

जब कोहली और नवीन उल हक का हुआ आमना-सामना....दोनों हंस पड़े

नई दिल्ली । आईपीएल 2023 में विराट कोहली से झड़प के बाद से ही अफ़गानिस्तान के तेज गेंदबाज

नवीन उल हक सुर्खियों में हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया पर कोहली पर निशाना साधने की कोशिश करते थे। लेकिन नवीन कोहली के साथ हुई झड़प पर खुलकर बोले हैं। दोनों ने भारत-अफगानिस्तान के बीच हुए विश्व कप मैच में मामला खत्म किया। उन्होंने कहा कि मेरे और विराट कोहली के बीच पर्सनल जैसा कुछ नहीं था। जो हुआ मैदान पर हुआ। नवीन कहते हैं, मैं मैच के दौरान लॉन्ग ऑन पर फील्डिंग करने जा रहा था। मैं और कोहली एक दूसरे के पास से गुजर रहे थे। तभी मेरा और कोहली का आमना-सामना हुआ। विराट ने बोला कि इस खत्म करते हैं। मैंने बोला हां खत्म करते हैं। उनके दिल में कुछ नहीं था। जो हुआ था वहां बस ग्राउंड में हुआ था। नवीन ने कहा, मैं एक खिलाड़ी के रूप में उनकी बहुत इज्जत करता हूं।वे जितना कर चुका है और कर रहा है। हमें उन्हें समझने और उन्हें परफॉरमेंस की तारीफ करने की जरूरत है। उन्होंने मैदान में जब बोला कि हम फिनिश करते हैं,तब हम एक दूसरे को देखकर हंसे और हमने अच्छी फ्रेंडशिप करने का फैसला किया। नवीन उल हक ने इससे पहले इंटरव्यू में कहा था कि यह पूरी बहस विराट कोहली के द्वारा शुरू की गई थी। उन्होंने पहले तेज

ब्रेडमैन ने 9 दशक बाद भी बरकरार रखा टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के 'सर' डॉन ब्रेडमैन ने 9 दशक बाद भी टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड बरकरार रखा। 'सर' डॉन ब्रेडमैन को क्रिकेट का सर्वकालीन महान बैटर माना जाता है। वर्ष 1948 में करियर का आखिरी मैच खेलने वाले 'क्रिकेट के इस डॉन' ने कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए जो अब तक नहीं टूट सके हैं। इसमें टेस्ट क्रिकेट में सबसे ऊंचे औसत (99.94) का रिकॉर्ड शामिल है। डॉन टेस्ट में 'परफेक्ट 100' का औसत भी हासिल कर सकते थे लेकिन द ओवल में अपने आखिरी टेस्ट में वे 0 पर आउट हो गए। अगर वे 4 रन बना लेते तो उनका औसत 100 का हो जाता लेकिन ऐसा हो नहीं सका। यही नहीं, ऑस्ट्रेलिया के इस बैटर का एक और रिकॉर्ड ऐसा है जो 9 दशक बाद भी नहीं टूट सका है। यह रिकॉर्ड किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का है। सर डॉन के क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सुनील गावस्कर, ब्रायन लारा, सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग मार्क टेलर, विव रिचर्ड्स और ज्योफ बायकॉट जैसे बैटर टेस्ट क्रिकेट में अपनी चकाचौंध बिखेर चुके हैं लेकिन यह रिकॉर्ड अब तक कायम है। बता दें कि वर्ष 1928 से 1948 के बीच क्रिकेट खेले ब्रेडमैन ने वर्ष 1930 में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज में 139.14 के जबर्दस्त औसत से 974 रन बनाए थे जिसमें चार शतक शामिल थे।

वैशाली-प्रगनानंदा दुनिया के पहले ग्रैंडमास्टर भाई-बहन

वैशाली ने 2500 की रेटिंग पार की; प्रगनानंदा 12 साल की उम्र में बने थे ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली।

ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनाननंदा और उनकी बहन वैशाली रमेशबाबू ने अनूठा इतिहास रचा है। वैशाली स्पेन में एललोब्रेगेट ओपन के दौरान 2500 रेटिंग को पार कर भारत की तीसरी महिला ग्रैंडमास्टर बन गईं। इस उपलब्धि के साथ वैशाली और उनके छोटे भाई प्रगनाननंदा इतिहास में दुनिया की पहली ग्रैंडमास्टर भाई-बहन की जोड़ी बन गए हैं। साथ ही दोनों भाई-बहन ग्रैंडमास्टर बनने के बाद कैंडेट्स भी बन गए हैं। दोनों अब वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप खिताब में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले भारत की कोनेरू हंपी और हारिका द्रोणावली महिला ग्रैंडमास्टर रह चुकी हैं। ग्रैंडमास्टर बनने के बाद उत्साहित वैशाली का कहना है कि मैं खिताब हासिल करने से काफी खुश हूं। वैशाली ने कहा कि जब से मैंने शतरंज खोलना शुरू किया था, तब मैं ग्रैंडमास्टर बनने का सपना देखती थी।

अब ये पूरा हो गया है। अभी मेरा फोकस एललोब्रेगेट ओपन टूर्नामेंट जीतने पर है। 18 साल के प्रगनाननंदा ने 12 साल की उम्र में जबकि वैशाली ने 22 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब पाया है। भाई-बहन की यह जोड़ी शतरंज ओलिंपियाड में डबल ब्रॉन्ज और एशियाई खेलों में डबल सिल्वर मेडल भी जी चुकी है। कोच रमेश का कहना है कि दोनों भाई-बहन रोज 8 घंटे प्रैक्टिस करते हैं।

प्रगनाननंदा ने बड़ी बहन से सीखा था शतरंज

प्रगनाननंदा की बड़ी बहन वैशाली ने भी छोटी उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू किया था। घर में बहन वैशाली को खेलता देख प्रगनाननंदा की भी शतरंज के प्रति रुचि बढ़ी। वैशाली ने ही छोटे भाई प्रगनाननंदा को शतरंज की बारीकियां सिखाईं।

वैशाली बताती हैं- जब मैं करीब 6 साल की थी, तो बहुत कार्टून देखती थी। मुझे इससे दूर करने के लिए पेरेंट्स ने मेरा नाम शतरंज और ड्रॉइंग की क्लास में लिखा दिया। बहन को चेस खेलता देख प्रगनानंदा भी उससे प्रेरित हुए और महज 3 साल की उम्र में शतरंज सीखने लगे। उन्होंने चेस की कोई क्लास नहीं ली और अपनी बड़ी बहन से खेलना सीखा।

पिता बैंक में काम करते हैं, मां हाउस वाइफ

प्रगनानंदा का जन्म 10 अगस्त, 2005 को चेन्नई में हुआ। उनके पिता स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक में काम करते हैं, जबकि मां नागलक्ष्मी एक हाउसवाइफ हैं। उनकी एक बड़ी बहन वैशाली आर हैं। वैशाली भी शतरंज खेलती हैं।

प्रगनानंदा का नाम पहली बार चर्चा में तब आया, जब उन्होंने 7 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चैम्पियनशिप जीत ली। तब उन्हें फेडरेशन इंटरनेशनल डेस एचेक्स मास्टर की उपाधि मिली।

वे 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए और सबसे कम उम्र में यह उपाधि हासिल करने वाले भारतीय बने। इस मामले में प्रगनानंदा ने भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले, वे 2016 में यंगेस्ट इंटरनेशनल मास्टर बनने का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। तब वे 10 साल के ही थे। चेस में ग्रैंडमास्टर सबसे ऊंची कैटेगरी वाले खिलाड़ियों को कहा जाता है। इससे नीचे की कैटेगरी इंटरनेशनल मास्टर की होती है।

प्रगनानंदा अजरबैजान के बाकू में हुए एफआईडीइ वर्ल्ड कप में थे रनर अप

प्रगनानंदा अजरबैजान के बाकू में हुए एफआईडीइ वर्ल्ड कप में रनर अप रहे थे। उन्होंने फाइनल में उन्हें 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराया। टाईब्रेकर का पहला रैपिड गेम नॉर्वे के खिलाड़ी ने 47 मूव के बाद जीता था। दूसरा गेम ड्रॉ रहा और कार्लसन चैंपियन बन गए। इससे पहले, दोनों ने क्लासिकल राउंड के दोनों गेम ड्रॉ खेले थे। प्रगनानंदा अगर यह मुकाबला जीत जाते तो 21 साल बाद कोई भारतीय यह टाइटल जीतता। इससे पहले विश्वनाथन आनंद ने 2002 में इस चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। तब प्रगनानंदा पैदा भी नहीं हुए थे।

आईपीएल मीडिया अधिकारों की कीमत 50 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचने की संभावना

बेंगलुरु ।

इंडियन प्रीमियर लीग के मीडिया अधिकारों की कीमत 50 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। आईपीएल अध्यक्ष अरूण धूमल ने खुलासा करते हुए कहा कि अगर खेल प्रेमियों की दिलचस्पी को ध्यान में रखते हुए लीग में नयापन और सुधार होता रहे तो इसके मीडिया अधिकारों की कीमत अगले दो दशक में 50 अरब डॉलर (50 बिलियन) तक पहुंच सकती है। इस समय आईपीएल के पांच साल के लिए मीडिया अधिकारों की कीमत करीब 48000 करोड़ रूपये (6.2 बिलियन डॉलर) है। इस तरह कीमत के हिसाब से नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के बाद आईपीएल दूसरे नंबर की लीग है। एनएफएल ने पिछले साल 11 वर्ष के लिए 110 बिलियन डॉलर की कीमत का करार किया है। आईपीएल अध्यक्ष धूमल ने यहां 'आरसीबी इनोवेशन लैब्स के 'लीडर्स मीट इंडिया कार्यक्रम में कहा कि अगर मुझे देखना है कि यह पिछले 15 साल में कैसा रहा और आगे यह कैसा होगा तो हमें आईपीएल के मीडिया अधिकारों के करीब 2043 तक 50 बिलियन डॉलर (50 अरब डॉलर) के करीब पहुंचने की उम्मीद है।

बता दें कि धूमल बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरूआत और क्रिकेट के 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किये जाने से भी वित्तीय लाभ की उम्मीद जतायी। धूमल ने कहा कि हमें नयापन लाते रहने की जरूरत है, खेल प्रेमियों की भागीदारी के मामले में बेहतर करते रहने की जरूरत है और मैच के स्तर के मामले में इन्हें बेहतर करते रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब क्रिकेट ओलंपिक का भी हिस्सा बन रहा है और महिलाओं के क्रिकेट में डब्ल्यूपीएल भी इसे अलग स्तर पर ले जा रहा है तो मुझे काफी उम्मीदें हैं। पिछले डेढ़ दशक में आईपीएल के मीडिया अधिकारों की कीमत काफी तेजी से बढ़ी है जो 2008 में 6000 करोड़ रूपए थी। इससे यह दुनिया भर की कई बड़ी खेल लीगों को पछाड़ती जा रही है।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हुआ एलान

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान हो चुका है। 14 दिसंबर से पाकिस्तान टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसके पहले टेस्ट के लिए कंगारू टीम का एलान हो गया है। 14 सदस्यीय स्क्वॉड में ऑस्ट्रेलियाई टीम में 37 साल के ओपनर खिलाड़ी डेविड वॉर्नर को जगह मिली है।

जबकि, कैमरून ग्रीन की वापसी हुई है, जिन्होंने एशेज के दौरान मिचेल मार्श की वजह से अपनी जगह खोई थी। इसके अलावा एक बार फिर से फास्ट बॉलर लांस मॉरिस को मौका मिला है। ऐसे में ये उम्मीद की जा रही है कि लांस मॉरिस को इस बार डेब्यू करने का मौका मिल सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम की 14 सदस्यीय स्क्वॉड का हुआ एलान

दरअसल, पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए कंगारू टीम में स्पिनर नाथन लियोन की वापसी हो रही है, जो अपने चोट से उबर कर आ रहे हैं। नाथन ने चोटिल होने के चलते एशेज सीरीज मिस की थी। उनकी जगह टॉड मर्फी को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है।

वहीं, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर

को पर्थ में खेले जाने वाले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह मिली है। वॉर्नर की टेस्ट औसत 28 की रही है। इस टेस्ट में वॉर्नर अपनी आखिरी टेस्ट सीरीज खेलने की राह पर है। उन्होंने सिडनी में अपने आखिरी टेस्ट खेलने की ईच्छा जाहिर की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि ये सीरीज उनके लिए आखिरी सीरीज रह सकती है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की पहली टेस्ट के लिए टीम इस प्रकार-

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, लांस मॉरिस, स्टीव स्मिथ, मिच स्टार्क, डेविड वार्नर।

ताहलिया मैक्ग्रा और जेस जोनासन का ध्यान अब भारत दौरे की तैयारी पर

एडिलेड।

महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के नौवें सीजन के खत्म होने के साथ, तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर ताहलिया मैक्ग्रा और बाएं हाथ की स्पिनर जेस जोनासन का ध्यान अब भारत के सभी प्रारूपों के दौरे की तैयारी पर केंद्रित हो गया है जिसकी शुरुआत एक टेस्ट मैच से होनी है, उसके बाद तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच होने हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 13 दिसंबर को मुंबई के लिए रवाना होगी और 21 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में चार दिवसीय टेस्ट मैच के साथ अपने भारत दौरे की शुरुआत करेगी। ताहलिया ने स्वीकार किया कि उनके लिए डब्ल्यूबीबीएल 2023 जीतने के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स की कप्तानी करते हुए भारत दौरे पर नज़र रखना कठिन था।

यह कठिन रहा है। खेल के बाद मैंने काफी गेंदबाजी की है, यह सुनिश्चित करने में काफी मेहनत की है कि मेरे पास सही मीटर और जिम सत्र हैं। भारतीय परिस्थितियों में टेस्ट मैच खेलना कुछ ऐसा है जो जरूरी नहीं है। यह बहुत बार आता है और मैं वास्तव में इसके लिए उत्साहित हूं।

ताहलिया के हवाले से कहा, यह अब काम करने के बारे में है, सभी ऑस्ट्रेलियाई लड़कियां भी ऐसा ही कर रही हैं, इसलिए हमारा शरीर भारत में काफी व्यस्त कार्यक्रम से निपटने में सक्षम है।

जेस के लिए, जिनकी टीम ब्रिस्बेन हीट उपविजेता रही, यह भारत दौरे की तैयारी शुरू करने से पहले कुछ दिन आराम करने के बारे में है, जहां ऑस्ट्रेलिया 1984 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलेगा।

मुझे यह कहना अच्छा लगेगा कि मैं छुट्टी ले रही हूं, लेकिन मुझे फिटनेस परीक्षण करना है, इसलिए यह पूरी तरह से आनंददायक नहीं है। लेकिन मैं घर पर कुछ दिनों की छुट्टी लूंगी, परिवार के साथ कुछ समय बिताऊँगी और फिर से इकट्ठा होकर भारत श्रृंखला के लिए तैयारी शुरू करेंगी।

पहली बार एक टेस्ट मैच वास्तव में विशेष है, और वानखेड़े स्टेडियम में खेलना – मुझे लगता है कि मैंने अपने पूरे करियर में एक बार पहले वहां खेला है, इसलिए उस तरह के स्टेडियम में वापस आने का अवसर प्राप्त करना वास्तव में विशेष होगा।

उसने निष्कर्ष निकाला, इतने कठिन डब्ल्यूबीबीएल अभियान के बाद शरीर बहुत अच्छा महसूस कर रहा है, बहुत सारी यात्राएं करनी पड़ीं और मैचों के लिए बहुत सारे त्वरित बदलाव हुए, लेकिन मैं वास्तव में इस बात से खुश हूं कि शरीर ने कैसे काम किया और अब यह दिमाग को फिर से ठीक करने के बारे में है।

विश्वकप में मिली शौहरत पर रचिन ने कहा, मैं आज भी जमीन पर

मुंबई ।

वर्ल्डकप 2023 में न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र ने एक गुमनाम से प्लेयर के तौर पर आए थे, लेकिन टूर्नामेंट में जबर्दस्त प्रदर्शन के बाद हर कहीं उनके नाम की चर्चा है। रचिन ने टूर्नामेंट के 10 मैचों में 64.22 के औसत से 578 रन बनाए जिसमें तीन शतक शामिल रहे। बल्ले से प्रदर्शन के अलावा खेल के प्रति अपनी अप्रोच और तकनीक से भी 24 साल के रचिन रवींद्र ने सभी को प्रभावित किया। हालांकि वर्ल्डकप में मिले नाम और शोहरत के बावजूद रचिन ने अपने 'पैर' जमीन पर ही रखे हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी भी वहीं रचिन हूं। अपनी टीम के साथियों और परिवार के साथ समय बिताता हूं। उम्मीद है कि इससे मेरी जिंदगी में कुछ भी बदलाव नहीं आएगा। रचिन ने कहा, हांज्यह जरूर है कि मुझे लोगों का कुछ ज्यादा अटेंशन मिलता है। वे फोटो और ऑटोग्राफ के लिए कहते हैं। मुझे लगता है कि जब आप कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए तब ऐसा होना स्वाभाविक है। रचिन ने स्वीकार किया कि पिता की क्रिकेट में

रुचि होने के कारण वे इस खेल से जुड़े। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता क्लब क्रिकेट खेले, वे क्रिकेट देखना काफी पसंद करते थे। घर के आसपास इसका माहौल था, मैंने उन्हीं से क्रिक्रेट को पैंशन बना लिया। हालांकि उन्हें कभी भी मुझे क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं डाला लेकिन स्वाभाविक रूप से मैं इससे जुड़ गया। सफलता मिलने पर पिता की प्रतिक्रिया के बारे में रचिन ने कहा, 'मेरे करीबी अन्य सभी लोगों की तरह वे भी बेहद खुश थे और गर्व महसूस कर रहे थे लेकिन वे इसे (अपने इमोशंस को) काफी हद तक सीने में ही रखते हैं। मेरी मां भी बहुत खुश थी। मेरे दोस्तों का ग्रुप ने हर मैच को देखा, वे ग्रुप चेट में इस बारे में बात भी करते थे। रचिन ने वर्ल्डकप के कुछ मैचों में नंबर तीन पर बैटिंग की, जिस पर सामान्यत: टीम के कप्तान केन विलियमसन करते थे। इस बारे में रचिन ने विलियमसन की प्रशंसा की और अच्छा लीडर बताया। रचिन ने कहा कि केन जो कहते हैं, वह करते हैं। चोटिल होने के कारण जब वे नहीं खेल रहे थे तब भी उनका रोल और लीडरशिप अहम थी। रचिन ने बताया, 'इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच के एक दिन पहले, मुझे ट्रेनिंग के दौरान पता चला कि मैं इस मैच में खेल रहा हूं और मुझे नंबर तीन पर बैटिंग करनी है। अपने पहले वर्ल्डकप मैच में डेव (डेवोन कान्वे) के साथ बैटिंग करना अच्छा रहा। वे मेरे आदर्श हैं और मैं उनके काफी करीब हूं। डेव के साथ 200 से अधिक रनों की पार्टनरशिप करना अच्छा रहा।

साद बेग को पाकिस्तान अंडर 19 का नेतृत्व सौंपा गया

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि साद बेग दुबई में होने वाले एसीसी अंडर19 एशिया कप 2023 में पाकिस्तान अंडर 19 का नेतृत्व करना जारी रखेगा। सोहेल तनवीर की अध्यक्षता वाली जूनियर चयन समिति ने 8-17 दिसंबर तक होने वाले आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम को अंतिम रूप दिया है। बेग, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला और बांग्लादेश दौरे में पाकिस्तान अंडर19 टीम की कप्तानी की थी, टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करना जारी रखेगी। जिसे दक्षिण अफ़्रीका में 2024 में पुरुष क्रिकेट विश्व कप अंडर19 में भाग लेने वाली एशियाई टीमों के लिए एक बड़ी तैयारी के रूप में देखा जाएगा। पाकिस्तान अंडर19 टीम को ग्रुप ए में अफगानिस्तान, गत चैंपियन भारत और नेपाल के साथ रखा गया है। वे टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 8 दिसंबर को नेपाल के खिलाफ खेलेंगे, इसके बाद क्रमशः 10 और 12 दिसंबर को भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेंगे। टीम के चयन से पहले, पाकिस्तान अंडर19 संभावित खिलाड़ी 24 नवंबर से हनीफ मोहम्मद हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, कराची में एक प्रशिक्षण शिविर के लिए इकट्ठे हुए थे। 15 सदस्यीय टीम अब 6 दिसंबर को दुबई के लिए रवाना होगी। सेमीफाइनल 15 दिसंबर को क्रमशः आईसीसी अकादमी ओवल 1 और दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होंगे, जबकि फाइनल 17 दिसंबर को बाद वाले स्थान पर होगा।

भोजन के बाद क्यों खाते हैं सौंफ, पान

स्वस्थ शरीर के लिए पाचन का सही होना जरूरी है। यदि पाचन तंत्र में कोई गड़बड़ी होती है तो शरीर में कई तरह की समस्याएं सामने आती हैं। मसलन गैस्ट्रिक, एसिडिटी, कब्ज, डायरिया, अपच, बदहजीम आदि। कुछ घरेलु नुस्खों को अपनाकर पेट को गैस और अपच से छुटकारा दिला सकते हैं। खाना खाने के बाद कुछ चीजों के सेवन से पाचन में काफी सहायता मिलती है। साथ ही, ये माउथ फ्रेशनर का भी काम करता है।

- एक कप पानी में सौंफ, इलायची और अदरक व एक चुटकी हींग अच्छी तरह से मिक्स करें। पेट में गैस बनने से रोकने के लिए हर बार खाना खाने के बाद एक टुकड़ा अदरक चबाना न भूलें।
- कब्ज की समस्या होने पर सौंफ का सेवन करें। सौंफ का सेवन पाचन और कब्ज से निजात दिलाने में काफी मददगार है।
- अगर आपके मुंह से हमेशा बदबू आती रहती है तो आप इलायची का ज्यादा इस्तेमाल करें। इलायची मुंह की बदबू हटाने में सबसे कारगर साबित होती है और इलायची व पुदीनायुक्त पान चबाने से भी मुंह की बदबू से निजात मिलती है।
- खाना खाने के बाद इलायची का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व खाने को पचाने में मदद करते हैं। साथ ही इसके रासायनिक गुण की वजह अंदरुनी जलन में भी राहत मिलती है। अगर आपको लगातार उल्टी जैसा महसूस हो रहा हो तो भी आप छोटी इलायची का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- इलायची के रासायनिक गुण शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल और दूसरे विषैले तत्वों को दूर करने का भी काम करता है। इससे रक्त भी साफ होता है।
- कफ की समस्या होने पर अदरक युक्त चाय पिएं। इसका सेवन करने से ठंड की वजह से गले में खराश और कफ की समस्या से निजात मिलती है। मधु के साथ अदरक के छोटे टुकड़े को चबाकर भी इसमें आराम मिलता है।
- पान कई बीमारियों का नाश करता है। यदि आप केवल पान के पत्ते का इस्तेमाल करते है तो यह काफी लाभकारी हो सकता है। इसे खानें से गंभीर से गंभीर बीमारियों से निजात मिल सकता है। इसमें कई तरह के एंटीसेप्टिक गुण छिपे हैं।
- पान के पत्ता का वैसे माउथ फेशनर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसे चबाने से हमारें लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। जब हम इसे चबा कर खाते है तब हमारी लार ग्रंथि पर असर पड़ता है। इससे सलाइव लार बनने में मदद मिलती है। जो हमारी पाचन तंत्र के लिए बहुत ही जरुरी है। अगर आपने भारी भोजन भी कर दिया है उसके बाद आप पान खा लें। इससे आपको भोजन आसानी से पच जाएगा।
- पान के पत्तों में कई ऐसे यौगिक होते हैं जो सांसों में बदबू को खत्म करता है। इसके अलावा पान में लौंग, सौंफ, इलायची जैसे विभिन्न मसाले मिलने से ये एक बेहतरीन माउथ-फ्रेशर भी बन जाता है।
- अगर आपको मसूड़ों में गांठ, सूजन जा फिर खून आ रहा हो तो इसके लिए पान के पत्तों को पानी में उबालकर उन्हें मैश कर लें। इन्हें मसूड़ों पर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- पान के पत्ते के रस को गैस्ट्रोप्रोटेक्टिव गतिविधी के लिए भी जाना जाता है जिससे गैस्ट्रिक अल्सर को रोकने में मदद मिलती है।
- इसका आयुर्वेद में बाल तोड़ फोड़े-फुंसी के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पान के पत्ते गरम करके उसमें आरंडी का तेल लगाकर फोड़े पर लगाने से आराम मिलता है।
- पान के पत्ते के डंठल को आरंडी के तेल में मिलाकर खाने से कब्ज से राहत पाई जा सकती है। इसके अलावा पान के पत्ते के साथ फ्लैक्सीड, त्रिफला और नींबू के सेवन से भी कब्ज का इलाज किया जा सकता है।

पेनकिलर है हानिकारक

जीवन में बहुत बार ऐसे अवसर आते हैं जब हमें पेनकिलर दवाओं का सेवन करना पड़ता है। विशेषत आस्टियो-आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक मात्रा में पेनकिलर दवाओं का सेवन करने की आदत हो जाती है। ऐसे मरीजों को यदि हृदय रोग भी हो तो ये दवाएं उनके लिए बहुत खतरनाक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त अधिक मात्रा में या पेनकिलर का अधिक सेवन हमारे गुर्दों को क्षतिग्रस्त कर सकता है।

दिल की हिफाजत के लिए पैदल चलें

आपने बुजुर्गों को अकसर यह कहते सुना होगा कि पैदल चलना सेहत के लिए अच्छा है। अब तो विज्ञान ने भी इसे सच साबित कर दिया है। शोधकर्ताओं के अनुसार भारतीय जीवनशैली में आने वाले बदलाव की वजह से अगले दो दशकों में यहां हृदय रोग के बढ़ने की आशंका है। इस नतीजे पर पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने लगभग चार हजार प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

एलर्जी के कितने रूप

एलर्जी तब होती है, जब शरीर किसी पदार्थ के प्रति प्रतिक्रिया करता है। एलर्जी को हल्के में लेना सेहत के लिए भारी पड़ सकता है, लेकिन कुछ सजगताएं बरतकर एलर्जी से बचा जा सकता है। फिर भी अगर कोई शख्स एलर्जी से ग्रस्त हो ही गया, तो उसका इलाज संभव है ...

देश में लगभग 25 फीसदी जनसंख्या एक या एक से अधिक एलर्जी से संबंधित रोगों से ग्रस्त है। वे पदार्थ जिनके कारण शरीर में प्रतिक्रिया होती है, एलर्जन कहलाते हैं। एलर्जी के विभिन्न प्रकार होते हैं। एटॉपिक डर्मेटाइटिस यह भी एलर्जी का एक प्रकार है, जिसमें त्वचा में सूजन आ जाती है। यह समस्या उन लोगों में ज्यादा पाई जाती है, जिनके परिवार के अन्य सदस्यों में भी एलर्जी के लक्षण पाए जाते हैं।

खाद्य पदार्थों से होने वाली एलर्जी

इस तरह की एलर्जी में हमारे शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) भोजन में शामिल किसी खास प्रोटीन के प्रति अतिसंवेदनशीलता प्रकट करता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की थोड़ी-सी मात्रा खाने से एलर्जी के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। कुछ खास खाद्य एलर्जन्स में दूध, अंडे, मछली और अन्य मांसाहारी भोजन, सोया, प्रिजर्वेटिव्स, फास्टफूड्स और गेहूं भी शामिल हैं। फूड इनटॉलरेन्स और फूड एलर्जी में एक खास अंतर यह होता है कि एलर्जी में प्रतिरक्षा तंत्र एक अनावश्यक प्रतिक्रिया प्रकट करता है, जो उस खाद्य पदार्थ में शामिल किसी खास प्रोटीन के कारण होता है। दूसरी ओर फूड इनटॉलरेन्स किसी पाचक एन्जाइम की कमी के कारण होता है।

लेटेक्स एलर्जी

लेटेक्स रबर के पौधे से स्रावित दूध जैसा दिखने वाला चिपचिपा द्रव होता है, जिसमें कुछ रसायन मिलाकर रबर का निर्माण किया जाता है। इसका इस्तेमाल दस्ताने, गुब्बारे, रबर बैन्ड, इरेजर व खेल के सामान बनाने में किया जाता है। इस तरह की एलर्जी उन लोगों में ज्यादा देखने को मिलती है, जो लेटेक्स की बनी चीजें ज्यादा उपयोग में लाते हैं। उदाहरण के तौर पर डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों को संक्रमण से बचाव के लिए लेटेक्स से बने दस्ताने पहनने होते हैं।

ऐसे लोगों में यह एलर्जी ज्यादा देखी गई है। लेटेक्स एलर्जी से पीड़ित 50 फीसदी लोगों में अन्य तरह की एलर्जी भी देखी गयी है। ऐसे लोगों में खाद्य एलर्जी भी तुलनात्मक रूप से ज्यादा होती है। परफ्यूम, इत्र और रसायन कुछ लोगों को सुगंधित स्प्रे, इत्र, व रसायनों से भी विभिन्न प्रकार की एलर्जी हो जाती है।

खिलौनों से एलर्जी- विशेषतः सॉफ्ट टॉयज और फर वाले टेडी बियर से बच्चों में त्वचा की एलर्जी व दमा की शिकायत हो जाती है।

त्वचा की एलर्जी के मुख्य लक्षण

- त्वचा पर खुजली होना।
- बार-बार त्वचा का संक्रमण।
- शरीर के जोड़ों वाले भागों पर ज्यादा असर होना।
- रोग का पारिवारिक इतिहास।
- त्वचा पर पपड़ी का जमना।
- मुंह के कोनों का फटना।
- हाथ या पैर में खुजली होना।

दवाओं से एलर्जी

दवाओं से एलर्जी के प्रभाव का दायरा काफी बड़ा है। हर व्यक्ति के शरीर पर इसके अलग-अलग असर देखने को मिल सकते हैं। किसी व्यक्ति के शरीर पर चकत्ते और खुजली हो सकती है, वहीं दूसरे को कोई दिक्कत न हो ऐसा भी संभव है। इस तरह की एलर्जी कुल होने वाली एलर्जी का 5 से 10 फीसदी होती है। कुछ दवाओं के प्रति एलर्जी ज्यादा देखी जाती है।

एंटीबॉयोटिक्स में जैसे पेंसिलीन, दर्द निवारक दवाएं, मिर्गी के दौरों की दवाएं और कीमोथेरेपी (कैंसर की दवाएं)। दवाओं से होने वाली गंभीर प्रकार की एलर्जी के लक्षणों में उल्टी से लेकर बालों का झड़ना, पेट खराब होना और दस्त आदि शामिल हैं। कई बार ब्लड प्रेशर के इलाज में दी जाने वाली कुछ दवाओं के एंजाइम से खांसी, चेहरे और जीभ में सूजन जैसे लक्षण प्रकट हो जाते हैं।

डायग्नोसिस

त्वचा परीक्षण: ये परीक्षण एलर्जी उत्पन्न करने वाले पदार्थ की पहचान के लिए किए जाते हैं।

रक्त परीक्षण: रक्त में विशिष्ट एंटीबॉडी से संबंधित परीक्षण किया जाता है।

इनविट्रो परीक्षण: फूड एलर्जी की संभावना का पता करने के लिए किया जाता है।

कीटों के डंक से एलर्जी हममें से अनेक लोग मधुमक्खियों और बर्र के डंक की पीड़ा बर्दाश्त कर चुके हैं और तब आपको यह भी ध्यान जरूर होगा कि उस जगह पर किस तरह से तीखी पीड़ा के साथ लालिमा और सूजन आ जाती थी। जो लोग इस तरह की एलर्जी से पीड़ित होते हैं, उनमें यह स्थिति और ज्यादा गंभीर हो जाती है। अन्य गंभीर लक्षणों में चेहरे, गले और जीभ पर सूजन, सांस लेने में दिक्कत, शरीर में भारीपन, पेट में मरोड़, जी मिचलाना और शरीर में चकत्ते व खुजली आदि को शुमार किया जाता है। पालतू जानवरों से एलर्जी पालतू जानवरों के रोएं, रूसी, लार और पेशाब में पाए जाने वाले पदार्थ एलर्जी पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा इन जानवरों के रोएं में एकत्र होने वाले परागकण और फफूंद के बीजाणु (स्पोर्स) भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इस तरह की एलर्जी के लक्षणों में छींके आना, खुजली होना, आंखों से पानी आना और अस्थमा तक के लक्षण शामिल हैं। पालतू जानवरों की उपस्थिति अन्य किस्म की एलर्जी से पीड़ित लोगों में लक्षणों की तीव्रता बढ़ाने का कारण बन सकती है।

उपचार

एलर्जी का इलाज काफी लंबा चलता है। इसलिए रोगी को धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। डॉक्टर के परामर्श से दवाओं का सही व नियमित प्रयोग करना चाहिए। एलर्जी की समस्या में कुछ दवाएं कारगर होती हैं।

जैसे सेट्रीजीन (ब्रांड नेम नहीं बल्कि केमिकल एलीमेंट है), लीवो सेट्रीजीन, फैक्सोफेनाडीन, क्लोरफेनीरामीन और मोंटील्यूकास आदि। एलर्जी के इलाज में इम्यूनोथेरेपी का भी इस्तेमाल किया जाता है।

नीम एक लेकिन फायदे अनेक

सेहत के लिहाज से नीम एक सौगात की तरह है। इसके पत्ते और छिलकों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जिनमें गंभीर बीमारियों को ठीक करने की क्षमता पाई जाती है। नीम का जूस हालांकि कड़वा होता है लेकिन इसके जूस को पीने से तन और मन दोनों तंदुरुस्त रहते हैं। नीम के सेवन के फायदों पर डालते हैं एक नजर

त्वचा के लिए फायदेमंद

नीम के पत्तों में विटामिन सी पाई जाती है। नीम के पत्तों को पीसकर शरीर पर लगाने से त्वचा से संबंधित रोग ठीक होते हैं। नीम के पत्ते त्वचा पर बने कालेधब्बों को हटाने और त्वचा को साफ रखने में फायदेमंद हैं।

अस्थमा के इलाज में कारगर

नीम की पत्तियां नियमित रूप से खाने पर अस्थमा के इलाज में मदद मिलती है। नीम की पत्तियां श्वास रोग, कफ और बलगम रोकने में सहायक हैं।

घावों को भरने में फायदेमंद

पेट की बीमारियों के लिए नीम काफी उपयोगी है। नीम पीएच स्तर को नियंत्रित करने में उपयोगी होने के साथ ही अल्सर होने से रोकता है।

मधुमेह को नियंत्रित रखने में मददगार

नीम की पत्तियां शरीर में शूगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करती हैं। नीम का उपयोग टाइप-2 मधुमेह के इलाज में किया जा सकता है। नीम एक तरीके से इंसुलिन का काम करता है।

दांतो के लिए फायदेमंद

नीम का दातुन नियमित रूप से इस्तेमाल करने से दांतो में पाए जाने वाले कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। इससे मसूड़े मजबूत, दांत चमकीले और निरोगी हो जाते हैं।

ये हैं सबसे उम्दा देश...

हाल ही में हुए एक सर्वे में दुनिया के 196 देशों में से 10 सबसे उम्दा देशों को चुना गया है। यह सर्वे गुड कंट्री इंडेक्स द्वारा कराया गया। सबसे बेहतर देश आयरलैंड को चुना गया। हैरानी की बात है कि इस सूची में भारत, चीन और यहां तक कि अमेरिका जैसे देश शामिल नहीं हैं। इन देशों को पर्यावरण और कुदरती संसाधनों को बचाने में सहयोग, विश्व शाांति बनाए रखने में योगदान, समानता, समृद्धि और साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आगे रहने के चलते 'टॉप टेन' में जगह दी गई।

फिनलैंड

उत्तरी यूरोप में स्थित इस देश को साइंस एंड टेक्नोलॉजी और समृद्धि के लिए इस सूची में शामिल किया गया है। इस देश के नाम सबसे ज्यादा नोबेल प्राइज हैं। यह क्वालिटी इंटरनेशनल पब्लिकेशन और एक्सपोर्ट के लिए जाना जाता है।

स्विटजरलैंड

यह देश अपने खूबसूरत पहाड़ों, विंटर स्पोर्ट्स और मनोहारी प्राकृतिक नज़ारों के लिए जाना जाता है। यहां के लोगों का 'स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग' काफी अच्छा है।

आयरलैंड इस देश को 'टॉप टेन' देशों में पहला स्थान मिला है। यह देश सभी मामलों में नंबर एक माना गया है। कल्चर, वर्ल्ड ऑर्डर, हेल्थ, लोगों का उच्च जीवन-स्तर, यूएन की स्वैच्छिक सेवाओं में मजबूत भागीदारी को देखते हुए इसे सर्वे में पहले नंबर पर रखा गया।

नीदरलैंड: यह देश अपने 'पॉजिटिव ग्लोबल इंपैक्ट' के लिए मशहूर है। नीदरलैंड अपने कल्चर, वर्ल्ड ऑर्डर, समानता, स्वास्थ्य और लोगों के उच्च जीवन स्तर की वजह से इस सूची में है। इसी के साथ नीदरलैंड को 'फ्रीडम ऑफ मूवमेंट' और 'प्रेस फ्रीडम' के लिए भी रेट किया गया है।

न्यूजीलैंड

इस देश को पर्यावरण और साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इस सूची में शामिल किया गया है। यहां के लोग 'इको फ्रेंडली' घरों को ही तरजीह देते हैं।

नॉर्वे

प्राकृतिक खूबसूरती और शहरों के विकास के लिए नॉर्वे को आठवें स्थान पर रखा गया है। नार्वे पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति के लिए प्रयास और लोगों के 'हाई स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग' के लिए जाना जाता है।

यूनाइटेड किंगडम

क्वीन एलिजाबेथ के देश यूनाइटिड किंगडम को इस रैंक में 7वां स्थान मिला है। इस देश को समानता, समृद्धि, स्वास्थ्य और लोगों के उच्च जीवन स्तर के लिए इस सूची में जगह दी गई है। इसके अलावा यह साइंस और टेक्नोलॉजी में नंबर-1 देश है।

डेनमार्क

यह खूबसूरत देश अपने कल्चर, बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं और लोगों के उच्च जीवन-स्तर के लिए जाना जाता है। डेनमार्क को फार्मास्यूटिकल एक्सपोर्ट, दूसरे देशों को खाद्यान्न में मदद और गरीब देशों को डोनेशन देने में आगे रहने के लिए इस सूची में शामिल किया गया है।

बेल्जियम

यूरोप का यह देश समानता, समृद्धि और लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अव्वल देशों में गिना जाता रहा है। इसके अलावा भी इस देश को बेहतरीन क्रिएटिव गुड्स एक्सपोर्ट, फ्रीडम ऑफ मूवमेंट और प्रेस फ्रीडम के लिए 'टॉप टेन' की सूची में शामिल किया गया है।

स्वीडन

यह देश अपने हाउसिंग स्टोर 'इकेया', स्विस चॉकलेट और वोदका के लिए मशहूर है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण में यह देश आइसलैंड और कनाडा के बाद तीसरे नंबर पर है। यह देश सीओ2 और ग्रीन हाउस गैसों के कम से कम उत्सर्जन के लिए भी जाना जाता है।

रेसिपी

हरी मटर का पराठा

कितने लोगों के लिए 8

सामग्री

3 कप आटा, 2 टे.स्पून घी, आधा टी स्पून नमक।

भरावन के लिए:

2 कप उबली हुई हरी मटर, 5 बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टी स्पून जीरा, 1 टे.स्पून घी, नमक स्वादानुसार। तलने के लिए आवश्यकतानुसार घी।

विधि

भरावन तैयार करने के लिए: उबली हुई मटर को हाथ से अच्छी तरह मैश कर लें। एक पैन में घी गर्म करें जब घी गर्म हो जाए तो उसमें जीरा डाल दें। जब जीरा चटकने लगे तो हरी मिर्च, मैश की हुई मटर और नमक डालकर 1 मिनट तक भूने और मिश्रण को ठंडा होने के लिये रभ दें।

पराठे के लिए आटे को छानकर उसमें नमक और घी मिलाकर, पानी डालकर मुलायम गूंध लें। 15 मिनट तक ढ़क कर रख दें। उसके बाद आटे की लोइयां बनाकर उसमें एक-एक चम्मच भरावन की सामग्री भरकर अच्छी तरह बंद कर दें, चकले बेलन की सहायता से बेल कर गर्म तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी लगाकर अच्छी तरह सेक लें। गर्मागर्म मटर का पराठा चटनी या अचार के साथ सर्व करें।

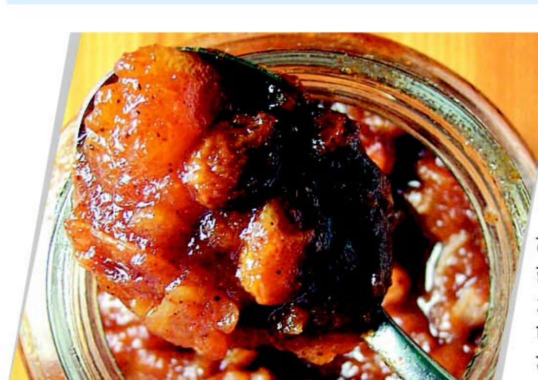

सेब की चटनी

कितने लोगों के लिए 10

सामग्री

500 ग्राम हरे सेब(छीलकर कटे हुए), 2 टे.सपून घी या तेल, 1-1/2 टी स्पून जीरा, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 2 टी स्पून पिसा अदरक, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/4 कप पानी, 1/2 टी स्पून दालचीनी, 1 चुटकी जायफल (पिसा हुआ), 1 कप चीनी।

विधि

तेल या घी को गर्म करके जीरे को भून लें। हरी मिर्च व अदरक पेस्ट डालकर 1 मिनट पकाएं फिर सेब और हल्दी डाल कर 2-3 मिनट तक हिलाएं। आंच धीमी कर के पानी, दालचीनी व जायफल डालें। जब तक सेब नरम न हो जाए तब तक बीच-बीच में हिलाते हुए पकाते रहें। चीनी डाल कर चटनी को तब तक पकाएं जब तक कि जैम जैसी न लगने लगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)